फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 262 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

Dekho Rajasthan!!

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

They were extremely displeased to understand that I will not 'adjust' by shifting to another berth with my toddler son and wife being granted one of my reserved berths. After around 30 mins of stand-off, they withdrew

From Labrador Retriever to Dachshund: Tracing the Pawprints of 10 Dog Breeds

अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर राहुल गांधी दिल्ली लौटे

वे शुक्रवार को अनंतनाग जायेंगे, जहाँ घायल व्यक्तियों का इलाज चल रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। राहुल गांधी कल श्रीनगर और अनंतनाग का दौरा करेंगे, जहाँ वे अनंतनाग में घायल लोगों से मुलाकात करेंगे और आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के प्रति संवेदना और एकजुटता का संदेश देंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि वे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मिल सकते हैं, जिनकी सरकार को कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है, हालांकि कांग्रेस सरकार में भागीदार नहीं है।

यह बात महत्वपूर्ण है कि पहलगाम हमले, जिसमें आतंकवादियों की गोली से 26 लोगों की जानें गईं, के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा समीक्षा बैठक के लिए उमर अब्दुल्ला को नहीं बुलाया। चूँकि जम्मू-कश्मीर अब भी एक केंद्र शासित प्रदेश है, सुरक्षा की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय पर है। इसीलिए यह सवाल उठ रहा है कि सुरक्षा में चूक के लिए जिम्मेदार कौन है और पहलगाम जैसे संवेदनशील इलाके में उस समय पुलिस या सेना की मौजूदगी क्यों नहीं थी, जब आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया।

- राहुल मु.मंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलेंगे। परंतु, गृह मंत्री अमित शाह ने सर्वदलीय बैठक में जिसमें पहलगाम में सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक पर भी चर्चा हुई, उमर अब्दुल्लाह को आमंत्रित नहीं किया है।
- हालांकि, सर्वदलीय बैठक में अमित शाह ने यह स्वीकार किया कि पहलगाम में "इंटैलिजैंस" चूक हुई है तथा सरकार इस बात की तफतीश कर रही है कि पहलगाम में पुलिस व सेना तैनात क्यों नहीं थी।
- प्र.मंत्री अभी तक कश्मीर नहीं जा सके हैं, हालांकि, वे बिहार में मधुबनी गये, जहाँ उन्होंने आम सभा में सार्वजनिक घोषणा की कि हर आतंकवादी, जिसने पहलगाम की घटना को अंजाम दिया है, को चिन्हित किया जायेगा, ट्रैक किया जायेगा और नेस्तनाबूद किया जायेगा।
- कांग्रेस ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में इन्टैलिजैंस व सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक को मुद्दा बनाया।
- सी.डब्ल्यु.सी. इस बात को भी ध्यान में लायी कि शीघ्र ही अमरनाथ यात्रा शुरु होने वाली है तथा लाखों तीर्थ यात्री इसमें भाग लेंगे तथा उनकी सुरक्षा को सरकार देश की पहली प्राथमिकता माने।
- महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, हम सुरक्षा व्यवस्था में चूक के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा नहीं कर रहे, पर हम शहीद हुए पर्यटक के दाह संस्कार में गये थे, वहाँ सबकी ज़बान पर, एक ही सवाल था, "इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई, सुरक्षा व्यवस्था में?"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी तक कश्मीर नहीं गए हैं और न ही उन्होंने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया, हालांकि, वे बिहार के मधुबनी में एक रैली को संबोधित करने गए और वहाँ गरजते हुए कहा कि वे पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएंगे जो वह कभी नहीं भूल पाएगा, और वो निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल लोगों को बख्शेंगे नहीं।

सूत्रों के अनुसार, सर्वदलीय बैठक में अमित शाह ने स्वीकार किया कि खुफिया विफलता हुई है और सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'द टैररिस्ट फ्रंट'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम हत्याओं के लिये जिम्मेदार आतंकियों और उनके मास्टर माइन्ड्स को "चिन्हित करने, ढूँढ निकालने तथा सजा देने" का प्रण किया है, और इसमें "रैज़िस्टैंस फ्रन्ट" नामक उस आतंकी संगठन पर फोकस किया गया है, जिसने इन हत्याओं की जिम्मेदारी का दावा किया है।

- नया आतंकवादी संगठन, जिसने पहलगाम आतंकवादी ट्रैजडी की जिम्मेवारी ली, पुराने आतंकवादी ग्रुप से भिन्न रणनीति प्रतिपादित करता है। पुराने आतंकवादी ग्रुप इस्लामिक पृष्ठभूमि पर फोकस करते थे, पर, टी.आर.एफ. कश्मीरियत पर जोर देता है। अतः "बाहरी" व्यक्तियों को कश्मीर में आकर बसने को बड़ा जुर्म मानता है तथा ऐसे व्यक्तियों को सबसे पहले "टारगेट" बनाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध के नगाड़ों की आवाज़ और नज़दीक आती जा रही है

पाकिस्तान ने "इण्डस वॉटर ट्रीटी" को निलम्बित करने (सस्पैंड करने) को "एक्ट ऑफ वॉर" (युद्ध प्रारम्भ कराने वाला कृत्य) बताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। पहलगाम में हुए हमले में निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। जुबानी जंग तेज हो गई है और दूर से सुनाई दे रहे युद्ध के नगाड़े करीब आते प्रतीत हो रहे हैं।

भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के कदम को पाकिस्तान ने युद्ध की कार्रवाई करार दिया है। पाकिस्तान अपनी कृषि भूमि की सिंचाई, पीने के पानी और आर्थिक गतिविधियों के लिए सिंधु नदी के जल पर पूरी तरह निर्भर है।

भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अपराध के दोषियों को, चाहे वे कहीं भी छिपे हों, पकड़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि भारत पहलगाम हत्याकांड के आतंकियों को पकड़ने के लिए दुनिया के किसी भी कोने तक जाएगा।

जवाब में पाकिस्तान ने चेतावनी दी है कि यदि उसकी संप्रभुता को खतरा हुआ या उसके क्षेत्र में घुसपैठ हुई तो वह प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करेगा। अभी से, पाकिस्तान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी तरह से नरम नहीं पड़ रहा है। उसने शिमला समझौते को अमान्य घोषित करने और भारत के लिए अपने हवाई क्षेत्र से सभी उड़ानों पर रोक लगाने जैसे शत्रुतापूर्ण कदमों की घोषणा की है।

शिमला समझौते को दरकिनार करने का अर्थ होगा कि नियंत्रण रेखा की

- साथ ही पाकिस्तान ने "शिमला पैक्ट" को अमान्य घोषित किया। इसका अर्थ है, "लाईन ऑफ कंट्रोल" की सार्वभौमिक पवित्रता नहीं रही तथा भविष्य में "लाइन ऑफ कंट्रोल" की परिभाषा बदलती रहेगी सुविधा व मौके के अनुसार।
- प्र.मंत्री मोदी के उद्‌घोष, कि भारत, पृथ्वी के अंतिम छोर तक जाकर भी आतंकवादी को ढूंढ़ निकालेगा और खत्म करेगा, के प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने कहा, अगर उनकी सीमा को लांघा गया और सार्वभौमिकता को चुनौती दी गई तो वह भी "जवाबी" कार्यवाही करेगा।
- पर, अभी तक पाकिस्तान के पहलगाम "एडवेन्चर" को विश्व के किसी भी कोने से समर्थन नहीं मिल रहा है।
- यहाँ तक कि अमेरिका भी अपने पुराने साथी, पाकिस्तान के खिलाफ दिख रहा है, आतंकवादी हमले की परिस्थिति में।
- अतः किसी भी तीसरी ताकत के हस्तक्षेप के अभाव में भारत-पाकिस्तान, आमने-सामने युद्ध की मुद्रा में खड़े हैं और बीच बचाव करने वाला कोई नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने ओवैसी को सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित नहीं किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के संबंध में केन्द्र सरकार ने गुरुवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इसमें उन्हीं दलों को बुलाया गया जिनके लोकसभा या राज्यसभा में कम से कम 5 सांसद हैं।

योग्यता मानदंड, जिसके कारण कई क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय राजनैतिक दल, जिनमें आवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन भी शामिल है, मीटिंग में शामिल नहीं हो पाए, तमाम लोकतांत्रिक नियमों के खिलाफ है, क्योंकि हरेक सांसद जनता का प्रतिनिधि है।

- सरकार ने मापदंड बनाया है कि जिन राजनीतिक दलों के पांच से कम सांसद हैं, उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित नहीं किया जायेगा, क्योंकि "बैठक" बहुत लम्बी हो जाती है।

ओवैसी ने एक बयान में कहा कि "पहलगाम आतंकी हमले पर हो रही ऑल पार्टी मीटिंग के बारे में मैंने गत रात्रि किरेन रिजीजू से बात की। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ 5 या 10 सांसद वाली पार्टियों को बुलाने पर ही विचार कर रहे है। जब मैंने पूछा कम सांसद वाले दलों को क्यों नहीं, तो उन्होंने कहा कि मीटिंग बहुत लम्बी हो जाएगी। जब मैंने पूछा हमारा, छोटी पार्टियों का क्या, तो उन्होंने मज़ाक में कहा कि मेरी आवाज़ तो वैसे भी बहुत तेज है।"

ओवैसी ने कहा, यह भाजपा या किसी अन्य पार्टी की मीटिंग नहीं है। यह सर्वदलीय बैठक है, जो आतंकवाद और आतंक के सरपरस्त देशों को मजबूत संदेश देने के लिए बुलाई गई है। केन्द्र इसमें विभिन्न राजनैतिक दलों को पहलगाम हमले पर जानकारी देगा और उनकी बात सुनेगा।

बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

ओवैसी ने कहा, आपकी अपनी पार्टी के पास बहुमत नहीं है। किसी भी पार्टी का भले ही एक सांसद हो या सौ सांसद हो, सभी को भारत की जनता ने चुना है और ऐसे महत्वपूर्ण फैसले पर उसका पक्ष सुना जाए, इसका उसे पूरा हक है। यह राजनैतिक मसला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मसला है। हरेक को सुना जाना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करता हूँ कि इसे सही मायने में सर्वदलीय बैठक बनाएं। हरेक दल को बुलाया जाना चाहिए।"

केन्द्र ने 2019 में पुलवामा हमले के बाद और फिर 2020 में इण्डो-चाइना गतिरोध के बाद, ऐसी ही बैठक बुलाई थीं।

कोटा में नीट के छात्र की संदिग्ध मौत

कोटा, 24 अप्रैल (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके में नीट के छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। 4 मई को उसका पेपर होने वाला था। छात्र मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

कुन्हाड़ी थाने के ड्यूटी ऑफिसर हैड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से गुरुवार सुबह 7 बजे के आसपास सूचना मिली थी कि बेंचमार्क सिटी के खाली प्लॉट में कोई बॉडी पड़ी हुई है। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी, साथ ही उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया था। पुलिस ने एफएसएल टीम को भी बुलाकर साक्ष्य एकत्रित करवाए थे।

- छात्र का शव एक खाली प्लॉट में मिला। वहीं उसका मोबाइल भी पड़ा मिला।

युवक की उम्र करीब 22 साल के आसपास है। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान भी नहीं दिखे। शव को,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

करीब 6 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने की गिरफ्तारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 अप्रेल। एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश जोशी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में हुए करीब 900 करोड़ के घोटाले में गुरुवार को दिनभर ईडी के अधिकारियों ने जोशी से पूछताछ की।

कई नोटिसों के बाद, गुरुवार को दोपहर 1 बजे कांग्रेस नेता महेश जोशी अपने एक निजी सहायक के साथ ईडी मुख्यालय पहुंचे। ईडी के अधिकारियों ने उनसे घोटाले से जुड़े मामले में पूछताछ की। करीब 6 घंटे पूछताछ के बाद ईडी ने जोशी को गिरफ्तार कर लिया।

सूत्रों के मुताबिक, एसीबी की जांच और ईडी से मिले दस्तावेजों में बड़ा खुलासा हुआ कि पूर्व मंत्री महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बड़ाया और पीएचईडी के अधिकारियों को टेंडर राशि का 4 प्रतिशत तक एडवांस भुगतान हुआ था। यह राशि दोनों संदिग्ध फर्मों, मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कम्पनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने दी थी।

- जोशी बोले, "मेरी पत्नी मरणासन्न स्थिति में है, मैंने कोई गड़बड़ी नहीं की, किसी से पैसा नहीं लिया।"
- सूत्रों के अनुसार, एसीबी की जाँच और ईडी से मिले दस्तावेजों में खुलासा हुआ है कि महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बड़ाया व पीएचईडी अधिकारियों को टेंडर राशि का 4 प्रतिशत तक एडवांस भुगतान हुआ था।

ईडी ने इस संबंध में एसीबी को दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। ईडी ने अपनी जांच के आधार पर पूर्व मंत्री महेश जोशी को आरोपी बनाया था। इसी आधार पर एसीबी ने भी महेश जोशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

इसके बाद ईडी, महेश जोशी को पिछले लंबे समय से पूछताछ के लिए बुला रही थी, लेकिन महेश जोशी व्यक्तिगत कारणों की वजह से नहीं जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, जोशी को कुछ दस्तावेज दिखाए गए, उन दस्तावेजों को लेकर उनसे जवाब मांगा गया।

जेजेएम घोटाला, केन्द्र सरकार की, हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे।

श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पीएचईडी की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रूप में 859.2 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लिया और 73 निविदाओं में एल -1 के रूप में भाग लेकर 120.25 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे।

ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद, महेश जोशी ने कहा कि "मेरी पत्नी मरणासन्न स्थिति में है। मैंने रिक्वेस्ट की कि मेरे खिलाफ केस बनाया गया है। मैंने कोई गड़बड़ी नहीं की। मैंने किसी से पैसा नहीं लिया।

जोशी ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ मैंने कार्रवाई की है, उनके बयान लेकर मेरे खिलाफ एक्शन लिया गया है। मुझे देश की कानून व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे न्याय मिलेगा।

गिरफ्तारी के बाद, देर शाम ईडी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने महिला डॉक्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही पर रोक लगाई

जयपुर, 24 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने मरीज के इलाज में लापरवाही से जुड़े मामले में जयपुरिया अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक रेखा सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर में दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश रेखा सिंह की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एके जैन और अधिवक्ता समर्थ जैन ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने जयपुरिया अस्पताल में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक रहते हुए जनवरी, 2023 में शिकायतकर्ता की आंख का ऑपरेशन किया था। वहीं, इसके दो साल बाद फरवरी, 2025 में शिकायतकर्ता ने निचली अदालत में परिवाद पेश कर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। याचिका में कहा गया कि संबंधित अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से पहले भारतीय नागरिक संहिता के प्रावधानों का पालन नहीं किया। कर्तव्यों

- राज्य सरकार से दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मृत पर्यटकों के परिवार वाले पहलगाम के नरसंहार के लिये "इंटैलिजैंस" व सिक्युरिटी चूक को जिम्मेवार मानते हैं

बैंगलोर निवासी चिन्नवीरप्पा, जिसका बेटा भारत भूषण पहलगाम में मारा गया, ने कहा, "केन्द्र को कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था में और कड़ाई लानी चाहिए, जिससे आतंकवादियों का खात्मा हो तथा और किसी का वैसा अंत न हो, जो मेरे बेटे का हुआ है"

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। नैशनल मीडिया ने कथित रूप से कश्मीर आतंकी हमले पर जो फैक्ट रखे है, उसमें फोकस इस बात पर करने का प्रयास किया है कि आतंकियों ने सिर्फ हिंदुओं को मारा है, लेकिन मरने वाले कुछ नागरिकों के परिजनों ने बैंगलोर लौटने पर जो बताया, उससे साफ जाहिर है कि यह "इंटैलिजैंस फेलियर" व सुरक्षा में चूक है।

गुरुवार सुबह कर्नाटक के दो नागरिकों के शव कश्मीर से लाए गए। इनमें से एक भारत भूषण का शव बैंगलोर उसके घर भेजा गया तथा दूसरे मृतक मंजूनाथ के अवशेष शिवमोगा में उसके घर भेजे गए।

दोनों जगहों पर नेता पहुँचे और उन्होंने अवसर का राजनैतिक लाभ उठाने की भरपूर कोशिश की। शिवमोगा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मंजूनाथ की शव यात्रा में शामिल हुए, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की और भारत माता की जय, जय मंजूनाथ, मंजूनाथ अमर रहे के नारे लगाए।

लेकिन मंजूनाथ और भारत भूषण के रिश्तेदारों ने घटना स्थल पर सुरक्षा बलों की गैर मौजूदगी पर सवाल उठाया और हादसे के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया।

बैंगलूरू के भारत भूषण (41 वर्ष) के पिता चिन्नवीरप्पा ने कहा कि "हम कूटनीतिक एक्शन का स्वागत करते हैं, पर बड़ा सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर होनी चाहिए थी। केन्द्र सरकार को कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए कदम उठाने चाहिए और सभी आतंकवादियों को खत्म कर देना चाहिए ताकि किसी का भी हश्र उनके बेटे जैसा न हो।"

- शिवामोगा के निवासी मंजूनाथ राव की पत्नी ने भी अपने पति की पहलगाम में हुई मृत्यु के बारे में कहा, "आतंकवादी मजे में घूम रहे हैं तथा भारतवासी भय से त्रस्त जीवन बिता रहे हैं।"
- "पहलगाम में और सुरक्षाकर्मी नियुक्त होने चाहिये थे। मेरी मोदी जी से एक ही प्रार्थना है कि आतंकवादियों में इतना आतंक फैला दें कि किसी भारतीय पर हाथ डालने से पहले उसके पसीने छूट जाएं, जैसे मेरे छूट रहे हैं, अपने पति की शव यात्रा में।"

मंजूनाथ (47 वर्ष) की पत्नी पल्लवी ने कहा, आतंकवादी खुले घूम रहे हैं और हम भारतीय वहाँ डर में रहते हैं। जब उन्होंने मेरे पति व अन्य लोगों को मार दिया था तो वहाँ एक घंटे तक कोई मदद नहीं पहुँची, मुझे लगता है कि पर्यटन स्थल (बैसारन) में सुरक्षाकर्मी तैनात होते तो यह हादसा टाला जा सकता था। मेरी मोदी जी से एक ही अपील है कि आतंकवादियों के खिलाफ इतने सख्त कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि वे भारत पर हमला करने की सोच से भी डरें। उनका भी वैसे ही पसीना छूटे, जैसे मेरे छूट रहे है, अपने पति की शव यात्रा में

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने आतंकी हमले के लिए केन्द्र को जिम्मेवार ठहराया और कहा कि यह भारी इंटैलिजैंस फेलियर व सुरक्षा चूक है। पर उन्होंने यह भी कहा कि फिर भी इस संकट की घड़ी में हम सरकार के साथ है और केन्द्र सरकार को आतंक व आतंकवादियों का विनाश कर देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि निर्दोषों की जानें गईं हैं। आतंकियों ने लोगों को उनके बीवी-बच्चों के सामने मारा है, इससे ज्यादा कायरतापूर्ण कुछ भी नहीं है। यहाँ पुलवामा घटना हुई थी, जिसमें 40 जवान मारे गए थे। मुझे लगता है कि इसमें खुफिया विभाग की विफलता है।

हमारी सरकार ने पीड़ित परिवारों को दस लाख रूपए देने की घोषणा की है।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत बैंगलोर में भूषण के घर गए। उन्होंने कहा कि "देश की वर्तमान सरकार ने सीसीएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह व जयशंकर ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले पर बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरूवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों केन्द्रीय मंत्री राष्ट्रपति से मिलने आये और उनके साथ बातचीत की। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुलाकात की फोटो जारी करते हुए इसकी जानकारी दी।पहलगाम हमले के मुद्दे पर सरकार द्वारा बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक से पहले हुई इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार शाह ने राष्ट्रपति को अपनी जम्मू

- दोनों ने सर्वदलीय बैठक से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पहलगाम हमले की जानकारी दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

यदि कोई दुर्बल मानव तुम्हारा अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना ही वीरों का काम है। परंतु यदि अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दण्ड दो। –गुरु गोविन्दसिंह

देश हित में होगा, यदि न्यायपालिका, विधायिका व कार्यपालिका सभी अपनी-अपनी हद में रहें

यह प्रश्न बार–बार सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आता रह है कि संसद और सर्वोच्च न्यायालय में कौन बड़ा है, कौन अधिक शक्तिशाली है? क्या संसद कानून बनाकर सर्वोच्च न्यायालय के अस्तित्व को समाप्त कर सकती है? अथवा क्या सर्वोच्च न्यायालय अपनी असीमित शक्ति के सहारे संसद को किसी विशिष्ट प्रकार के विषय पर कानून पारित करने से रोक सकती है? क्या संसद कानून बनाकर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को प्रभावित कर सकती है? ऐसे कई प्रश्न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष उठाये जाते रहे हैं। कोर्ट में इनकी सुनवाई है और सफलतापूर्वक इन पर निर्णय भी दिये गये हैं, किन्तु प्रश्न तो अनेक हैं, अन्त दिखाई नहीं देता। वहीं लोग वोट की राजनीति, जातिवाद, असमानता, आरक्षण आदि के अभिशापों में डूबते जा रहे हैं।

यह निर्विवाद है कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका अपने अपने क्षेत्र में स्वतंत्र इकाई हैं और मानते भी हैं कि उन्हें एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये। यह स्वतंत्रता उन्हें उस समय प्राप्त होती है, जब वे संविधान के दायरे में रहकर कार्य करते हैं। संसद को नियमों के अनुसार कानून बनाने का अधिकार है, जिसे अनुच्छेद 145 में नियम बनाने के अधिकार दिये हैं। किन्तु वह कानून यदि भेदभाव का निर्माण करता है, निरंकुश है, अथवा संवैधानिक अधिकारों पर कुप्रभाव डालता है, अथवा संविधान की तीनों लिस्टों में दिये गये विषयों पर नहीं है तो वह कानून अवैध होगा। कार्यपालिका का काम है, कानूनों की पालना करना और राज्य की व्यवस्था को बनाये रखना। न्यायपालिका का अधिकार है कि वह कानून की सही व्याख्या करे और यदि संसद का कानून संविधान के अनुरूप नहीं है तो उसे असंवैधानिक घोषित करे। फिर प्रश्न उठता है यदि सर्वोच्च न्यायालय संसद के कानून को असंवैधानिक घोषित करता है तो क्या संसद कानून बनाकर उस निर्णय को निरस्त कर सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने एस.टी. सदीक बनाम स्टेट ऑफ केरल व अन्य के दिनांक 04.02.2015 के निर्णय में यह स्पष्ट कहा है, कि लेजिसलेटिव अधिकार से, निर्णय को निरस्त नहीं किया जा सकता। क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो यह मानना होगा कि संसद, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरूद्ध अपेलेट कोर्ट है, जो सम्भव नहीं है।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय में कहा है कि राज्य के तीनों अंग कार्यपालिका, न्यायपालिका व विधायिका संविधान के अनुसार अपने अपने कार्यों में स्वतंत्रता दी गई है। यदि इनका संतुलन बिगड़ा तो संविधान की गरिमा पर विपरीत असर होगा। न्यायाधीशों का कार्य कठिन है। न्यायाधीश विनम्र होने चाहिये, शालीनता उनका धर्म। वे बादशाहों की तरह आचरण नहीं कर सकते। न्यायाधीश कानून नहीं बना सकते। न्यायालय का यह कार्य नहीं है कि बच्चों का दाखिला नर्सरी क्लास में किस प्रकार किया जावे। उनका कार्य है यदि इस बाबत कोई कानून है तो वे उसकी सही व्याख्या करें।

यशस्वी न्यायमूर्ति भगवती, जिन्हें लोकहित याचिका का जन्म दाता माना जाता है यह स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय के अनुच्छेद 141/142 में दिये गये अधिकार तथा जुडिशियल रिव्यू के अधिकार अपरिमित है। समय की पुकार है कि न्याय की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखा जावे। राज्य के तीनों अंगों में संतुलन बनोय रखना भारत के लोकतंत्र की प्रगति व विकास के हेतु आवश्यक है।

भारतीय संविधान में न्यायपालिका व विधायिका के अधिकारों का विशुद्ध विवेचन है। अनुच्छेद 212 में यह अभिव्यक्त किया गया है कि राज्य की विधायिका की किसी कार्यवाही की विधि मान्यता को प्रक्रिया की किसी अभिकथित, अनियमितता के आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जावेगा। अर्थात् कार्यवाही में प्रक्रिया का दोष है, उसे चुनौती नहीं दी जा सकती; किन्तु यदि कार्य ही अधिकार शून्य है तो चुनौती दी जा सकती है, जुडिशियल रिव्यू हो सकता है जो संविधान के Basic Structure का भाग है। यह भी ध्यान रहे कि अनुच्छेद 194 में विधायिका के विशेष अधिकार है और उन्हें अपने कार्य में उन्मुक्ति प्राप्त है।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय में कहा है कि राज्य के तीनों अंग कार्यपालिका, न्यायपालिका व विधायिका संविधान के अनुसार अपने अपने कार्यों में स्वतंत्रता दी गई है। यदि इनका संतुलन बिगड़ा तो संविधान की गरिमा पर विपरीत असर होगा। न्यायाधीशों का कार्य कठिन है।

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है:–

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवती भारतः।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

कानून उसी समय बनता है जब समाज का कोई अंग ऐसा आचरण कर रहा होता है जो अनुचित है, जिस पर अंकुश लगाना आवश्यक है। त्रेता युग में सीता ने अग्नि परीक्षा दी थी। यह युग न्याय की देवी की अग्नि परीक्षा का है। जज अग्नि परीक्षा से क्यों डरें, डर तो पथ भ्रष्ट व अन्यायी व्यक्ति के लिये है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक कुशल एडवोकेट व राजनीति के चतुर खिलाडी रहे हैं। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक कार्यक्रम को कुछ दिनों पूर्व सम्बोधित कर रहे थे, तब उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तामिलनाडु बनाम राज्यपाल के केस में राष्ट्रपति को निर्देश दिया है कि वे तीन माह की अवधि में जो विधायक उनके पास असेन्ट के हेतु लम्बित हैं, उन पर फैसला दें। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इस बाबत संवेदनशील हैं, क्योंकि हमने इस दिन की कल्पना नहीं की थी कि राष्ट्रपति को तयशुदा समय में फैसला देने को कहा जावेगा। उनका कहना था कि संविधान का अनुच्छेद 142 लोकतंत्र के खिलाफ परमाणु मिसाल बन गया है। उनका मानना कि न्यायाधीश 'सुपर संसद' की तरह काम कर रहे हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का काम तो संविधान की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट भी व्याख्या उसकी समय करेगी जब सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की पीठ सुनवाई करे। ऐसा प्रतीत होता है, धनखड और भारतीय जनता पार्टी तामिलनाडु के राज्यपाल पर विधेयकों पर असेन्ट देने की अवधि निश्चित करने के कारण खिन्न हैं। सम्भवतः वे इस घटना को न्यायपालिका का विधायिका पर आक्रमण मान रहे हैं। उनका मानना है कि न्यायपालिका विधायिका को निर्देशन नहीं दे सकती।

संविधान के अनुच्छेद 196 में विधायी प्रक्रिया क्या होगी, इसका उल्लेख है। बिल उसी समय अधिनियम होगा, जब उसे राज्यपाल की असेन्ट (अनुमति) मिलेगी जिसकी पूरी प्रक्रिया अनुच्छेद 200 में दी गई है। इसका अर्थ है असेन्ट के प्रभाव में वह अभी विधेयक नहीं बना है। असेन्ट के बाद उसका गजट में प्रकाशन होगा तब वह विधेयक लागू होगा। अनुच्छेद 212 में व्यवस्था है कि राज्य के विधान मण्डल की किसी कार्यवाही की विधि मान्यता को प्रक्रिया की किसी अभिकथित अनियमितता के आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जावेगा। अनुच्छेद 212(2) के तहत राज्यपाल के कार्य में किसी न्यायालय का दखल वर्जित है। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट का दखल, उपरोक्त परिस्थितियों में संवैधानिक नहीं कहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का आदेश कि 3 माह में राज्यपाल असेन्ट देवें, संवैधानिक विधायी प्रक्रिया का भाग है, अतः अनुच्छेद 200 के अनुसार वह अवैध है। अभी तक बिल विधेयक नहीं बना है।

प्रत्येक अधिनियम में एक प्रावधान होता है कि वह कब से लागू होगा। साधारणतः विधेयक, अधिनियम गजट में प्रकाशित होने पर लागू होता है अथवा उस तारीख से लागू होता है जो विधेयक (बिल) में निर्धारित की गई है। कई केसेज ऐसे हुये हैं जहां विधेयक को राज्य ने गजट में प्रकाशित कर अधिनियम नहीं बनाया। लोग कोर्ट में गये हैं, इस प्रार्थना के साथ की कोर्ट उसे लागू करने की आज्ञा दे और हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट के यह निर्णय हैं कि चूंकि यह विधायिका की प्रक्रिया है अतः कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

'हद में रहो' यह कहना स्वयं पर लागू होता है इसे चेतावनी के रूप में दूसरों को हद में रहने की नसीहत देना हद की सीमा का अतिरेक है।

लेखक का प्रस्ताव है सब अपनी अपनी हद में रहें। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को Complete Justice करने को अधिकृत करता है, किन्तु यहां पर यह स्थिति नहीं है।

प्रश्न यह है कि क्या राज्य के गवर्नर पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश बाध्यकारी है? ऐसा प्रतीत होता है कि केन्द्र सरकार अनुच्छेद 142 के तहत Ordinance लाकर राज्यपाल का बचाव कर सकती है।

कौन बड़ा? संसद, सुप्रीम कोर्ट अथवा संविधान या स्वयं सांसद, ऐसा प्रश्न है जिसका एक उत्तर मिलना संभव नहीं है। इसका उत्तर राष्ट्रहित को देखकर किया जाना है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पुनः दिनांक 23.04.2025 को कहा कि संसद सर्वोच्च है और सांसद 'अल्टीमेट मास्टर्स'। दूसरी ओर कपिल सिब्बल ने कहा न संसद सर्वोच्च है और न कार्यपालिका। कोई सर्वोच्च है तो वह संविधान है। सुप्रीम कोर्ट का काम संविधान की व्याख्या का है। सिब्बल ने कहा कि देश ने अब तक कानून के अर्थ को इसी प्रकार माना है। हमें उसी विचार धारा को मानना होगा जो संवैधानिक मूल्यों के अनुकूल हो व राष्ट्रहित द्वारा संचालित एवम् निर्देशित हो। विषय को समझने के लिये जैन दर्शन 'अनेकान्त' का प्रयोग हितकारी है।

सबको सन्मति दे भगवान!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

ब्यूरोक्रैसी के लिए श्रेयस्कर है पब्लिक एजेण्डा पर चलना

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

21 अप्रैल को लोकसेवा दिवस पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में राजस्थान ब्यूरोक्रेसी के मुखिया सुधांश पंत का संदेश इसलिए समसामयिक और अर्थपूर्ण हो जाता है कि उन्होंने पी–2 व जी–2 की चर्चा करने के साथ ही लोकसेवकों को महत्वपूर्ण संदेश दिया है वह पीए से पीए की और रुपांतरण का संदेश है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकसेवक अपने आपको प्रीविलेज ग्रुप का मानता है और समाज में भी उसकी हैसियत प्रीविलेज में ही होती है ऐसे में लोकसेवक का जीवन स्तर और सामाजिक स्तर समाज के अन्य वर्ग के लोगों से अलग हो जाता है। ऐसे में लोकसेवक के प्रति आमजन और सरकार के संचालकों की अपेक्षाएं भी काफी बढ़ जाती है। पर महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि लोकसेवक के प्रति समाज में जो अलग तरह का नजरिया बना हुआ है जिसमें काम को अनावश्यक रुप से डिले करने सहित अन्य नकारात्मक बिन्दु शामिल होते है। वह लोकसेवक को लेकर समाज में एक अलग ही तरह की धारणा बना देती है। ऐसे में राजस्थान ब्यूरोक्रेसी मुखिया मुख्यसचिव सुधांश पंत ने लोकसेवकों को जो संदेश पीए के स्थान पर पीए यानी कि परसनल एजेंडा के स्थान पब्लिक एजेंडा पर काम करने का संदेश दिया है वह अपने आपमें लोकतांत्रिक व्यवस्था में ब्यूरोक्रेसी को सही दिशा देने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी की भूमिका को स्पष्ट करता है। हांलाकि ब्यूरोक्रेसी के अधिकांश सदस्य अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति गंभीर होने के साथ ही अपने कार्य को प्रभावी तरीके से अंजाम देते हुए सरकार के जनहितकारी एजेंडा को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ब्यूरोक्रेसी की खास भूमिका होती है। सशक्त ब्यूरोक्रेटिक ढाँचे के बिना सरकारी, सार्वजनिक या निजी संस्था के सफलतापूर्वक संचालन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सुधांश पंत ने पी–2 यानी कि प्रो पिपुल–प्रो एक्टिव होने की आवश्यकता प्रतिपादित करने के साथ ही जी–2 यानी कि गुड गवर्नेंस का संदेश दिया और इसी को आगे बढ़ाते हुए ब्यूरोक्रेसी को पीए से पीए यानी कि परसनल एजेंडा के स्थान पर पब्लिक एंजेडा को तरजीह देने पर जोर दिया। सही मायने में देखा जाए तो ब्यूरोक्रेसी में इसी सोच की आवश्यकता है जिसे सुधांश पंत ने समझा है और समूची ब्यूरोक्रेसी तक इस संदेश का पहुंचाने का प्रयास किया है।

भारतीय चिंतकों से लेकर देश–दुनिया के जाने माने चिंतकों ने ब्यूरोक्रेसी के महत्व को स्वीकारने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी की भूमिका भी अपने अपने तरीके से तय की है। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में ब्यूरोक्रेसी यानीकि नौकरशाही के बारे में विस्तार से बताया गया है, लेकिन आज हम जिस रूप में ब्यूरोक्रेसी को देखते हैं उसको किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। प्राचीन मिस्त्र और रोम में भी नौकरशाही की मौजूदगी के प्रमाण मिलते हैं, लेकिन प्राचीन नौकरशाही प्रमुखतः राजशाही पर आधारित थी, शासक के निजी विचार व भावनाओं पर शासन चलता था। किंतु आज की नौकरशाही कानून कायदों से चलने वाली व्यवस्था है।

फ्रांसीसी अर्थशास्त्री विन्सेट डी गोर्नी ने 1745 में ब्यूरोक्रेसी शब्द का प्रयोग किया। नौकरशाही या 'ब्यूरोक्रेसी' लेटिन भाषा के 'ब्यूरो' जिसका अर्थ है 'मेज' और ग्रीक भाषा के 'क्रेसी' जिसका अर्थ है 'शासन' से मिलकर बना है। इस प्रकार 'ब्यूरोक्रेसी' का तात्पर्य 'मेज का शासन' से है। ब्यूरोक्रेसी को कर्मचारी तंत्र, अधिकारी तंत्र के साथ ही नकारात्मक अर्थो में लाल फीताशाही के रुप में भी जाना जाता रहा है। जॉन स्टुअर्ट मिल के अनुसार नौकरशाही का अर्थ समाज में सरकार के व्यावसायिक रूप से दक्ष प्रशासकों से है।

हैरोल्ड जोसेफ लॉस्की ने बताया कि एक सरकारी व्यवस्था में अधिकारियों का शासन ही नौकरशाही है। हर्मन फाईनर ने बताया कि, प्रशासकों या अधिकारियों द्वारा किया गया शासन ही नौकरशाही है। वहीं मार्शल ई. डिमॉक का कहना है कि नौकरशाही एक वृहत रूप में केवल संस्थावाद का नाम है। जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर पहले ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने नौकरशाही के नकारात्मक पहलुओं के बजाय सकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा बल दिया और नौकरशाही के आदर्श मॉडल का प्रतिपादन किया। वेबर ने नौकरशाही के बारे में बताया कि नियुक्त किये गए अधिकारियों का समूह नौकरशाही कहलाता है अर्थात् प्रत्येक वह व्यक्ति जो नियुक्त है, नौकरशाह है। साल 1920 में वेबर की किताब 'विर्टशॉफ्ट एंड गेसलशॉफ्ट' प्रकाशित हुई, जिसमें उन्होंने सत्ता के तीन रूप परंपरावादी सत्ता, चमत्कारिक सत्ता एवं कानूनी सत्ता बताया।

शासन में ब्यूरोक्रेसी की भूमिका लगभग तय होती है, जहां चुनी हुई सरकार कानून कायदे, योजनाओं, कार्यक्रमों या यों कहें कि अपना एजेंडा प्रस्तुत करते हैं वहीं धरातल पर अमली जामा पहनाने की जिम्मेदारी व अहम भूमिका ब्यूरोक्रेसी की होती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रजातंत्र में चुनी हुई सरकार की इच्छा शक्ति और वीजन का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है पर इसे भले ही अतिशयोक्तिपूर्ण माना जाए पर सचाई यही है कि आज विकास की जो तस्वीर देखने को मिल रही है इसे धरातल पर लाने में ब्यूरोक्रेसी की प्रमुख भूमिका रही है। ऐसे में सुधांश पंत का पीए से पीए अर्थात् परसनल एजेंडा से पब्लिक एजेंडा को महत्व देने का संदेश लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है।

ब्यूरोक्रेसी सरकार के एजेंडा को धरातल पर उतारकर आमजन तक उसका लाभ पहुंचाने का प्रयास करती है। अब परसनल एजेंडा के चलते क्रियान्वयन स्तर पर कमी रह जाती है और इसी को भलीभांति समझते हुए राजस्थान के ब्यूरोक्रेसी के मुखिया सुधांष पंत ने कार्यक्रम के माध्यम से समूची ब्यूरोक्रेसी को एक सकारात्मक संदेश देने का सफल प्रयास किया है। केवल एजेंडा की प्राथमिकता बदलने मात्र से काफी कुछ सुधार हो सकता है और इसका सीधा–सीधा लाभ आमजन को मिलने के साथ ही सरकार को भी मिलता है इसके साथ ही सरकार की सकारात्मक छवि बनती है।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

झुंझुनूं के शिवपुरा गांव के लोग दशकों से बूंद-बूंद पानी के लिये तरस रहे हैं

खेती की तो ये लोग सोचते ही नहीं, पशुओं को भी रखना छोड़ दिया है, क्योंकि खुद के पीने के पानी लिए भी दूसरे राज्य की ओर देखने पड़ता है

बुहाना, (निसं)। पानी बचाने के लिए हर कोई संदेश देता है, लेकिन झुंझुनूं का हरियाणा बॉर्डर का शिवपुरा गांव, जिसके ग्राउंड में वॉटर, यानि कि पानी की बूंद तक नहीं है। ऐसा नहीं है कि यह पानी आज ही खत्म हो गया है, बल्कि दशकों से यहां के लोग बूंद–बूंद के लिए भी दूसरे राज्य के मोहताज है। खेती की तो ये लोग सोचते ही नहीं, पशुओं को भी रखना छोड़ दिया है, क्योंकि खुद के पानी पीने के लिए भी दूसरे राज्य की ओर देखने पड़ता है। ऐसे में वे कहां से तो खेती करें और कहां से पशु पालें।

झुंझुनूं जिले के शिवपुरा गांव में जहां दशकों से जमीन में पानी नहीं है। ग्रामीण बूंद–बूंद पानी को लेकर भी तरस रहे हैं। सरकारी सिस्टम भी यहां पानी पहुंचाने में बेबस है। शिवपुरा गांव के लोगों ने खेती की आस छोड़ दी है। पशु भी पाले, ऐसी हिम्मत अब इनमें बची नहीं है। कारण है पानी। ग्रामीणों की मानें तो शिवपुरा ही नहीं, बल्कि हरियाणा बॉर्डर के लगभग गांवों में जमीन का पानी खत्म हो चुका है। 1000 से लेकर 1200 फीट तक भी जमीन खोदने के बाद भी बूंद तक पानी की नहीं निकलती। सरकारी पानी व्यवस्था यहां आकर फेल हो जाती है। यही कारण है कि अब हरियाणा के लोग राजस्थान की इस लाचारी का जमकर फायदा उठा रहे हैं। पड़ौस के हरियाणा में पानी का स्तर काफी अच्छा है। नहरी पानी भी मिलता है। ऐसे में अब हरियाणा के लोगों ने अपनी पर्सनल पाइप लाइन इन गांवों तक पहुंचा दी है। दो से 10 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन शिवपुरा जैसे गांवों में पहुंचाई गई है। घर–घर पर्सनल लाइन से कनेक्शन दिए गए हैं। महीने के 300 से 400 रूपए वसूलने के बाद एक घंटे पानी देने का वादा किया जाता है, लेकिन असल में पानी आता है कि 15 से 20 मिनट। कभी प्रेशर के कारण पानी नहीं आता तो कभी पाइप लाइन फट जाने के कारण पानी नहीं पहुंचता। उस समय पीने के लिए भी ग्रामीण पानी को तरस जाते है।

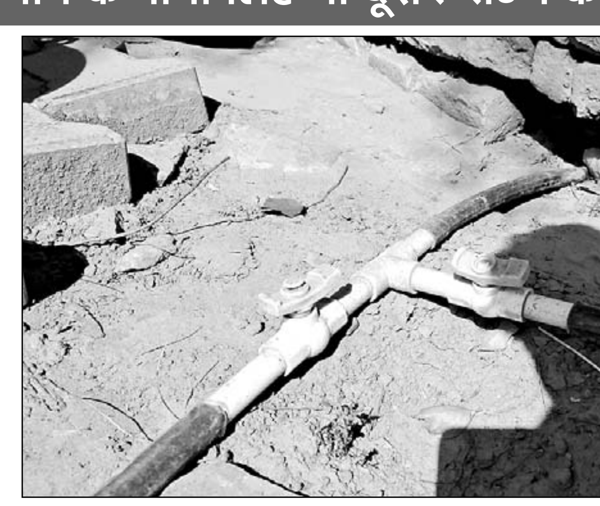

झुंझुनूं जिले के शिवपुरा गांव में हरियाणा के लोग पाइप लाइन डालकर पानी की सप्लाई करते हैं।

दशकों से झुंझुनूं के शिवपुरा गांव में लोगों को पेयजल को लेकर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

- **ग्रामीणों की मानें तो शिवपुरा ही नहीं, बल्कि हरियाणा बॉर्डर के लगभग गांवों में जमीन का पानी खत्म हो चुका है**
- **हरियाणा के लोग राजस्थान की इस लाचारी का जमकर फायदा उठा रहे हैं और कई गांवों में पर्सनल पाइप लाइन डाल दी है**
- **पानी की किल्लत से सबसे ज्यादा झुंझुनूं जिले के बुहाना तहसील के पथाना, चूड़ीना, भालोठ, काकड़ा, गूंति, श्योपुरा गांवों में हैं**

गांव-गांव डाली हरियाणा से पाइप लाइन :–ग्रामीणों ने मानना कि जब तक नहर का पानी उनके गांव तक नहीं पहुंचेगा, तब तक जीवन जीना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने पहले तो पाइप लाइन से पीने के पानी का धंधा शुरू किया। हमें भी पानी लेने की जरूरत थी, लेकिन अब उनकी नजर हमारे खेतों पर भी पड़ गई है। कई लोगों ने अपने खेत हरियाणा के लोगों को किराए पर दे दिए हैं। हरियाणा के लोग अपनी हरियाणा की जमीन में खुदे ट्यूबवैलों से उनके खेतों तक पानी लाकर फसल करते हैं। एक फिक्स पैदावार खेत मालिक को देकर उनके खेतों तक को एक तरह से किराए पर ले लिया है। जिन लोगों ने खेत किराए पर नहीं दिए है, वे बारिश के पानी पर निर्भर है। यदि बारिश अच्छी हो जाती तो खेतों में थोड़ी बहुत फसल हो जाती है। बारिश नहीं हुई तो खेत भी सूखे रह जाते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि इस पानी की किल्लत से सबसे ज्यादा झुंझुनूं जिले के बुहाना तहसील के गांव प्रभावित है। इनमें पथाना, चूड़ीना, भालोठ, काकड़ा, गूंति, श्योपुरा ऐसे गांव है, जहां पर जमीन में बिल्कुल पानी नहीं है। ये सभी गांव हरियाणा बॉर्डर पर ही है। अब इन गांवों को पानी पिलाने के लिए हरियाणा के महरमपुर, चिंडालिया, खेड़की, दुलोठ और गोदबलाहा जैसे गांवों पर निर्भर होना पड़ता है। कुछ लोगों ने तो पानी की समस्या को बिजनेस बना लिया है। राजस्थान के भी कुछ लोगों ने हरियाणा में जमीन खरीदकर वहां पर ट्यूबवैल खोद लिए और पाइपलाइन से गांवों में पीने के पानी की सप्लाई कर रहे हैं। वो भी मनमर्जी के दामों पर और मनमर्जी जितना।

1000 लोग पानी के लिए हरियाणा के भरोसे :–एक अनुमान के मुताबिक शिवपुरा गांव में करीब 165 मकान हैं, जहां पर 1000 लोगों के करीब की आबादी है। यहां पर राजस्थान विभाग के पीएचईडी विभाग ने आठ टंकियां तो बना रखी हैं, लेकिन इनमें एक टंकी में ही पानी के लिए सरकारी ट्यूबवैल बना हुआ है। पर इस ट्यूबवैल की भी हालत यह है कि इससे एक टंकी की पानी आपूर्ति भी पूरी नहीं होती। इसलिए गांव के लोगों ने हरियाणा के खेड़की सहित अन्य पास लगते गांवों से पानी की सप्लाई लेते हैं, जिससे सिर्फ पानी पीने के लिए आपूर्ति हो पाता है। गांव में पशुओं के लिए खेळ बनी हुई है। वो भी सूखी हैं। घरों में भी पानी का उपयोग हिसाब लगाकर करना पड़ता है। इसी तरह चूड़ीना गांव के लोग भी हरियाणा से करीब 10 किमी पाइप लाइन बिछाकर हरियाणा के किसानों से पानी लाकर अपने गांव में बनाई डिग्गी में स्टोर कर उसका उपयोग करते हैं और खेती कर रहे हैं।

राशिफल शुक्रवार 25 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 8:54 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 12:31 तक, तैतिल करण दिन 11:45 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मीन, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज राजयोग प्रातः 8:54 से दिन 11:45 तक है। आज प्रदोष व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ अमृत 7:34 से 10:48 तक, शुभ 12:25 से 2:02 तक, चर 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:52

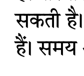

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आपसी वाद–विवाद हो सकते हैं। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

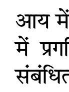

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। पारिवारिक कार्यों से संबंधित यरात्रा संभव है।

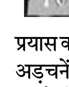

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

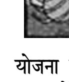

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

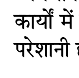

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

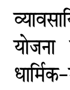

कन्या
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

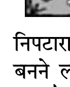

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

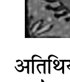

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

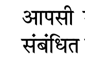

धनु
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

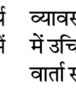

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

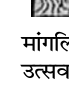

कुंभ
परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

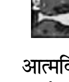

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जयपुर में जगह-जगह कैंडल मार्च

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों ने स्टैच्यू सर्कल पर शोक सभा और कैंडल मार्च का आयोजन किया।

श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों, छात्र/छात्राओं तथा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सवाईमानसिंह गेट सीकर रोड, जयपुर पर भावपूर्ण नम आँखों से श्रद्धांजलि दी।

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए छब्बीस निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए जयपुर के नागरिकों ने स्टैच्यू सर्कल पर एकत्र होकर शोक सभा और कैंडल मार्च का आयोजन किया। इस हृदय विदारक हमले में मारे गए अधिकतर लोग हिंदू समुदाय से थे।

शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों से लोग शामिल हुए। जिन्होंने आतंकवाद के प्रति अपना आक्रोश प्रकट करते हुए नारेबाजी भी की।

इस मौन सभा में करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष किर्ति राठौड़, राजस्थान हाई कोर्ट के एडवोकेट शशांक शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुशील यादव, अनिता माथुर, जैन समुदाय से बसंत जैन, बैराठी सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।

करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष कीर्ति राठौड़ ने बताया कि हिन्दुओ के खून के बदले खून की मांग उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वह आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुएर एयर स्ट्राइक के माध्यम से इसका माकूल जवाब दें। उन्होंने कहा हमें एकजुट होकर इस जिहादी मानसिकता का मुकाबला करना होगा। जो समाज को तोड़ना और नष्ट करना चाहती है। क्षत्रिय सदैव समाज की रक्षा के लिए लड़े हैं। यदि सरकार इस तरह के जघन्य कृत्यों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहती है, और कठोर कदम नहीं उठती है,तो करणी सेना सड़कों पर उतरकर जवाब देगी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे उनकी दृढ़ संकल्प की भावना झलकती थी।

राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट शशांक शर्मा ने आंतरिक मिलीभगत की आशंका जताते हुए कहा कि यह हमला हिंदुत्व को कमजोर करने की साजिश है सरकार को इसका करारा जवाब देना चाहिए। इस तरह का बड़ा हमला और बिना स्थानीय मदद और आंतरिक मदद के संभव नहीं हो सकता। यह हमला हिंदुत्व को कमजोर करने की साजिश है अगर एक प्रतिशत लोग भी ऐसे राष्ट्र-विरोधी तत्वों को पनाह देते हैं तो उनकी संख्या हमारी सशस्त्र सेनाओं से अधिक हो सकती है और वे हमारी सेना के लिए चुनौती बन सकते हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अन्यथा हिंदुओं पर हमले जारी रहेंगे।

श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कैण्डल मार्च किया

जयपुर। कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में अपनों से बिछुड़े निर्दोष पर्यटकों को श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों, छात्र/छात्राओं तथा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने सवाईमानसिंह गेट सीकर रोड, जयपुर पर भावपूर्ण नम आँखों से श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डेस में उपस्थित सैनिक स्कूल के नन्ने-मुन्ने विद्यार्थियों ने शहादत को प्राप्त हुए पर्यटकों को नम आँखों से सैल्यूट किया। उपस्थित छात्र/छात्राओं की चेहरे पर थे आतंकवाद के खिलाफ गुस्से व आक्रोस के भाव। आतंकवाद मुर्दाबाद व पाकिस्तान होश में आओ के लगे नारे। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ जन आयोग के पूर्व अध्यक्ष गोपाल सिंह शेखावत, श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष नगेन्द्र सिंह बगड़, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह जैसलाण, सचिव सुदर्शन सिंह सुरपुरा, संयुक्त सचिव जालिम सिंह हुड़िल, कोषाध्यक्ष श्याम सिंह मण्ढ़ा, सदस्य दिलीप सिंह छापोली, गुलाब सिंह मेड़तिया एवं महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा, संस्था प्रधान, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने लिया राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा भारत सरकार के द्वारा आतंकवाद को समाप्त करने के लिए लिये जाने वाले हर एक निर्णय के समर्थन का संकल्प।

आतंकी हमले की कड़ी निंदा

निर्माण नगर ए बी उत्तर पश्चिम नागरिक विकास समिति, जयपुर की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया।

जयपुर। निर्माण नगर ए बी उत्तर पश्चिम नागरिक विकास समिति, जयपुर द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकवादी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों एवं नागरिकों की स्मृति में एक आपातकालीन शोक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में समिति के पदाधिकारियों, संरक्षकगण, वरिष्ठ नागरिकों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

सभा की शुरुआत समिति के महासचिव जी एल जांगिड़ ने की, जिन्होंने सभी उपस्थित जनों का हार्दिक स्वागत करते हुए इस हृदय विदारक घटना पर शोक व्यक्त किया और आपातकालीन बैठक बुलाए जाने का कारण स्पष्ट किया। समिति अध्यक्ष पी आर भंसाली ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे सम्पूर्ण मानवता पर हमला बताया और शहीदों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। समिति के संरक्षक एच एस गोयल ने भारत सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की अपील की। वरिष्ठ सदस्य सीताराम शर्मा ने असामाजिक तत्वों के आर्थिक बहिष्कार का आव्हान करते हुए युवाओं से देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए जागरूक व सतर्क रहने का संदेश दिया। सभा में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों ने भी इस जघन्य नरसंहार की कड़े शब्दों में निंदा की।

अविरण अश्रुधारा के बीच पहलगाम में मारे गए नीरज का अंतिम संस्कार

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के शिकार नीरज उधवानी (33) का गुरुवार को अंतिम संस्कार किया गया। बड़े भाई किशोर उधवानी ने मुखाग्नि दी। झालाना स्थित मोक्षधाम में पत्नी आयुषी नीरज की पार्थिव देह के पास हाथ जोड़कर बिलखती रही। परिवार वालों के बार-बार संभालने के बावजूद उसकी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे।

इससे पहले घर के बाहर नीरज के अंतिम दर्शन के बाद उनकी पत्नी आयुषी मुड़-मुड़कर देखती रही। वह शव के पास से हटने को तैयार नहीं थी। बमुश्किल परिवार वाले आयुषी को नीरज के शव से दूर ले गए। 22 अप्रैल को आतंकी हमले में जयपुर के नीरज उधवानी (33) भी मारे गए थे। आतंकियों ने पत्नी आयुषी के सामने ही नीरज को गोली मारी थी। बुधवार की रात 8:15 बजे इंडिगो फ्लाइट से उनका शव जयपुर लाया गया था। मॉडल टाउन (मालवीय नगर) स्थित फॉरेस्ट व्यू रेजीडेंसी के रहने वाले नीरज उधवानी दुबई में जॉब करते थे। वह पत्नी आयुषी के साथ कश्मीर घूमने गए थे। कश्मीर से आयुषी ने जेठ किशोर उधवानी (नीरज के बड़े भाई) को फोन कर कहा था कि नीरज को गोली लग गई है। इसके बाद नीरज के बड़े भाई किशोर, भाभी शुभि जयपुर से कश्मीर के लिए रवाना हुए थे।

शाहपुरा हाउस में दी श्रद्धांजलि

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए क्रूर आतंकी हमले ने समस्त देशवासियों को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस अमानवीय कृत्य में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शाहपुरा हाउस, जयपुर में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का आयोजन फिक्की राजस्थान के सह-अध्यक्ष महाराज सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा और शाहपुरा होटल समूह की निदेशक रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शाहपुरा हाउस के समस्त कर्मचारियों, देश-विदेश से आए पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों ने एकत्रित होकर शहीदों के सम्मान में कैंडल मार्च निकाला।

शाहपुरा होटल समूह की संस्थापिका रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा "हमारे शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। इस दुखद घड़ी में प्रत्येक भारतीय की आँखें नम हैं, किंतु हृदय में आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ संकल्प की ज्वाला प्रज्वलित है।"

बेहतर काम करने वाले अन्य राज्यों के कार्यों का भी अध्ययन हो : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अध्यक्षता में आरएसआरडीसी की 128वीं बोर्ड बैठक ली।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में राजस्थान स्टेट रोड़ डवलपमेट कॉर्पोरेशन की 128 वीं बोर्ड बैठक हुई। आरएसआरडीसी सभाभवन में गुरूवार को हुई इस बैठक मे वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुये उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल की स्टडी करें ताकि आरएसआरडीसी को वित्तीय रूप से मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के कॉर्पोरेशन जो बेहतरीन काम कर रहे है उनकी बेस्ट प्रेक्टिसेज को भी प्रदेश में लागू किया जाये।

उपमुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कहते हुये क्वालिटी कन्ट्रोल विंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि संचालित परियोजनाऐं निश्चित समय अवधि में पूरी हों और आरएसआरडीसी के पास जो राष्ट्रीय राजमार्ग है उन्हें एनएच को सौंपने की कार्यवाही को त्वरित गति से करें,ताकि केन्द्र सरकार से राशि प्राप्त कर इन राष्ट्रीय राजमार्गो को सुदृढ़ किया जा सके। बैठक में अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को बताया की आरएसआरडीसी का वर्ष 2025-26 का टर्नओवर लगभग 6500 से 7 हजार करोड़ अनुमानित है जो कि गत वर्ष से लगभग दुगुना है।

इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डीआर मेघवाल सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं आरएसआरडीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पर्यावरण संरक्षण पर होगा मंथन

जयपुर। शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 26 अप्रैल को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह संगोष्ठी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगी।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को समझना, उच्च शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना तथा युवाओं में पर्यावरणीय चेतना को विकसित करना है। संगोष्ठी में देशभर के शिक्षा विशेषज्ञ, नीति निर्माता, पर्यावरणविद एवं विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में किया जाएगा। यह अवसर शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों को विचार-विमर्श के एक साझा मंच पर लाने का कार्य करेगा, जिससे शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में प्रभावी पहल की जा सकेगी।

मृतक ससुर की आश्रित नहीं है नौकरी पेशा पुत्रवधु : हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि नौकरी पेशा पुत्रवधू को मृतक ससुर का आश्रित नहीं मान सकते। पुत्रवधु को उस स्थिति में ही मृतक ससुर की जगह पर अनुकंपा नियुक्ति का हकदार मान सकते हैं, जब उसके ऊपर ही पूरे परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी हो और अन्य कोई आश्रित परिवार की मदद के लिए नहीं हो। वहीं अदालत ने मृतक के बेटे की अनुकंपा नियुक्ति को निरस्त करने वाले 20 दिसंबर 2024 के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को सेवा में लगातार माना है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश रवि रावत की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। मामले से जुडे अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि याचिकाकर्ता के पिता पीएचईडी विभाग में कार्यरत थे। सरकारी सेवा में रहते हुए उसके पिता आनंद सिंह रावत की मृत्यु हो गई और उनकी जगह पर याचिकाकर्ता को 22 मार्च 2023 को विभाग में जूनियर असिस्टेंट के पद पर नियुक्ति का आदेश जारी किया। वहीं याचिकाकर्ता की पत्नी की शिकायत पर विभाग ने 20 दिसंबर, 2024 को आदेश जारी कर उसकी अनुकंपा नियुक्ति को रद्द कर दिया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ : भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने की बजट 2025-26 की समीक्षा बैठक
- 'खुशहाल और समृद्ध राजस्थान हमारा लक्ष्य, तय समय में पूरा करें बजटीय घोषणाएं'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट 2025-26 में राजस्थान को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकासोन्मुखी बनाने का रोडमेप तैयार किया गया है। बजट में राज्य की सभी 200 विधानसभाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी से काम करते हुए तय समय में बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति सुनिश्चित करें, जिससे आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना को गति मिल सके। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पहली बार प्रस्तुत ग्रीन बजट से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश को हरित राजस्थान बनाए रखने के लिए सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों के माध्यम से ग्रीन ऑडिट करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राज्य में करोड़ों की संख्या में पौधारोपण किया गया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में पारिस्थितिकी संतुलन के लिए जन जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी योजना से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने सहकारिता विभाग एवं राजीविका को आपसी समन्वय बनाते हुए काम करने के निर्देश दिए, जिससे सहकारी बैंक भी मजबूत होंगे तथा महिलाओं को भी आर्थिक संबल मिलेगा। शर्मा ने कहा कि आयुष्मान राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने समस्त जिला चिकित्सालयों में डे-केयर सेंटर बनाने एवं डायबिटिक क्लिनिक स्थापित करने सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य बजटीय घोषणाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा इन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भंडार खोलने के लिए तेज गति से काम करें। साथ ही, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजीविका से सामन्जस्य स्थापित कर उनके उत्पादों की बिक्री तथा ब्रांडिंग को भी बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सके। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय में नियमित रूप से भेजें। मुख्यमंत्री ने जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उन्हें सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में तेजी लाई जाए एवं नियमित मॉनिटिरिंग की जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खान एवं पेट्रोलियम, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, गोपालन, पंचायतीराज, श्रम एवं उद्यानिकी जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस राजनैतिक रोटियां सेंकना बंद करें : बेढ़म

- मुख्यमंत्री के सफल शेखावाटी दौरे से बौखलाई कांग्रेस : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। एक तरफ जहां देश पहलगाम आतंकी हमले से दुःखी है, वहीं दूसरी तरफ वो राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई का कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के काफिले में आकर के व्यवधान पैदा करता है और उसकी कानून सम्मत गिरफ्तारी होती है। उसके विरोध में श्री डोटासरा डीजीपी ऑफिस पर धरने पर बैठ जाते हैं और सबसे शर्मनाक तो यह है कि इस प्रकरण के संबंध में डोटासरा ने जो अमर्यादित टिप्पणी की है, जिसको बहन-बेटियों के सामने सुन भी नहीं सकते।

जवाहर बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के डीजीपी ऑफिस के बाहर और कांग्रेस मुख्यालय पर दिए गए बयान से कांग्रेस की नीयत और कांग्रेस के कल्चर में खोट साफ प्रदर्शित होती है। मुख्यमंत्री के लिए शेखावाटी में आकर के दिखाने की चुनौती आपकी गुंडई भाषा है। इस तरह की भाषा का उपयोग राजनीतिक क्षेत्र में मेरे हिसाब से आपके कद को बढ़ाता नहीं है। आज राजस्थान की जनता आपके इस बयान पर थू-थू कर रही है और आप कह रहे है कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता को पकड़ा। आप वो दिन भूल गए कि आपके मकान के सामने किसी ने नाथी का बाड़ा लिख दिया था, उन युवा मोर्चा के कार्यकताओं को पुलिस ने प्रताड़ित किया। जिले एवं संभाग टूटना, ये आपकी ही गलत नीतियों का नतीजा था। पिछली कांग्रेस सरकार ने अध्ययन ही नहीं किया। गोविन्द सिंह डोटासरा जी के बयान की निंदा करता हूं और कांग्रेस के नेताओं को चेतावनी भी देना चाहता हूं कि अपने नेताओं को प्रशिक्षण दीजिए, राजस्थान की जनता माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ खड़ी है।

खाद्य एवं नागरिक आपूत्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से पूरे देशभर में रोष व्याप्त है, लेकिन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सस्ती राजनीति कर नौटंकी कर रहे हैं। उन्होंने डीजीपी मुख्यालय पर जो अपशब्द बोले हैं, वो कांग्रेस की पोषित रीति और नीति को उजागर करते हैं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने डोटासरा के अभद्र बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूरा राष्ट्र पहलगाम आतंकी हमले से गुस्से में है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी के नेता बौखलाहट में अमर्यादित बयानबाजी कर रहे हैं। ये किसी भी रूप में उचित नहीं है। मुख्यमंत्री अभी सीकर, झुंझुनूं और चूरू के तीन दिवसीय दौरे पर थे, वहां के नागरिकों ने मुख्यमंत्री का शानदार और जानदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी भी वहां लोगों से आत्मीयता के साथ मिले।

एन.एस.यू.आई. कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस का धरना

एनएसयूआई के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय पर धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और कई विधायक एवं कांग्रेस नेता शामिल रहे।

जयपुर। एक तरफ पूरा देश पहलगाम आतंकी हमले के शोक में डूबा हुआ है, दूसरी तरफ राजस्थान में राजनीतिक तापमान चरम पर है। एनएसयूआई के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता और विधायक गुरुवार को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय पर पुलिस महानिदेशक चैंबर के बाहर धरने पर बैठ गए। धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और कई विधायक एवं कांग्रेस नेता शामिल रहे।

जानकारी के अनुसार इस धरने का मुख्य कारण सीकर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर है। तीन दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सीकर दौरे के दौरान एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ओपी नागा ने सीकर संभाग की बहाली की मांग करते हुए काला झंडा दिखाया था। इस घटना के बाद पुलिस ने एनएसयूआई अध्यक्ष सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने केवल एक प्रदर्शन के आधार पर एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को भी परेशान करना शुरू कर दिया है। जो छात्र उस विरोध में शामिल भी नहीं थे, उन्हें भी बिना वजह गिरफ्तार किया गया है। नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे कुछ मंत्री, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाने के निर्देश दे रहे हैं।

वहीं, इस धरने को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह धरना केवल एनएसयूआई की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं है। विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि जल्द ही इस विषय को लेकर विधानसभा और सड़क दोनों जगह आंदोलन तेज किया जाएगा। अब यह सरकार छात्र, युवा और लोकतांत्रिक विरोध की आवाज को भी कुचल रही है। यह सरकार छात्रों से डर रही है।

चौकीदार की निर्मम हत्या का मामला : आरोपी के घर पर दो शव और मिले

चौकीदार की हत्या से पहले आरोपी ने अपने ही घर में दो दोस्तों की हत्या कर दी थी

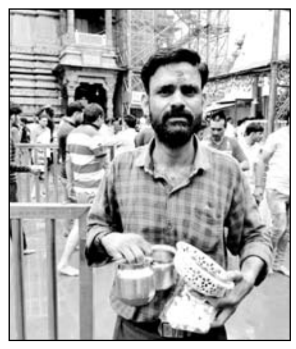

मृतक दोनों दोस्तों की फाइल फोटो।

पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के अय्यपा मंदिर में चौकीदार की निर्मम हत्या के मामले में गिरफ्तार दीपक के घर पर दो और शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार रमा विहार कॉलोनी स्थित अय्यपा मंदिर के चौकीदार लाल सिंह की हत्या से पहले आरोपी दीपक नायर ने अपने ही घर में बचपन के दो दोस्तों संदीप भारद्वाज और मोनू टांक की बेरहमी से हत्या कर दी। दोनों के शव गुरुवार दोपहर पुलिस ने दीपक के घर से बरामद किए। आरोपी दीपक ने निर्ममता की हद पार करते हुए अपने ही एक दोस्त के प्राइवेट पार्ट को काट दिया। शवों की हालत बेहद क्षत-विक्षत थी। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि चौकीदार मलाण निवासी लाल सिंह रावणा राजपूत (54) की हत्या बुधवार रात करीब पौने दो बजे मंदिर परिसर में की गई। हत्या के बाद उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया गया। वारदात के एक घंटे बाद ही सुभाषनगर पुलिस ने दीपक नायर को गिरफ्तार कर लिया। दीपक मूल रूप से केरल का रहने वाला है।

- गुरुवार को पुलिस आरोपी दीपक के घर से मौका पर्चा बनाने पहुंची तो पुलिस अंदर का मंजर देखकर दंग रह गई, घर से बदबू आ रही थी
- आरोपी मूल रूप से केरल का रहने वाला है, बचपन से ही भीलवाड़ा के बापू नगर क्षेत्र में रह रहा है

दीपक बचपन से ही भीलवाड़ा के बापूनगर क्षेत्र में रह रहा है। गुरुवार दोपहर पुलिस दीपक के घर से मौका पर्चा बनाने पहुंची पुलिस तो अंदर का मंजर देखकर दंग रह गई। घर से बदबू आ रही थी।

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने प्रतापनगर पुलिस को इसकी सूचना दी। थाना प्रभारी सुरजीत सिंह मौके पर पहुंचे और देखा तो अंदर हॉल में दो शव मिले और दोनों की हालत बेहद खराब थी। चौकीदार और दोनों दोस्तों की हत्याएं एक ही तरीके से की गई थी। एक साथ तीन हत्याओं की खबर से शहर में दहशत फैल गई। एसपी सिंह ने मामले में स्पेशल टीम का गठन किया है जो अब अग्रिम जांच करेगी।

कोटा एयरपोर्ट पर भीषण आग लगी, बिल्डिंग को चपेट में लिया

कोटा के एयरपोर्ट परिसर में लगी आग पर मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका।

कोटा, (निसं)। शहर के झालावाड़ रोड स्थित एयरपोर्ट पर गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग की लपटों ने एयरपोर्ट परिसर में ही बनी एक बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। घटनास्थल के पास ही पेट्रोल पंप है, लेकिन गनीमत रही कि आग वहां तक नहीं पहुंची। इस बीच अग्निशमन की एक दर्जन दमकलें मौके पर पहुंची। उन्होंने 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

नगर निगम के चीफ फायर अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि दोपहर सवा दो बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद तुरंत दमकलों को मौके पर भेजा गया। आग को पेट्रोल पंप तक पहुंचने से रोकने के लिए वहां भी दो दमकलें लगाई गई। आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटें काफी दूर से ही देखी जा रही थी। आग के कारण आसमान में धुआं छा गया। लोग एयरपोर्ट के आसपास रहने या व्यापार करने वाले लोगों को फोन कर घटना की जानकारी ले रहे थे। इस बीच सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने में मदद की। सुरक्षा की दृष्टि से झालावाड़ रोड़ पर यातायात बंद कर दिया गया था। साथ ही पास वाले पेट्रोल पंप को भी कुछ देर तक बंद रखा गया। पेट्रोल पंप संचालक तरुमीत सिंह बेदी का कहना था कि करीब 45 मिनट बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान सभी लोग दहशत में रहे। सबको डर था कि यदि आग पेट्रोल पंप तक पहुंच गई तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट प्रबंधन को इन झाड़ियां को साफ करवाना चाहिए। साथ ही घोड़ा बस्ती के पीछे रहने वालों को भी पाबंद करना चाहिए कि वे कचरा एयरपोर्ट की बाउंड्री के अंदर नहीं डालें।

- घटनास्थल के पास ही पेट्रोल पंप है, लेकिन गनीमत रही कि आग वहां तक नहीं पहुंची
- अग्निशमन की एक दर्जन दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया

आग लगने से चारा जला

निवाई, (निसं)। शिवाजी पार्क के पास स्थित एक बाड़े में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे बाड़े में रखा मवेशियों का चारा व लकड़ियां जल कर राख हो गई। पीड़ित लादु प्रजापत ने बताया उसने मकान के पीछे स्थित बाड़े में मवेशियों का चारा व भोजन बनाने के लिए लकड़ियों के गट्टर रखे थे। बाड़े में अज्ञात कारण से आग लग गई। जिससे चारा व लकड़ियां जलकर राख हो गई। पार्षद अल्लाह रखा देशवाली ने पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी को सूचना दी। सूचना पर अग्निशमन वाहन ने मोहल्ले वासियों की मदद से आग पर काबू पाया।

अफीम का दूध सहित तीन गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने गुरुवार को मिशन मदमर्दन के तहत अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई कर एक किलो 533 ग्राम अफीम का दूध जब्त कर तीन आरोपियों को गिरपतार किया। आरोपी बाबूलाल के कब्जे से अफीम के दूध की खरीद फरोख्त से अर्जित 95,000 रुपये जब्त किए। पुलिस ने सुखराम व दिनेश कुमार के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलों को भी जब्त किया।

देवेन्द्रसिह निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना सांचौर के नेतृत्व में 23 अप्रैल रात्रि को मुखबीर से प्राप्त सूचना अनुसार सुखराम पुत्र जेताराम, बाबूलाल पुत्र रुगनाथ के कब्जे से 1.533 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध जब्त किया। वहीं मुलजिम दिनेश कुमार पुत्र शंकराराम को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खंड– II उदयपुर
E-Mail :- eedrd2phedudr@gmail.com

क्रमांक : ईइ/उदय/अंके–जिला/2025–26/ 125 दिनांक : 10/4/25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न लिखित निविदाए आमन्त्रित की जाती है ।

1. NIT No. 01 (UBN No PHE2526WSRC00876) अनु0 लागत रू0 100.00 लाख
2. NIT No. 02 (UBN No. PHE2526WSRC00877) अनु0 लागत रू0 15.00 लाख
3. NIT No. 03 (UBN No. PHE2526WSRC00878) अनु0 लागत रू0 15.00 लाख
4. NIT No. 04 (UBN No. PHE2526WSOB00879) अनु0 लागत रू0 24.94 लाख
5. NIT No. 05 (UBN No. PHE2526WSOB00881) अनु0 लागत रू0 07.41 लाख

निविदा का विस्तृत विवरण व शर्ते वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in, www.rajwater.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है ।

(नवीन राज शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय उदयपुर

DIPR/C/5603/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर
SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-एमजेएसए/निविदा/2025-26/189-92 दिनांक-16/04/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 01 YEAR 2025-26

Bids for NRM Works (MPT, ECD etc. under MJSA 2.0 Project Area in Block Dholpur of Distt. Dholpur of estimated value INR 40.72 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 26.04.25 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN-WSC2526WSOB00077,
NIB-WSC2526A0050
DIPR/C/5444/2024
(लाखन सिंह मीना) अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर
SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-एमजेएसए/निविदा/2025-26/193-96 दिनांक-16/04/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 02 YEAR 2025-26

Bids for NRM Works (MPT etc. under MJSA 2.0 Project Area in Block Rajakhera of Distt. Dholpur of estimated value INR 41.99 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 26-04-25. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN-WSC2526WSOB00078
NIB-WSC2526A0051
DIPR/C/5445/2024
(लाखन सिंह मीना) अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर
SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-एमजेएसए/निविदा/2025-26/197-200 दिनांक-16/04/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 03 YEAR 2025-26

Bids for NRM Works (ECD, TalabRenovation, Anicut etc. under MJSA 2.0 Project Area in Block Saramathura of Distt. Dholpur of estimated value INR 33.29 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 26-04-25. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN-WSC2526WS0B00079
NIB.-WSC252GA0052
DIPR/C/5446/2024
(लाखन सिंह मीना) अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, धौलपुर

शिक्षा विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों के पदों का पुनर्गठन किया जाएगा : शिक्षा मंत्री

- शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारी राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षा विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों के पदों का पुनर्गठन किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा राजकीय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारियों के राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के दौरान यह बात कही। समारोह के दौरान वर्ष 2023 के लिए 39 और वर्ष 2024 के लिए 38 सहित 77 कर्मचारियों को ग्यारह–ग्यारह हजार रुपए के चैक, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र तथा शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में पीईईओ और यूसीईओ स्तर पर भी पर्याप्त मंत्रालयिक कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि शिक्षा विभाग में किसी भी स्तर कोई भी स्वीकृत पद खाली नहीं रहें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित करने वाले श्रेष्ठ कार्मिकों का सम्मान करना अच्छी परम्परा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1990 में प्रारम्भ हुए इस समारोह के तहत वर्ष 2022 तक 933 तथा अब तक कुल 1010 कार्मिकों का सम्मान किया गया है। सम्मानित होने वाले सभी कार्मिक भविष्य में अच्छा काम करें तथा राजस्थान के अनेक लोगों को राहत प्रदान करने के साथ शिक्षा विभाग का मान बढ़ाएं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार का कार्मिक होने प्रत्येक कर्मचारी के लिए सौभाग्य का विषय है कि उन्हें जरूरतमंद लोगों की सेवा का अवसर मिला है। शिक्षा मंत्री ने मंगलवार को पहलगाम में हुई घटना की निंदा की और इसमें दिवंगत सभी आत्माओं की शांति की कामना की। इस दौरान दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पहले उन्होंने प्रशस्तियां पुस्तक का विमोचन किया। बीकानेर (पश्चिम) विधायकजेठानंद व्यास ने कहा कि सम्मानित होने वाले कार्मिकों के प्रति समाज की अधिक अपेक्षाएं रहती हैं। ऐसे में यह कार्मिक अपने दायित्व को समझते हुए अधिक निष्ठा से कार्य करें, जिससे आने वाले पीढ़ि यों के लिए मिसाल पेश की जा सके।

शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल में नई नियुक्तियों और पदौन्नतियों का दौर सतत रूप से चल रहा है। सूर्य नमस्कार में 1.53 करोड़ लोगों की भागीदारी का नया रिकॉर्ड बनाया गया। उन्होंने सभी कार्यों में मंत्रालयिक कार्मिकों की भूमिका की सराहना की। शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि चयन समिति द्वारा कार्मिक के विभागीय कार्यों के साथ सामाजिक कार्यों में योगदान को ध्यान रखते हुए कार्मिक का चयन किया जाता है। जिससे वह कार्मिक दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सके। अतिरिक्त निदेशक गोपाल राम बिरडा ने आभार जताया। अतिथियों ने 31वें और 32वें सम्मान समारोह के दौरान चयनित सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान प. जानकी नारायण श्रीमाली, बनवारी शर्मा सहित कार्मिक, उनके परिजन तथा आमजन मौजूद रहे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for various works under summer contingency and emergent sanction are invited from interested bidders up to 28.04.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2526A0585

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	14/2025-26	PHE2526WSOB01408	4	17/2025-26	PHE2526WSOB01411
2	15/2025-26	PHE2526WSOB01409	5	18/2025-26	PHE2526WSOB01412
3	16/2025-26	PHE2526WSOB01410			

01	Total work	05
02	Total Estimate Cost	54.92 Lac
03	Bid submission end date	28.04.2025 up to 09.30 AM
04	Bid opening date	28.04.2025 at 01.00 PM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli
DIPR/C/5576/2025

Office of The Executive Engineer, Water Resources Division, Kota
क्रमांक-EE/WRD/Ac./2025-26/167-175 Date: 16/04/2015

NIT No.- 03/2025-26

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tender from eligible Bidders for the Work'(s) For Item No. 01 "Miscellaneous Development works and D/S Channel Bed Protection at Takli Dam, Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi" (Est. cost. Rs. 73.10 Lac) for completion period 6 months including rainy season Item No. 02 "Provision of Parking Shade and Miscellaneous Development works at Sub Division Office Ramganjmandi Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi, Distt. Kota (Est. cost. Rs. 20.74 Lac) for completion period 3 months including rainy season Item No. 03 "Construction of GSB Approach Road to Agriculture Fields of villages Sarankhedi and Jodhapuraa Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi Kota (Est. cost. Rs. 73.52 Lac) Item No. 04 "Construction of GSB Approach Road to Agriculture Fields of villages Beempura, Burankheri Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi Kota (Est. cost. Rs. 73.50 Lac) Item No. 05 "Construction of GSB Approach Road to Agriculture Fields of villages Tamoliya Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi Kota (Est. cost. Rs. 73.49 Lac)) Item No. 06 "Construction of Approach Road to Agriculture Fields of villages Noorpura Under Takli Medium Irrigation Project, Ramganjmandi Kota (Est. cost. Rs. 73.48 Lac) for completion period One Year including rainy seasonare invited from interested bidders from 17.04.2025 (9:30 Hr) to 28.04.2025 till 18:00 Hr other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in and www.waterrajasthan.gov.in. http://sppp.rajasthan.gov.in,
NIB CODE: WRD2826A0035
UBN No.
Item No. 01: WRD2526 WS0B00065
Item No. 02: WRD2526WS0800066
Item No. 03: WRD 2526 WSO800067
Item No. 04: WRD 2526 WS0B00068
Item No. 05: WRD 2526 WS0800069
Item No. 06:
DIPR/C/5411/2024
Executive Engineer Water Resources Division, Kota

लेपर्ड ने 30 बकरियों को मारा

करौली, (निसं)। सपोटरा स्थित अमरगढ़ की ग्राम पंचायत के मोतीपुरा गांव में लेपर्ड ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। लेपर्ड ने एक ही रात में दो किसानों की 30 बकरियों को मार डाला।

पीड़ित रमेश माली और घनश्याम माली ने अपनी बकरियों को रोजाना की तरह बाड़े में बांधा था। प्रात: जब वे भैंस का दूध दुहने गए तो बाड़े का दरवाजा खुला मिला। वहां बकरियों की लाशें बिखरी पड़ी थी। रमेश माली की 22 और घनश्याम माली की 8 बकरियां मारी गईं। बकरियों की मौत से गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत सरपंच प्रतिनिधि को मौके पर बुलाया। मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची।

चौरू गांव में तालाब में डूबने एक युवक की मौत

उनियारा/चौरु, (निसं)। अलीगढ़ थाना क्षेत्र के चौरू गांव के तालाब में एक युवक के डूबने का मामला सामने आने पर वह जिसकी सूचना मिलने पर अलीगढ़ थानाधिकारी पवन कुमार चौधरी मय टीम मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। वहीं ग्राम चौरु तालाब में डूबे युवक दारा सिंह कालबेलिया निवासी झूंडवा के शव की तलाश हेतु सिविल डिफेंस की टीम बुलाई। इस दौरान युवक का शव बरामद नहीं होने पर परिजनों ने नेशनल हाईवे टोंक-सवाई माधोपुर पर जाम लगाने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद थाना अधिकारी पवन कुमार चौधरी की सतर्कता पर परिजनों को समझाइश कर जाम को हटाया गया।

पुलिस ने बताया कि झुडवा निवासी दारा सिंह कालबेलिया गत शाम को नहाते समय डूब गया था तालाब में गोताखोर तालाब में तलाश रहे हैं। जिसके बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने तालाब में युवक दारा सिंह कालबेलिया निवासी झूंड़वा की तलाश हेतु रेस्क्यू शुरू किया। हालांकि सुबह से सिविल डिफेंस टीम,अलीगढ़ थानाधिकारी पवन कुमार चौधरी, सोप थानाधिकारी घासीलाल मीणा मय टीम मौके पर युवक की तलाश की। लेकिन सफलता नहीं मिलने पर अलीगढ़ थानाधिकारी ने युवक के शव को दुंढने को लेकर एसडीआरएफ टीम बुलाई। इस दौरान 23 घंटे में टीमों को तालाब में डूबे युवक को निकाला। वहीं युवक का शव अलीगढ़ स्थित मोर्चरी में रखवाया गया।

Rajasthan Council of School Education
S. Radha Krishnan Shiksha Sankul, 5th Block, IInd & IIIrd Floor, JNL Marg., Jaipur - 17
Ph.: 0141-2700366, E-Mail- rajssa_acctt@yahoo.co.in
No. : F. 7 ( ) RCScE/Actt./Printing Work/ 2025-26/14817931 Dated :- 21/04/2025

Notice Inviting Bid (NIB: 01 /2025-26)

E-Bids are invited from eligible bidders for Various types of Printing Work and supply rate contract including ABL Kits, Workbook etc up to 06 p.m. dated 20/05/2025 Details may be seen in the Bidding Document at the office of the RCScE Jaipur, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and department website www.rajsmsa.nic.in
UBN : RSE2526GLRC00050
Est. Amount : Rs. 100.00 Crore (including GST)
State Project Director RCScE, Jaipur
Raj.Samwad/C/25/1224

कार्यालय नगर परिषद बून्दी
क्रमांकः– 497 दिनांकः– 24.04.2025

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: निर्माण/2025–26/496 दिनांक 24/04/2025 की निविदा दिनांक 24/04/2025 से दिनांक 12/05/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 13/05/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 14/05/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB02749 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।
आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी
राज.संवाद/सी/25/1263

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर– 11, श्रीडूंगरगढ जिला– बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com
क्रमांक :–न.पा.श्रीडूं/282 दिनांक :– 23.04.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें व अन्य विवरण वेबसाईड WWW.eprocrajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	UBN NO
1	DLB2526WSRC02544
2	DLB2526WSRC02545
3.	DLB2526WSRC02546

अध्यक्ष नगरपालिका श्रीडूंगरगढ अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीडूंगरगढ
राज.संवाद/सी/25/1254

कार्यालय नगरपालिका सरवाड़ जिला–अजमेर, (राज0)
E mail. npsarwad@gmail.com Address Ajmer Kota Road Sarwar PH.No. 01496-230034
क्रमांक : न.पा.स./निर्माण/2025–26/250 दिनांक : 22.04.2025

ई–निविदा सूचना संख्या (03/2025–26)
(NIB NUMBER - DLB2526A0602)

एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
निविदा के कुल कार्य –06 (छः)
UBN NO.– 1. DLB2526WSOB02537 2. DLB2526WSOB02538 3. DLB2526WSOB02539 4. DLB2526WSOB02540 5. DLB2526WSOB02541 6. DLB2526WSOB02542
राज.संवाद/सी/25/1210 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

सरकारी कर्मचारी ने झील में कूदकर जान दी

- जेब से भू-प्रबंधन अधिकारी द्वारा जारी किया कारण बताओ नोटिस मिला
- माना जा रहा है कि सरकारी कर्मचारी ने मानसिक तनाव में आकर कदम उठाया

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन सागर झील में गुरुवार सुबह एक सरकारी कर्मचारी ने कूदकर जान दे दी। जो भू.प्रबंधन कार्यालय गोवर्धन विलास में जमादार के पद पर कार्यरत था। पुलिस को मृतक की जेब से एक कारण बताओ नोटिस मिला है, जो भू-प्रबंधन अधिकारी द्वारा जारी किया गया था।

घटना सुबह करीब द्वाठ बजे की है जब स्थानीय लोगों ने गोवर्धन सागर झील में एक शव को तैरते हुए देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोवर्धन विलास थाना पुलिस और नागरिक सुरक्षा विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। शव को झील से बाहर निकालकर एमबी हॉस्पिटल की मोर्चरी में भिजवाया गया। गोवर्धन विलास थाना के एएसआई देवेंद्र पुरी गोस्वामी ने बताया कि मृतक की पहचान रमेश डामोर के रूप में हुई है, जो बांसवाड़ा निवासी था और उदयपुर के गोवर्धन विलास स्थित भू-प्रबंधन कार्यालय में जमादार के पद पर कार्यरत था। मृतक की जेब से भू-प्रबंधन अधिकारी द्वारा जारी एक कारण बताओ नोटिस की प्रति मिली है। नोटिस में रमेश को 25 मार्च 2025 से कार्यालय से बिना अनुमति अनुपस्थित बताया गया था और तीन दिन में जवाब मांगा गया था। माना जा रहा है कि इसी कारण मानसिक तनाव में आकर उसने यह कदम उठाया। उन्होंने बताया कि मामला प्रथम दृष्टतया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन आत्महत्या के पीछे असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही चल सकेगा। मृतक के कार्यालय और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

मृतक की जेब से बरामद नोटिस में लिखा गया था कि रमेश डामोर 25 मार्च 2025 से आज दिनांक तक बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित हैं। पूर्व में भी इस तरह के कृत्यों के लिए नोटिस जारी किए गए फिर भी आदतन वह ऐसा करते रहे। यह कार्य के प्रति घोर लापरवाही है और तीन दिन में जवाब नहीं देने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। रेस्क्यू टीम में गोताखोर नरेश चौधरी, विजय नकवाल,भवानी शंकर वाल्मीकि और कैलाश मेनारिया शामिल थे।

भू-प्रबंधन अधिकारी कीर्ति राठौर ने बताया कि मृतक जमादार कार्यालय से लगातार गैर मौजूद चल रहा था। दो-तीन बार नोटिस दिए थे। वह शराब का आदी था।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
CAD सर्किल के पास कोटा
फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट: Lsg.rajasthan.gov.in/uitkota
एफ 11/नीलामी/2025/4092 दिनांक 23.4.25

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

प्राधिकरण द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से खसरा नं. 188, 190, 194 एवं 196 ग्राम दौलतगंज उर्फ नयागांव शैक्षणिक में भूखण्ड संख्या-01 को नीलाम किया जा रहा है। जो कि औद्योगिक क्षेत्र एवं आवासीय योजनाओं के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 14.05.2025 प्रात: 11.00 बजे से शुरु होगा तथा दिनांक 16.05.2025 को दोपहर 02.00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वत: बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्ते एवं अन्य जानकारी Lsg.rajasthan.gov.in/uitkota एवं udhonline.rajasthan.gov.in/ कार्यालय समय में प्राधिकरण में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

खसरा नं. 188, 190, 194 एवं 196 ग्राम दौलतगंज उर्फ नयागांव
शैक्षणिक में भूखंड संख्या:-01

क्षेत्रफल 1700 वर्गमीटर
प्रारम्भिक नीलामी दर-11000/-प्र.व.मी.
आरक्षित दर-7000/-प्र.व.मी.
धरोहर राशि-374000/-

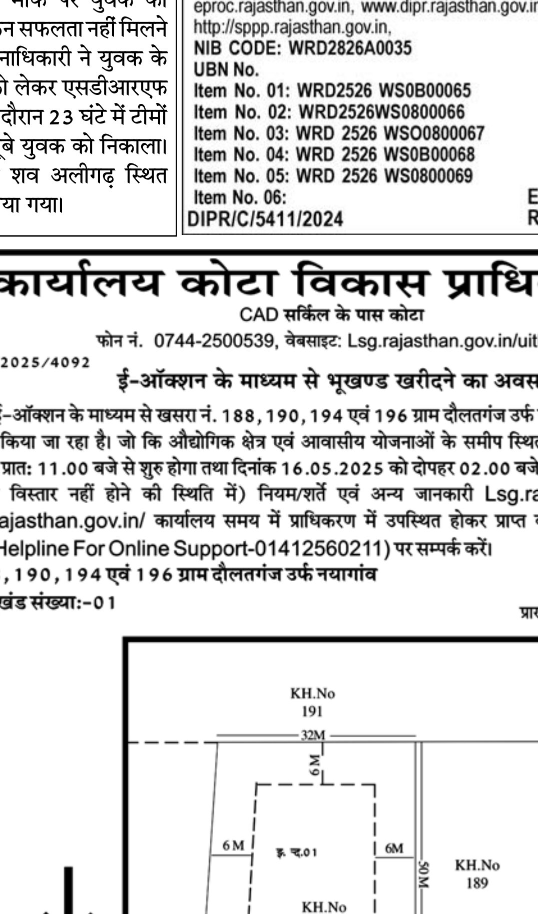

सचिव
कोटा विकास प्राधिकरण

ट्रांसफर के बाद स्टे लेकर पुरानी कुर्सी पर जमे इंजीनियर्स पर जल्द ही सख्त कार्रवाई करेगा जलदाय विभाग

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की नाराजगी के बाद विभाग ने जारी किया चेतावनी परिपत्र

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जलदाय विभाग के इंजीनियर्स को इन दिनों जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) और राजस्थान हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय कुछ ज्यादा ही रास आ रहा है। अफसरों का अपनी पुरानी कुर्सी से मोह कुछ ऐसा है कि जनवरी माह में ट्रांसफर होने के 4 माह बाद भी वे रिलीव नहीं होना चाह रहे। इसके लिए राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण और अन्य अदालतों में स्टे लेने के लिए याचिकाएं लगाई जा रही हैं।

परंतु जलदाय विभाग ने इन इंजीनियर्स की मनमानी और हठधर्मिता को गंभीरता से लिया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम प्रवीण कुमार लेखरा ने बाकायदा परिपत्र जारी करते हुए इन इंजीनियर्स को चेतावनी दी है। यह सख्ती मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत की नाराजगी के बाद बरती गई है।

परिपत्र में कहा गया है कि "प्राय: देखा गया है कि विभाग में राजसेवकों द्वारा स्थानांतरण निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में लगाए जाने संबंधी जारी आदेशों पर न्यायालय अथवा अधिकरण से स्थगन आदेश प्राप्त कर सीधे ही पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण कर लिया जाता है, जबकि कई बार उनके पूर्व पद स्थापित स्थान पर किसी अन्य राज्यसेवक का प्रतिस्थापन किया जा चुका होता है। इस स्थिति के कारण एक ही जगह पर दो राज्य सेवकों के उपस्थित होने के कारण संबंधित पद के दायित्व निर्वहन और वेतन आहरण के संबंध में निर्णय के प्रस्ताव नियंत्रण अधिकारियों से प्राप्त होते रहते हैं। इस संबंध में ही है स्पष्ट किया जाता है कि, न्यायालय/ अधिकरण द्वारा अपने आदेश में याची को चुनौती आदेश जारी करने से पूर्व के पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण करने के निर्देश जारी नहीं किए जाते हैं, बल्कि उसकी पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्यरत रखे जाने के निर्देश विभाग को प्रदान किए जाते हैं। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता द्वारा सीधे ही बिना सक्षम स्तर से अनुमति के पूर्व पद स्थापित स्थान पर कार्य ग्रहण करना उचित नहीं है। इसलिए सभी नियंत्रण अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में जब भी किसी राज्यसेवक द्वारा स्थानांतरण, पदस्थापन, निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों पर स्टेशन प्राप्त किया जाए तो उसकी उपस्थिति मुख्य अभियंता और अतिरिक्त मुख्य सचिव के प्रस्तुत की जावे। इन आदेशों की पालना नहीं करने वाले अधिकारी पर विभाग सख्त कार्रवाई करेगा।"

- **अब स्थानांतरण, पदस्थापन, निलंबन अथवा पदस्थापन आदेशों पर न्यायालय अथवा अधिकरण से स्टे लेने वाले अफसरों को मुख्य अभियंता और अतिरिक्त मुख्य सचिव के समक्ष उपस्थिति देनी होगी**
- **गौरतलब है कि जनवरी माह में हुए तबादला आदेश के बावजूद जेडीए और हाऊसिंग बोर्ड में कई अभियंता कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं, इन्होंने अपने ही मूल विभाग को कोर्ट में चुनौती तक दे डाली।**
- **जयपुर विकास प्राधिकरण में एक्स.ई.एन. दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल में रामनिवास सिंघल व लखन सिंह मीणा समेत कई इंजीनियर्स की मनमानी को लेकर जलदाय विभाग ने यह सख्त रुख अपनाया है।**

गौरतलब है कि जनवरी माह में हुए तबादला आदेश के बावजूद जयपुर विकास प्राधिकरण और हाऊसिंग बोर्ड में कई अभियंता कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं, इन्होंने अपने ही मूल विभाग को कोर्ट में चुनौती तक दे डाली।

जयपुर विकास प्राधिकरण में एक्स.ई.एन. दिनेश कूकना और राजस्थान आवासन मंडल में रामनिवास सिंघल व लखन सिंह मीणा समेत कई इंजीनियर्स की मनमानी को लेकर जलदाय विभाग ने यह सख्त रुख अपनाया है। दोनों जगह पर जेडीए और आवासन मंडल के अफसर भी इन्हें रिलीव करने से बच रहे हैं। जेडीए में एक्सईएन दिनेश कूकना ट्रिब्यूनल से स्टे नहीं मिलने के बाद भी अपनी प्रतिनियुक्ति की कुर्सी नहीं छोड़ रहे है। जबकि कूकना का तबादला 15 जनवरी को जयपुर विकास प्राधिकरण से अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता शहरी एवं एनआरडब्लू जयपुर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में किया गया था। परंतु जलदाय विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए दो एक्सईएन को वे चार्ज सौंपने को किसी तरह तैयार नहीं हुए।

जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन डा. प्रिया बलराम शर्मा भी बार बार नगरीय विकास विभाग और मंत्री स्तर से मार्गदर्शन मांग रही है पर उन्हें काम नहीं सौंप रही।

इसी तरह हाउसिंग बोर्ड में अधिशाषी अभियंता रामनिवास सिंघल और लखन सिंह मीणा और गीताराम मीणा भी आवासन मंडल से रिलीव नहीं होना चाह रहे।

खड़े वाहनों के कांच तोड़ने वाला आरोपी गिरफ्तार

मानसरोवर थाना पुलिस ने खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले एक आरोपी को पकड़ा है।

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले एक आरोपी को पकडा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी से सात वाहनों के कांच तोडना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खडे वाहनों के कांच तोड़ने वाले आरोपित हंष भाटी निवासी जैसलमेर हाल मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है । जिसने सात गाड़ियों के कांच तोडना स्वीकार किया है।

जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही बाल विवाह की कड़ी तोड़ना संभव : रांका

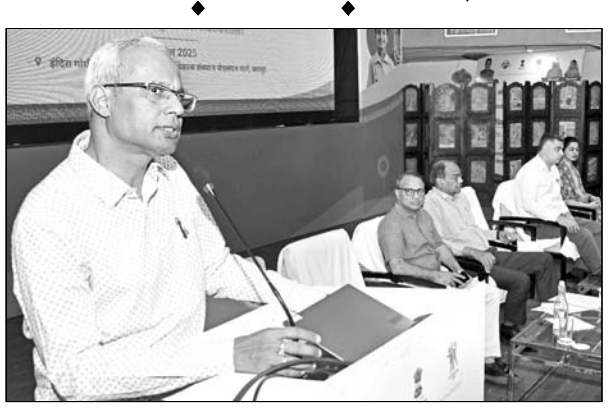

राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कुलदीप रांका ने गुरुवार को बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित किया।

जयपुर। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कुलदीप रांका ने कहा कि बाल विवाह केवल सामाजिक कुरीति ही नहीं बल्कि मानवता के लिए भी गंभीर समस्या है। जब तक समाज में महिलाओं के लिए समानता और समता का अधिकार नहीं मिलेगा तब तक राष्ट्र सही मायनों में विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से बाल विवाह की कड़ी को तोड़ना संभव है।

रांका गुरुवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान के सभामार में राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग एवं बाल अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह संपूर्ण विश्व के लिए कितनी बड़ी समस्या है इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया के 45 फीसद बाल विवाह साउथ एशिया में होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2030 तक पूरे विश्व को बाल विवाह से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है।

बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि प्रदेश में पिछले एक दशक में बाल विवाह के मामलों में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। जहां प्रदेश पहले पायदान पर आता था, वहीं अब छठे स्थान पर आता है लेकिन यह संतोष की बात नहीं है। आमजन से लेकर लोकसेवक सभी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बाल विवाह की कड़ी को तोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आने वाली अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा पर राज्य में बाल विवाह की पंरपरा रही है। खासतौर पर गांवों में प्रभावशाली लोगों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के सहयोग से लोगों से संवाद करके उन्हें जागरूक करें। सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, आपसी संवाद हर वह तरीका अपनाएं जिससे इस कुरीति पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने इस दौरान सभागर में उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त राजस्थान की शपथ भी दिलाई।

आयुक्त बाल अधिकारिता विभाग बचनेश अग्रवाल ने कहा कि विश्व की आबादी की 40 प्रतिशत जनसंख्या 18 वर्ष से कम उम्र की है। यह उम्र सपनों में रंग भरने की होती है। इसी दौरान यदि बच्चों का बाल विवाह हो जाता है तो उनके सपने बेरंग हो जाते हैं। यह स्वयं उनके साथ समाज के विकास की गति में अवरोध का काम करता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकने के लिए समाज के माइंडसेट को बदलने की जरूरत है। इसके लिए हमें स्वयं को शुरुआत करनी होगी।

राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण के सदस्य सचिव अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि इस कुरीति के अंत के लिए समाज की सोच में बदलाव होना बेहद जरूरी है। हमें लड़के और लड़कियों में समानता की सोच रखनी होगी। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक और शारीरिक विकास पर समान रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कार्यशाला में बाल विवाह से जुड़े कानूनों एवं उनके क्रियान्वयन पर जोर दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पल्लवी शर्मा ने बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में विस्तार और कानूनों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया।

यूपीएससी में चयन होने पर सची शर्मा का सम्मान

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज होनहार बेटी सची शर्मा अलवर का यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द ने बताया कि बेटी सची ने पूरे परिवार सहित पूरे समाज का नाम रोशन किया है संपूर्ण समाज आज सची पर गर्व महसूसकर रहा है यह जीत सिर्फ एक परीक्षा में उत्तीर्ण होने की कहानी नहीं, बल्कि उन संघर्षों, सपनों और अटूट विश्वास की कहानी है, जिसे सची ने अपने कठिन परिश्रम और बुलंद हौसले से साकार किया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि मंज़िल चाहे जितनी भी कठिन क्यों न हो, अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। इस दौरान महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद, राष्ट्रीय सह महामंत्री बंशी बोहरा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष गोपाल लाल, राष्ट्रीय युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलावाला, सांगानेर तहसील अध्यक्ष भगवान सहाय गोविंदपुरा, पार्षद रमेश प्रसाद, रतन सुखपरिया, रमेश नीदंड, रामनारायण आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

'भारत की कंपनियों का कारोबार बढ़ा रहा एआई'

जयपुर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज के समय में सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय कंपनियों के लिए एक गेम चेंजर बन चुका है। पहले जहाँ एआई को एक जटिल और सीमित टूल समझा जाता था, वहीं अब यह भारतीय व्यवसायों के हर हिस्से में इस्तेमाल हो रहा है, जिससे कारोबार में बेहतर बदलाव देखने को मिल रहे हैं। एसएपी इंडिया ने हाल ही में मुंबई में आयोजित एसएपी नाऊ एआई टूर में इस बात का खुलासा किया कि 2025 को एआई के शानदार परिणामों वाला साल माना जा रहा है। अब भारत की कंपनियाँ अपने व्यवसाय को स्मार्ट और प्रभावी बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल हर दिन कर रही हैं। चाहे वह फाइनेंस हो, सप्लाई चेन, मैन्युफैक्चरिंग या कस्टमर सर्विस, एआई ने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आज की तारीख में एआई सिर्फ डेटा प्रोसेसिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय कंपनियों के फैसले, रोज़मर्रा के काम और भविष्य की दिशा को निर्धारित करने में भी अहम् भूमिका निभा रहा है। एसएपी इंडियन सबकॉन्टिनेंट के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, मनीष प्रसाद ने कहा, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज किसी भी बिज़नेस का हिस्सा बन चुका है। इससे कंपनियों को न सिर्फ अपने कामकाज को स्मार्ट बनाने में मदद मिलती है, बल्कि यह उन्हें भविष्य के लिए मजबूत और सक्षम भी बनाता है। हम अपने ग्राहकों को एआई के माध्यम से एक नई दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं, और यह बदलाव भारत में हो रहा है, जिससे इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा।"

पेटीएम मनी ने पे लेटर के लिए ब्याज दर घटाई

जयपुर। आज के समय में निवेशक स्मार्ट तरीकों से बाज़ार के अवसरों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए ही उनकी रूचि मार्जिन-आधारित प्रोडक्ट्स में भी बढ़ रही है। निवेशकों की रुचि और जरुरत का ध्यान रखते हुए पेटीएम मनी ने अपने पे लेटर (एमटीएफ-मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी) ऑफर के अंतर्गत ब्याज दरों में कटौती और नई ब्रोकरेज संरचना की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य खुदरा और उच्च-मूल्य के निवेशकों के लिए ट्रेडिंग को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस घोषणा के बाद निवेशक 14.99 प्रतिशत की पुरानी स्थिर दर की जगह 9.75 फीसदी प्रतिवर्ष की न्यूनतम ब्याज दर पर एमटीएफ सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। नई स्लैब-बेस्ड ब्याज दर संरचना के तहत 25 लाख रुपए से अधिक की फंडिंग बुक साइज़ पर 9.75 प्रतिशत की दर लागू होगी, जबकि 1 लाख से 25 लाख रुपए तक की फंडिंग पर पहले जैसी 14.99 प्रतिशत की दर बनी रहेगी। इस घोषणा पर पेटीएम मनी के प्रवक्ता ने कहा, हम निवेशकों के लिए संपत्ति निर्माण को सरल और लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह कदम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

दो जिंदा कारतूस सहित एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत संधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद अबुजर निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए है। पुलिस आरोपी से जिंदा कारतूस की खरीद-फरोख्त के बारे मे पूछताछ कर रही है।

जयपुर में पत्रकारों का राष्ट्रीय अधिवेशन 26 से

जयपुर। गुलाबी नगर जयपुर में 40 वर्ष के अंतराल पर एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ़ इंडिया (असमनी) का 31 वां राष्ट्रीय अधिवेशन 26 एवं 27 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। असमनी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन का उद्घाटन सत्र शनिवार सुबह 10:00 बजे विधानसभा के कांस्टीट्ययूशनल क्लब के सभागार में आयोजित किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे होंगे तथा राज्य विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अध्यक्षता करेंगे। उद्घाटन समारोह को राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला, महामंत्री शंकर कतीरा एवं आयोजन समिति के संयोजक गोपाल शर्मा संबोधित करेंगे। असमनी का प्रथम अधिवेशन 1986 में जयपुर में आयोजित किया गया था। मणिपुर सहित 13 राज्यों से पत्रकार प्रतिनिधियों के भाग लेने की पुष्टि हो गई है। प्रदेश के मुख्य महासचिव डॉ. तरुण जैन के अनुसार इस अवसर पर पचास वर्ष की जनसमर्पित पत्रकारिता कर चुके पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। राज्यों की पत्रकारिता इतिहास से जुड़ी स्मारिका एवं अनुराग शर्मा के काव्य संग्रह "गूंजता एकांत" का विमोचन होगा।

परिवहन निरीक्षक राजेश चौधरी बने उपाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान सरकार के कर्मचारियों की सबसे बड़ी प्रतिनिधि संस्था अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने राजेश कुमार चौधरी को संगठन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

चौधरी वर्तमान में राजस्थान परिवहन निरीक्षक संघ के अध्यक्ष हैं और राज्य परिवहन विभाग में एक सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा महासंघ के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने की गई। उन्होंने बताया कि यह निर्णय संगठन के सभी वरिष्ठ सदस्यों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया और यह महासंघ को और अधिक मजबूत बनाएगा। महासंघ राज्य के सात लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान,अधिकारों की रक्षा और कल्याण के लिए कार्यरत है। नवनियुक्त उपाध्यक्ष राजेश कुमार चौधरी ने इस जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह सभी कर्मचारियों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैब लूट के दो आरोपियों को पुलिस ने किया डिटेन

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके से कैब लूट के मामले में पुलिस को आखिरकार सफलता मिल गई है। जयपुर से दौसा ले जाकर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने डिटेन कर लिया है, जिन्हें अब शिनाख्त परेड के बाद सामने लाया जाएगा। पुलिस आरोपियों से लूट की कार बरामदगी के प्रयास में लगी हुई है। शहर के दो थाना इलाके में वारदातों को अंजाम देने के लिए ये गैंग लूटे हुए मोबाइल से कैब बुक कर दौसा की ओर लेकर जाते थे, जहां पर कैब को लूट लेते थे। रामनगरिया थाना इलाके में लूट के बाद कैब चालक को रिंग रोड पर पटक कर चले गए थे,जबकि प्रताप नगर थाना इलाके में लूट में कैब को दौसा में ले जाकर लूटा था।

गौरतलब है कि बदमाशों ने 4 अप्रेल की रात को प्रताप नगर और 14 अप्रेल की रात को रामनगरिया थाना इलाके में कैब लूट की वारदात को अंजाम के दो मामले दर्ज हुए थे। रामनगरिया थाने में अलवर निवासी राहुल कुमार मीणा ने मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में बताया कि 14 अप्रेल की रात लालसोट के लिए अक्षयपात्र चौराहे से बुकिंग ली थी। इस दौरान कार में 3 जने बैठे हुए थे।

पर्यटकों के लिए सुरक्षित वातावरण बने : दिया कुमारी

जयपुर। गुरुवार को शासन सचिवालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटक सुरक्षा विषय पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें पर्यटन शासन सचिव रवि जैन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। बैठक मे पर्यटक सहायता बल के सुदृढ़ीकरण से सम्बंधित बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि राजस्थान में पर्यटक फ्रेंडली और सुरक्षित वातावरण निर्माण के लिए पुलिस पर्यटकों से संवेदनशील होकर व्यवहार करें, एवं सुरक्षा के मानदंडों का अनुसरण करें। इसके लिए पर्याप्त सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षाकर्मी तैनात रहें। ऐतिहातन सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्यटन विभाग संबंधित विभागों से भी चर्चा करेगा। जिससे राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो और वे ख़ुद को सुरक्षित महसूस करें।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान पर्यटक सहायता बल की पर्यटक स्थलों पर तैनाती, उनके कार्यों, वर्तमान परिदृश्य में पर्यटकों के साथ होने वाले घटनाओं एवं उनकी समस्याओं को सुलझाने, पर्यटक स्थलों पर पहचान के साथ टिकिटिंग एवं प्रवेश द्वार पर विशेष चैंकिग के लिये मेटल डिटेक्टर लगवाने, राज्य के बाहर से आने वाले पर्यटकों को पुलिस द्वारा संवेदनशीलता से व्यवहार किये जाने जैसे बिन्दुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

निगम ठेकेदार के कर्मचारी ने लगाया फांसी का फंदा

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में स्थित जयपुर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय के मीटिंग हॉल में उस समय हड़कंप मच गया जब गुरुवार देर शाम को निगम के ठेकेदार के कर्मचारी ने पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतार मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है,जिसमें किसी निगम अधिकारी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार निगम ठेकेदार के कर्मचारी का नाम हरदयाल है। जो जयपुर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय में सुपरवाइजर का काम करता था।

दो युवकों से ठगे 9 लाख रुपए

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में संविदा पर नौकरी लगाने के नाम पर दो युवकों से नौ लाख रुपए से ज्यादा की ठगने का मामला सामने आया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल राधेश्याम कर रहे है। पुलिस के अनुसार सीकर निवासी दीनदयाल ने मामला दर्ज करवाया।

जेसीबी से सड़क खोदकर केबल चोरी कर रही गैंग

- **सेंट्रल जेल के सामने 1.5 करोड़ की टेलीफोन केबल निकाली**
- **कंपनी के सुपरवाइजर समेत चार गिरफ्तार**

लाल कोठी थाना पुलिस ने जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाली गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाली गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इन बदमाशों के पास से एक जेसीबी मशीन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। बदमाशों से पुलिस ने करीब 1.5 करोड़ रुपए के तांबे की केबल बरामद किया है। इन शातिर बदमाशों की गैंग ने जेसीबी मशीन से सड़क खोदकर बीएसएनएल की भूमिगत टेलीफोन केबल ही उखाड़ ली। जिससे इलाके की संचार व्यवस्था को ठप कर दिया था। पकड़े गए बदमाशों में एक बदमाश जीसीसी कंपनी में सुपरवाइजर है। जीसीसी कंपनी ने सेंट्रल जेल के आसपास सीवर लाइन का ठेका ले रखा था। कंपनी का सुपरवाइजर मास्टरमाइंड आरोपी सीवर लाइन डालने के दौरान भूमिगत केबल चोरी कर रहा था। पुलिस ने बदमाशों से करीब 1.5 करोड़ रुपए के तांबे की केबल बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से सड़क खोदकर बीएसएनएल की केबल चोरी करने वाले आरोपी बाबूलाल बैरवा (31) निवासी मूलत: रामपुरा कला राहुवास दौसा हाल सांभरिया रोड कानोता, रामस्वरूप बैरवा (38) निवासी पुरोहितों का बास काल पहाड़ी दौसा, मुकेश नायक (21) निवासी आसरलाई जैतारण पाली, रिंकू (38) निवासी दयानंद नगर झालाना डूंगरी गांधी नगर एवं नासिर खान (21) निवासी झंझार सीकरी डीग को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी (पुलिस उप निरीक्षक)बन्नालाल ने बताया कि 23 अप्रैल को राजेश सक्सेना (57) कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी बीएसएनएल ने मामला दर्ज करवाया था कि भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर के द्वारा सांगानेरी गेट दूरभाष केन्द्र से आगरा रोड घाटगेट और अजमेरी गेट एवं इसके आसपास के क्षेत्र में तांबे की भूमिगत केबल डाली हुई है। इससे इंटरनेट और अन्य सुविधाएं दी जाती हैं। 23 अप्रैल को घाटगेट से गोविंद मार्ग श्मशान चौराहा,जनता कॉलोनी और आदर्श नगर क्षेत्र की सभी टेलिफोन सेवा ठप हो गई है। मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि सेंट्रल जेल के सामने से घाटगेट तक और घाटगेट से श्मशान घाट चौराहा तक जाने वाले केबल रूट पर गड्ढे किए हुए हैं। टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की तो 800 पेयर की 3 केबल गायब मिली। इसकी अनुमानित लम्बाई 200 मीटर थी। 400 पेयर की 3 केबल लगभग 200 मीटर, 200 पेयर की 4 केबल लगभग 200 मीटर, 100 पेयर की 4 केबल लगभग 200 मीटर गायब मिली। चोरी की गई केबल की अनुमानित कीमत 1.5 करोड़ रुपए है। इस पर पुलिस ने टीम गठित की मौके पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस पर पुलिस को लीड मिली। पुलिस ने बदमाशों को डिटेन कर उनके पास से एक जेसीबी और कुछ उपकरण जब्त किए। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

ARBIT it happens here...

Unite for a Malaria-Free Future

Observed every year on April 25, World Malaria Day raises awareness about the global fight against malaria, a preventable and treatable disease that still affects millions. Initiated by the World Health Organization, this day highlights progress made, ongoing challenges, and the urgent need for continued action. The 2025 theme, 'Accelerating the Fight Against Malaria,' calls on governments, health organizations, and individuals to invest in innovations, ensure access to care, and strengthen prevention strategies. From distributing mosquito nets to developing vaccines, every step counts. Together, we can envision a world where no one suffers or dies from malaria. Act now, save lives.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
25 April 2025
A-B

#PET-STORIES

From Labrador Retriever to Dachshund: Tracing the Pawprints of 10 Dog Breeds

Behind those puppy eyes lie stories of hunting grounds, royal courts, fishing boats, and even badger burrows. Here's a look at how 10 popular dog breeds came to be.

Dogs may be our best friends now, but their ancestors were bred with purpose-hunting, herding, guarding, or warming aristocratic feet. From icy waters to European palaces, every breed carries a fascinating origin story. Let's sniff out the histories of 10 beloved breeds, from the loyal Labrador to the fearless Dachshund.

Labrador Retriever - The Fisherman's Assistant

Don't be fooled by their modern-day love for tennis balls, Labradors were originally bred in Newfoundland, Canada, to retrieve fishing nets and escapees from icy waters. Brought to England in the 1800s, they were refined into the Labrador Retriever that we know today: friendly, intelligent, and great swimmers.

German Shepherd - The Guardian of the Flock

Developed in the late 19th century by Max von Stephanitz, German Shepherds were designed to be the ultimate working dogs. Agile, strong, and fiercely loyal, they were herders first and military, police, and service dogs later. Their intelligence and versatility have made them one of the most respected breeds globally.

Beagle - Nose First, Always

The Beagle's roots go deep-back to ancient Greece and then refined in England. Bred for hunting hares, these small hounds relied heavily on their sense of smell. Today, they're loved for their expressive faces, compact size, and boundless curiosity (especially about food).

Siberian Husky - Born to Run in the Snow

The Siberian Husky was bred by the Chukchi people of Northeast Asia as a sled dog capable of traveling long distances in harsh climates. Their endurance and wolf-like beauty earned them global fame, especially after a heroic sled team delivered life-saving medicine to Nome, Alaska, in 1925.

Pug - From Chinese Palaces to Royal Laps

Pugs have been making humans laugh since 400 BCE, when they were bred as lapdogs for Chinese emperors. With their wrinkled faces and curled tails, they became treasured pets in European courts too, especially with Queen Victoria, who was quite the Pug enthusiast.

Border Collie - The Genius of the Fields

This Scottish-English herder is considered the most intelligent dog breed. Bred to herd sheep with precision and eye contact (called 'the eye'), Border Collies are still used on farms and excel in canine sports. Their origin lies in the rugged borderlands, and so does their unshakeable work ethic.

Golden Retriever - The Scottish Game Companion

In the 19th century, Scottish aristocrat Dudley Marjoribanks (yes, that was his real name) wanted a perfect retriever for the moors. He bred a yellow Wavy-Coated Retriever with a Tweed Water Spaniel, and thus the ever-smiling Golden Retriever was born, eager to please and always ready to play.

Doberman Pinscher - The Tax Collector's Bodyguard

In 1890s Germany, tax collector Louis Dobermann wanted a protection dog that was also obedient and elegant. His breeding experiments created the Doberman Pinscher, a sleek, alert, and fearless protector that's still admired for both its power and loyalty.

Dalmatian - From Firehouses to Fashion Shows

This striking spotted breed has a murky origin, but historical records point to Dalmatia (in present-day Croatia). Dalmatians were once carriage dogs, trotting beside horses and warding off threats. Later, they found fame in firehouses, Disney films, and as symbols of flair and flamboyance.

Dachshund - The Badger Slayer

That adorable long body and tiny legs were no accident. Bred in Germany, the Dachshund's name literally means 'badger dog.' These brave little diggers were used to hunt badgers and burrow into their dens. Despite their cute appearance, they're fearless, stubborn, and full of personality.

The Legacy of Breeding

While dogs today are mostly companions, their ancestry shapes their instincts. Retrievers still love water, hounds still follow scents, and herders still try to manage crowds (including children). Understanding their origins helps us meet their needs, decode their quirks, and appreciate their diversity.

So, next time your Labrador splashes into a pond or your Beagle sniffs every inch of the park, remember-they're not misbehaving. They're just honouring their heritage.

#TRAVELOGUE

Dekho Rajasthan!!

● Avishek

When I was planning a vacation in Rajasthan during starting end of March, people thought I was out of my mind. One colleague from Rajasthan warned me that in April, even car ACs fail in Rajasthan! I relied on Wikipedia and advices of few like-minded well-wishers (2 of them from Rajasthan, whom I met accidentally at an official training). Rajasthan is not entirely desert. In fact, the state can be distinctly divided into desert area and semi-arid area. My research showed that the maximum temperature during my visit hovers in the range of 33-35 C, which is acceptable compared to Kolkata standard. Also, I had some personal constraints regarding the time selected. So, finally, I went ahead with the planning.

My intention was to cover maximum places during the trip. Given the rail heads from Kolkata, Rajasthan can be entered from two major cities. Either through Jaipur (via Agra Fort or Old Delhi) or Bikaner (via Old Delhi). One can also enter from Mount Abu (via Ahmedabad), but that is a longer route and falls in between the usual routes. Major cities to be covered in the state are Jaipur, Jodhpur, Udaipur, Jaisalmer, Bikaner, Mount Abu, Ajmer, Bharatpur and Chittorgarh. I like to plan and arrange for my trip myself. Various packages offered by online travel providers and local operators give me an idea of the route and places. I avoided flight, as in my opinion, travelling with kid is best enjoyed by train. They get time to be accustomed and enjoy the journey. I initially planned my trip as:

Howrah - Bikaner - Jaisalmer - Jodhpur - Mt. Abu - Udaipur - Ajmer (via Chittorgarh and Pushkar) - Jaipur - Howrah. Since I was travelling with my 2.5 year old son, there were certain constraints. So, I had to tweak my plan a bit. So, now it was-- Howrah - New Delhi - Jodhpur - Jaisalmer - Bikaner - Mt. Abu - Udaipur - Ajmer (via Chittorgarh and Pushkar) - Jaipur - New Delhi - Sealdah.

This ambitious plan was covering almost entire of Rajasthan in a single trip! I will cover the entire trip in multiple posts. First one being from Kolkata till New Delhi.

For the first leg of our journey, I booked ourselves in Howrah Rajdhani till New Delhi. After a brief hitch (which made us almost miss the train), we boarded the 2AC coach, one March evening. We, including my son, enjoyed the journey to the most. Food was good, and so were the co-passengers. Our connecting train to Jodhpur was at same night from Old Delhi Jn. I had booked a retiring room and got ourselves transferred to Old Delhi on reaching New Delhi. Retiring rooms can now be booked online from the IRCTC website- accommodation link or directly from http:// www. rr. irctctourism. com. The room at Old Delhi Jn. was old but spacious. We made the most of the time available to us, and after a quick nap went to the Red Fort in the evening. It is close from Old Delhi Jn. and rickshaws are available from outside the station. I have been there before, but entered the complex for the first time. We relished the Mughal construction and my son enjoyed the lush green lawns. Then, we did some quick shopping in the famous Chandni Chowk, known for zari embroidered cloths and street food. After a quick dinner, we waited impatiently for our first connecting train to Jodhpur and began our journey into the Land of Maharajas, Rajasthan.

Our train, Jodhpur-Jaisalmer Exp., left Jodhpur at 11:30 pm. There are many foreigners visiting Rajasthan all the time. I had interaction with a couple from Europe occupying the berths opposite to us. The guy had more knowledge on India's link with Yoga than I do! After a comfortable night's sleep, we reached Jaisalmer before 6 am the next day. Jaisalmer hotel agents and desert safari operators have their men in Jodhpur as well. They track tourists and will mark the train berth from Jodhpur. One guy handed me his card-cum brochure at Jodhpur station. When the train enters Jaisalmer, their men will come and try to lure you to their hotel and safari. Almost all hotels have tie-up with safari operators and hence they offer a package, which includes 2 days hotel rent, transfer to Sand Dunes around evening, cultural program, night at tent, morning transfer to hotel. In my opinion, it is always better to search the net, speak to the people and book a package before reaching Jaisalmer.

Lake Pichola

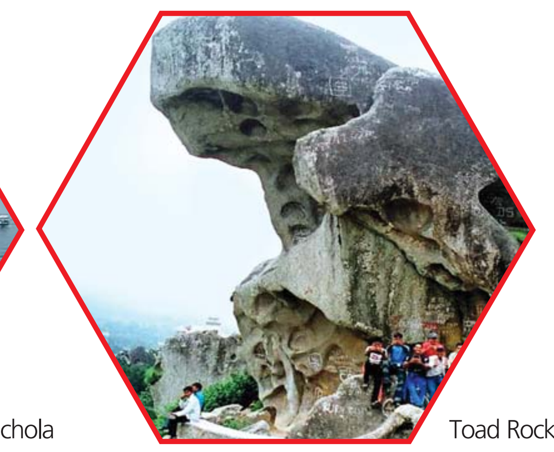
Toad Rock

Day 1 in Mount Abu, the Oasis in Thar Desert

The leg of our journey from Bikaner to Mount Abu was the longest among other intercity journeys in Rajasthan. Jammu Tawi-Ahmedabad Exp is a long distance train, with both our boarding and alighting stations not being the terminal station. The train was about 2 hrs late at Bikaner and arrived at 2:30 am instead of 12:45 am, and was to halt for only 10 mins. As if this was not enough, on boarding a bitter situation was awaiting me. As is the norm in all long distance trains, our berths and luggage space were occupied by a family from Punjab. They were extremely displeased to understand that I will not 'adjust' by shifting to another berth with my toddler son and wife being granted one of my reserved berths. After around 30 mins of stand-off and me almost threatening to pull out their luggage to the walkway, they withdrew. Remaining night was peaceful.

We reached Abu Road at around 11:30 am (around 1 hr late). Abu Road is the nearest rail head to Mount Abu. It is an important stop on the main Indian Railways line between Delhi and Ahmedabad. Rajasthan State Road Transport Corporation (RSRTC) buses and cars are available to reach Mount Abu, around 27 kms away. Mount Abu is a popular hill station in the Aravalli Ranges. The mountain forms a distinct rocky plateau on the boundary of Thar Dessert, is evergreen and home to many lakes, streams and waterfalls. The mountain has a long connection with spirituality, as it is said sage Vashishtha retired here and performed yajna. There are several Archaeological Sites in the hills. The hill station was cooler than I had expected after spending a summer week in Rajasthan. There was a pleasant chill in the air even in that April afternoon. Mount Abu is a small town, with most of it extending between the bus stand and Nakki Lake. The road connecting the town to the lake is dotted with stores, hotels and restaurants. One has several sightseeing mode option. RSRTC buses conduct sightseeing at nominal rates, self-driven two wheelers are available on hire, jeeps, and cars are also available. Since we reached after noon, the first evening we spent visiting Nakki Lake and surrounding market. It is a large lake surrounded by hills and the central attraction of Mount Abu town. There is rock shaped like a toad, called Toad Rock, on a hill behind the lake. The rock is a popular lookout point. There is option to enjoy the lake from the shore, on paddle boats or from inside of giant balloons! Photographers flock the area for snaps in traditional Rajasthani attire. The place is very lively and colourful in the evening. Due to its proximity to Gujarat, during weekend, lot of tourists can be seen from Gujarat. The restaurants and food joints here serve food to suit taste buds of both the states.

Bagore ki Haveli

Day 1 in Udaipur, the City of Lakes

Our Day 3 at Mount Abu started lazily with no hurry as buses ply to Udaipur every hour. Things hastened a bit when we realized we are late for the 12 pm bus. Eventually, we were on war footing when we saw we may miss the 1:30 pm bus as well! Roadways in Rajasthan is excellent. Vehicles ply at high speed without any hitch. With limited rail connectivity, roadways are preferred medium of transportation for many. Rajasthan State Road Transport Corporation (RSRTC) meets the expectation wonderfully with on-time and pocket-friendly service. The distance of 27 kms to Abu Road and then 150 kms to Udaipur was covered in 3.5 hrs. Terrains in Rajasthan varies between desert, forest and hilly, offering some wonderful sights.

It is advisable to make at least one trip between cities on road to experience this diversity.

Udaipur, popularly known as the City of Lakes, is one of the major cities of Rajasthan. It is served by both Ola and Uber. It was the historic capital of the kingdom of Mewar, founded in 1559 by Maharana Udai Singh II when he shifted his capital from Chittorgarh after defeat to Akbar. Udaipur enjoys a distinct pleasant weather, unseen in rest of Rajasthan. This is due to its proximity to Gujarat border and being surrounded by Aravali Range, which separates it from Thar Desert. The erstwhile capital was protected by a wall and 7 gates (known as 'Pole' here). The area within is currently called the Old City, while the modern city thrives outside the walls. The Old City has narrow lanes and old buildings, but are very close to the main historically important monuments and ghats (on Lake Pichola).

The lake system of Udaipur are interconnected and are the main source of water for the city.

In Udaipur, as in Jodhpur, we put up in the old city. To me, the Old City has a hypnotic charm. Since it was already evening by the time we reached our hotel on Day 1 in Udaipur, we decided to have walking tour of the Old City. Our hotel, being on bank of Lake Pichola, the beautiful Gangaur Ghat was right beside our hotel. Bagore ki Haveli is also beside the ghat, but assuming it will take time to explore, we postponed it till Day 2. Lake Pichola (open 24 hrs, no ticket) is an artificial fresh water lake named after the nearby Picholi village. The lake has four islands which all holds palaces, some of which have been converted into hotels. The City Palace of Udaipur has been built on the bank of this lake. Gangaur Ghat is a major bathing ghat of Lake Pichola. The view from the ghat is beautiful with open lake on one side and the arched Chandpole Bridge (public bridge, no ticket) on the other.

Moreover, the procession of local Gangaur festival culminates in this ghat with the immersion of the idols of Gan (or Shiva) and Gaur (or Gauri). From that, we went to the City Palace of Udaipur, but it was closed. So, we came back to Jagadish Temple (open 5 am - 10 pm, no ticket), which is one of the major monuments and temples of Udaipur. The Hindu temple was built by Maharana Jagat Singh I in 1651 and is in continuous worship since then.

The temple is dedicated to Lord Jagannath, affectionately called Jagadish by locals.

The evening aarti is very elaborate with locals participating in large numbers. After the evening aarti, we called it a day and retired in our hotel.

2 Days in Jaisalmer, the City of the Golden Fort

Jagdish Temple

Our train, Jodhpur-Jaisalmer Exp., left Jodhpur at 11:30 pm. There are many foreigners visiting Rajasthan all the time. I had interaction with a couple from Europe occupying the berths opposite to us. The guy had more knowledge on India's link with Yoga than I do! After a comfortable night's sleep, we reached Jaisalmer before 6 am the next day. Jaisalmer hotel agents and desert safari operators have their men in Jodhpur as well. They track tourists and will mark the train berth from Jodhpur. One guy handed me his card-cum-brochure at Jodhpur station. When the train enters Jaisalmer, their men will come and try to lure you to their hotel and safari. Almost all hotels have tie-up with safari operators and hence they offer a package, which includes 2 days hotel rent, transfer to Sand Dunes around evening, cultural program, night at tent, morning transfer to hotel. In my opinion, it is always better to search the net, speak to the people and book a package before reaching Jaisalmer, which I had done. So, the disheartened agents, who had approached me at station, offered me a drop to my hotel instead.

Being a die-hard fan of Feluda (the fictional Bengali sleuth made immortal by the immortal filmmaker-writer, Satyajit Ray), Sonar Kella (the Golden Fort) always occupied a special place in the heart. It was a dream-cum-true moment for me when I found myself in front of the fort (though now it looks nothing like depicted in the film 'Sonar Kella'). Jaisalmer is a very small town, and mostly spread around the fort. So, the fort is visible from the terrace or balcony of most hotels. Interestingly, the fort is still inhabited by descendants of the original inhabitants. It is the only Living Fort of India. Jaisalmer Fort (open 24 hrs as it is living fort, entry free) was built around 1156 by King Jaisal (again after whom the town is named) and named as Trikoot Garh (after the hill on which it was built). Being constructed of sandstone, the fort changes colour with the position of sun, bright golden at dawn and dusk and rich brownish yellow during the day. The main attractions inside the fort are: Raj Mahal (Royal palace), Havelis of prosperous traders, Jain temples and the Laxminath temple. There are guides available outside the fort who will take you through the Royal Palace (it is the largest building after entrance, with great views from top), one Haveli (here one can take photographs with antique items in traditional Rajasthani attire), and finally, a gift shop. Patwon ki Haveli are a group of havelis across the main market outside the fort. They were constructed by affluent traders, and now form a heritage tourist attraction. In the market infront of the fort, on way to Patwon ki Haveli, there are some local sweet shops selling delicious Kachoris (a local delicacy). One interesting item available here in abundance is cups made from real fossils rocks! One can see and feel the compressed black fibrous material forming the surface. Locals claim that milk left overnight will turn into curd (my sister bought one during her visit, experimented and confirmed the fact) and drinking water kept in it overnight can cure diabetes.

Real sand dunes can be seen at either Sam Desert or Khuri Desert. Sam Desert is more commercialized with resorts for night stay, jeep and camel safari. Most, if not all, operators will want to take you there. Khuri, on the other hand, is rustic dessert village, with few households now serving as guest house and camel safari operators (search for Badal Singh or Arjun Singh). They welcome you with home-made food, have their own camels for safari and can accommodate for night stays. Resorts are also present, so, one can choose where to stay. I chose Khuri and arranged for a camel safari through Badal Singh Guest house at Khuri. I did not opt for a package and negotiated a much cheaper deal with a travel operator for to and fro journey to Khuri. But unfortunately, my son had a bad cold and I had to drop my dessert safari plan. If travelling with kids, you have to be flexible.

Day 2 at Jaisalmer was mostly spent indoors. By evening, my son felt better and we went off to Ghadisar Lake (entry free). It is a rainwater lake supplying water to the town. There are several temples on the shore. Empty tombs (or cenotaphs) around the lake and one in the middle give it a royal touch. Boating can be done on the lake. There are huge number of fishes in the lake (catfish as per Wikipedia), which can be fed with bread-crumbs sold on shores.

Being a small town, streets of Jaisalmer becomes dark and empty after sundown. There is no or little nightlife. The place has barracks of military and BSF, and is continuously patrolled by them. Our train to Bikaner was on night of Day 2 in Jaisalmer. So, we wrapped up and prepared ourselves for the journey to another desert town of Rajasthan.

rajeshsharma1049@gmail.com

Gangaur Ghat

#CREATIVITY

Tiny Stitches, Big Smiles

Every Stitch Tells a Story: Celebrating International Amigurumi Day

In a world buzzing with screens and speed, there's a quiet, colourful rebellion taking place, one loop at a time. April 25 marks International Amigurumi Day, a joyful celebration of the Japanese art of creating small, stuffed yarn creatures. From tiny turtles and sleepy cats to smiling donuts and space-bound aliens, amigurumi isn't just a craft, it's a global movement stitched with creativity, calm, and community.

What is Amigurumi?

Amigurumi blends the Japanese words ami (to knit or crochet) and nuigurumi (stuffed doll). These hand-crafted plushies, often no bigger than your palm, are loved for their cuteness and character. Unlike generic toys, amigurumi creations have personality, sometimes cheeky, sometimes serene, and each one tells a story, lovingly brought to life by its maker.

A Therapeutic Thread

Beyond the cuteness, amigurumi offers calm in chaos. Many crafters say the act of crocheting or knitting helps them focus, reduce anxiety, and express themselves. It's a slow, mindful practice in a fast-paced world. During lockdowns, the amigurumi community grew rapidly online as people sought comfort and connection through crafting.

A Global Yarn Party

International Amigurumi Day is now celebrated with vibrant flair across the world. Social media feeds fill up with plush pets and fantasy creatures, workshops pop up in libraries and cafes, and creators share free patterns, tutorials, and heartfelt stories behind their stitched friends. Some even engage in 'yarn bombing,' decorating parks or streets with soft sculptures to surprise and delight passersby.

Crafting With a Cause

More than just playthings, amigurumi dolls have become powerful messengers. Artists create endangered animals to raise awareness, or design diverse, inclusive characters to reflect a wider spectrum of identities. From eco-conscious collections to mental health mascots, each tiny doll can carry a big message, and it's all wrapped in yarn.

Start Small, Dream Big

You don't need fancy tools to join in, just some yarn, a hook, and a bit of patience. Whether you're crafting for a loved one, donating to a charity, or simply unwinding with a new hobby, amigurumi invites you to slow down, smile more, and celebrate the joy of making. So, this April 25, take a break from the digital buzz. Grab a hook, pick your favourite color, and stitch up something magical. In the soft, quirky world of amigurumi, every loop is a step closer to joy.

THE WALL

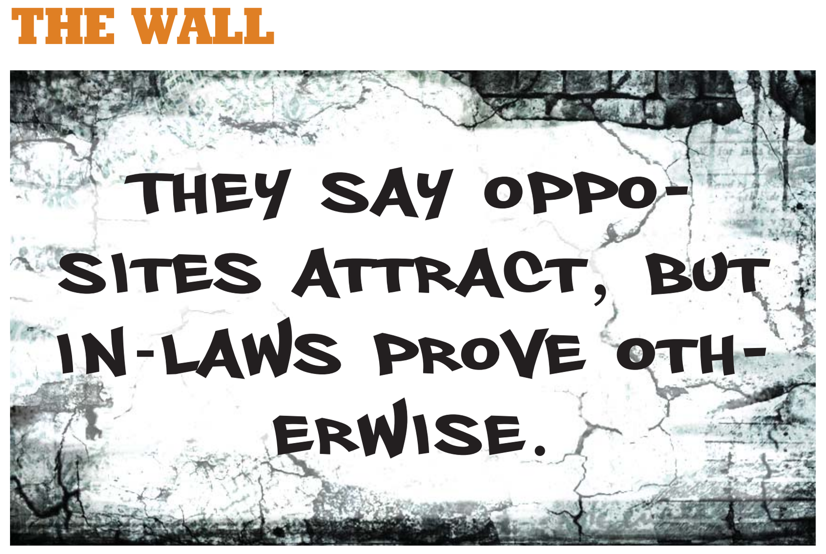

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

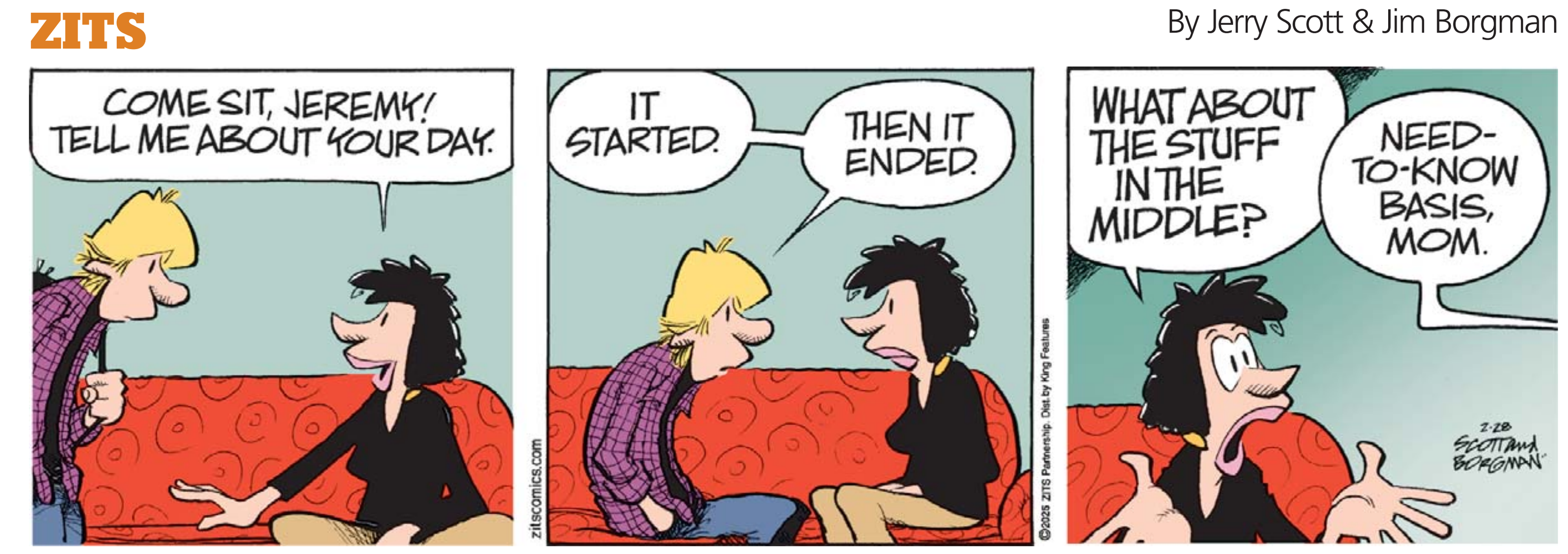

आबकारी पुलिस अभिरक्षा से अपराधी को छुड़ाकर ले जाने वाले आठ आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना पुलिस ने अभिरक्षा से अवैध शराब रखने के आरोप में डिटेनशुदा आरोपी को छुड़ाने के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना को उस समय हुई जब आबकारी थाना प्रागपुरा पुलिस अवैध शराब बेचने वाले आरोपी को पकड़ कर लाई थी।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि 22 अप्रैल को अवैध शराब रखने के आरोप में डिटेनशुदा आरोपी को 6-7 गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों द्वारा आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर पुलिस जाप्ता के साथ मारपीट कर डिटेनशुदा आरोपी को छुड़ा कर ले जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के निर्देशन व उपाधीक्षक कोटपुतली राजेंद्र बुरड़क, उपाधीक्षक विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं थाना प्रभारी कोटपुतली राजेश शर्मा, थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल, थाना प्रभारी सरुंड बाबूलाल, थाना प्रभारी पनियाला मनोहर, थाना प्रभारी प्रागपुरा किरण सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की।

टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की पहचान करते हुए साइबर सेल से टेक्निकल साक्ष्य प्राप्त कर आरोपियों के छुपने के ठिकानों पर दबिश देते हुए आरोपी

पुलिस ने आरोपी को छुड़ाने के मामले में आठ जनों को गिरफ्तार किया।

अशोक कुमार गुर्जर पुत्र दौलतराम निवासी नवरंगपुरा, भरत शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा निवासी मोहल्ला सराय कोटपुतली, राजवीर यादव पुत्र रामेश्वर यादव निवासी वार्ड नं.16 मोहल्ला बूचाहेडा, मोहन सैनी पुत्र रामकरण सैनी निवासी गोपालपुरा वार्ड नं.3 ढाणी ऊदावाली, धर्मपाल पुत्र मनोहर लाल गुर्जर निवासी खेडकी मुक्कड़, अभिषेक उर्फ पहलवान पुत्र हरिसिंह गुर्जर निवासी खेडकी वीरभान वार्ड नं.1 को गिरफ्तार किया।

गठित टीमों द्वारा बुधवार को करीब 40 से अधिक ठिकानों पर दबिश दी जाकर उक्त घटना में संलिप्त आरोपियांन विजय सिंह पुत्र रामप्रसाद निवासी चानचक्की व शिंभू सिंह पुत्र गिरधारी निवासी सुदरपुर ढाढा को दस्तयाब किया जाकर गिरफ्तार किया गया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह को कल शाम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाढा तिराहा गौ शाला के पास एक जेपी योगी नाम का आदमी अवैध शराब बिक्री कर रहा है। जिस पर उसको पकड़ने के लिए पतराम सिपाही को सिविल ड्रेस में वहां भेजा गया, जहां उक्त आदमी एक गत्ते के कार्टून में अवैध शराब बेचता नजर आया जिसकी सूचना पतराम सिपाही ने जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह को दी। पदम सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तो अवैध शराब बेचने वाला आदमी पुलिस को देख भागने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया व रात करीब आठ बजे प्रागपुरा थाना ले आए। तभी कोटपुतली विधायक पंकज पटेल का जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह के पास फोन आया, जिस पर सिपाही पतराम ने उससे बात करने के लिए कहा तो पंकज पटेल ने उससे गाली गलौच करने लगा। जिस पर उससे फोन लेकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह ने बात की तो उसे

- 6-7 गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाश आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर पुलिस जाप्ता के साथ मारपीट कर डिटेनशुदा आरोपी को छुड़ा कर ले गये

भी वह ट्रांसफर करने की धमकी देकर गाली गलौच करने लगा।

वही थोड़ी देर बाद ही 5- 6 गाड़ियों में 40-50 लोग सवार होकर आए व आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर आबकारी पुलिसकर्मियों से मारपीट करने लगे व उनके फोन छीन लिए व आबकारी थाने में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिस पर भीड़ का फायदा उठाकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह प्रागपुरा थाना पहुंच गया व जाप्ता लेकर आबकारी थाना प्रागपुरा पहुंचा तो पुलिस जाप्ता देखकर मौके पर मोबाइल फेंककर अवैध शराब बेचते जिस आरोपी को गिरफ्तार किया था उसे गाड़ी में बिठाकर फरार हो गए। जिस पर चोटग्रस्त जाप्ते का मेडिकल करवाने व राजकार्यों में बाधा डालने का मामला दर्ज करवाया गया है। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में झुंझुनूं कल बंद रहेगा

झुंझुनूं, (निसं)। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों का धर्म पूछकर की गई हत्या के मामले में पूरे देश में गुस्सा है। झुंझुनूं में भी इस घटना के विरोध में 26 अप्रैल यानि शनिवार को बंद का आव्हान किया गया है। गुरूवार को विश्व हिंदू परिषद के आव्हान पर विभिन्न हिंदूवादी संगठनों, बस, आटो,

- विश्व हिंदू परिषद के आव्हान पर विभिन्न हिंदूवादी संगठनों, बस, आटो, व्यापारिक व सामाजिक संगठनों की बैठक आयोजित

व्यापारिक व सामाजिक संगठनों की बैठक चूणा चौक में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 26 अप्रैल शनिवार को झुंझुनूं शहर को बंद रखकर इस घटना का विरोध दर्ज करवाया जाएगा।

इस मौके पर सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखते हुए घटना का विरोध किया और कहा कि सरकार से भी मांग की जाएगी कि धर्म पूछकर पर्यटकों को मारने वाले आतंकवादियों को करारा जवाब दें। ताकि भविष्य में हिंदू या फिर हिंदुस्तानियों की तरफ कोई भी आतंकवादी नजर उठाकर ना देख सके। इस मौके पर यह भी तय किया गया कि

झुंझुनूं बंद की तैयारियों को लेकर विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

25 अप्रैल शुक्रवार को सुबह 11 बजे शहर के गाडिया टाउन हॉल में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें और भी संगठनों के प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा। इस बैठक में शनिवार को प्रस्तावित बंद को लेकर चर्चा की जाएगी। रणनीति बनाई जाएगी और अलग-अलग जिम्मेदारियां दी जाएगी। बैठक में आरएसएस से योगेंद्र सैनी, करणीर सेना से रविंद्र तोलियासर, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत परियोजना प्रमुख योगेंद्र कुंडलवाल, वीएचपी जिला मंत्री जयराज जांगिड़, बजरंग दल के जिला संयोजक सुशील प्रजापति, अंतर्राष्ट्रीय वीएचपी जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष सौरभ जोशी, शिवा क्लब के संस्थापक अध्यक्ष नरेश टेलर, पंकज टेलर, प्राइवेट बस स्टैंड यूनियन अध्यक्ष भोपालसिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद टीबड़ा, गल्ला व्यापार संघ मंत्री विपिन राणासरिया, राष्ट्रीय सैनी सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सैनी, जगदीश सैनी, मनोहर धूपिया, डॉ. मनोज सैनी, पार्षद संजय पारीक, विजय कुमार सैनी, रौनक पारासर, मनीष कृष्णियां, सप्त ऋषि मंडल से अनिल जोशी, अनिल जांगिड़, लोकेंद्रसिंह, पंकज रोहिला, रवि प्रकाश शुक्ला, सुरेश कुमार टेलर, वेदप्रकाश महनसरिया, संदीप सैनी, निशांत सैनी सहित बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई नहीं होने से तीन पंचायतों के सरपंच और विकास अधिकारी निलंबित

उदासर, रायसर और नौरंगदेसर पहुंचे शिक्षा एवं पंचायती मंत्री मदन दिलावर ने निलंबित करने के आदेश दिये

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर गुरुवार को बीकानेर जिले के दौरे पर रहे। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने अल सुबह बीकानेर ग्राम पंचायत के उदासर, रायसर और नौरंगदेसर का दौरा किया। ग्रामीणों की शिकायत और सफाई नहीं होने से नाराज मंत्री ने तीनों पंचायतों के सरपंचों रायसर के सरपंच महेंद्र सिंह, नौरंगदेसर के सरपंच भगवाना राम और

- सफाई ठेका फर्म को ब्लैक लिस्टेड किया, स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कॉर्डिनेटर को सेवा मुक्त किया

उदासर के सरपंच वीरेंद्र सिंह तथा ग्राम विकास अधिकारी रायसर राजेंद्र चारण, नौरंगदेसर ग्राम विकास अधिकारी कौशल्या पुरोहित तथा उदासर के ग्राम विकास अधिकारी चिरंजीव शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए तथा सफाई ठेका फर्म शंकर कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने के आदेश जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल को दिए।

जानकारी के अनुसार शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर सूर्योदय के साथ प्रात: 6:30 बजे अचानक औचक निरीक्षण के लिए

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गांवों का दौरा कर जानकारी ली।

रायसर, नौरंगदेसर तथा उदासर ग्राम पंचायत पहुंचे। मंत्री के औचक निरीक्षण की जानकारी के साथ ग्रामीण और अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। बीकानेर शहर मुख्यालय के नजदीकी ग्राम पंचायत रायसर पहुंचते ही मंत्री मदन दिलावर ने ग्रामीणों से सफाई को लेकर पूछताछ की। ग्रामीणों ने बताया कि सफाई नियमित नहीं होती। स्थानीय दुकानदार दीवान सिंह ने बताया कि सफाई करने कोई नहीं आता। उन्होंने पिछली बार महाशिवरात्रि के अवसर पर फरवरी में सफाई किए जाने की जानकारी दी और बताया कि तब से अब तक कोई नहीं आया। गांव के मुख्य मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर गंदगी का ढेर लगा था। मंत्री दिलावर ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि लोग यहां रोज पूजा करने आते हैं। इतनी गंदगी है। मंदिर में प्रवेश करने में भी परेशानी आती होगी। उन्होंने कहा कि सफाई के सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद सफाई नहीं हो रही।

मदन दिलावर ने नौरंगदेसर में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। यहां स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र के आसपास गंदगी के ढेर थे। मंत्री दिलावर ने खण्ड विकास अधिकारी साजिया तबस्सुम, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल से नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यालयों से बाहर निकलें और गांवों में सफाई व्यवस्था देखें। पंचायती राज मंत्री ने मौके पर ही रायसर, नौरंगदेसर तथा उदासर सरपंच और ग्राम विकास अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने के आदेश दिए तथा सफाई का कार्य देख रही ठेका फॉर्म शंकर कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर इसका भुगतान रोकने के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का उदासर ग्राम पंचायत पहुंचे, जहां खुले में ही कचरे के ढेर जलते हुए नजर आए। मंत्री ने इस पर आपत्ति जाहिर की तथा ग्राम विकास अधिकारी उदासर चिरंजीवी शर्मा को इसके लिए फटकार लगाई।

व्यवस्थापक पर रुपए लेने का आरोप

बीकानेर, (निसं)। पूगल में 66 आरडी ग्राम सहकारी समिति लि. के व्यवस्थापक पर ग्रामीण से लोन नहीं लेने का प्रमाण-पत्र देने के बदले 500 रुपए लेने का आरोप लगा है। इसकी शिकायत तहसीलदार से की गई है और एक वीडियो भी वायरल हुआ है। पूगल में चक 15 बीएलडी निवासी खेताराम की ओर से तहसीलदार को दी गई शिकायत में बताया गया है कि उसे लोन नहीं लेने का प्रमाण पत्र चाहिए था। इसके लिए वह ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक रामदेव से मिला। रामदेव के पास आरडी 66 का भी अतिरिक्त चार्ज है। नो ड्यूज देने के बदले उसने 500 रुपए मांगे और परेशान करने लगा। आखिरकार उसे 500 रुपए देने पर नो ड्यूज मिला। रुपए लेते उसका वीडियो बनाया है। तहसीलदार से शिकायत भी की है। इस संबंध में प्रशिक्षु तहसीलदार दिव्या बिश्नोई ने बताया कि कॉपरेटिव इंस्पेक्टर से घटनाक्रम की जांच करवाई जाएगी। एसडीएम को मामले की जानकारी दी गई है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के बागोडा पुलिस ने गुरुवार को सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी हुकमाराम के नेतृत्व में गठित टीम ने आठ माह से फरार सामुहिक दुष्कर्म का वांछित अपराधी तथा पांच हजार रूपये का इनामी अभियुक्त दिनेश कुमार उर्फ दिनेश जाणी पुत्र मोहनलाल को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

स्मार्ट सिटी में हुए कथित घोटाले के विरोध में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

अजमेर में यूथ कांग्रेस की ओर से जिला कलेक्ट्रेट पर उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया।

अजमेर, (कासं)। अजमेर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत हुए विभिन्न निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में गुरुवार को यूथ कांग्रेस की ओर से जिला कलेक्ट्रेट पर उग्र विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कांग्रेसियों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर लगे बेरीकेड्स गिरा दिए और अंदर प्रवेश करने पर पुलिस से धक्का-मुक्की की गई। उग्र प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने हल्ला बल प्रयोग किया। यूथ कांग्रेस के प्रतिनिधि कलेक्टर चेम्बर पहुंचे और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर भ्रष्टाचार की जांच की मांग की।

जानकारी के अनुसार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में हुए कथित घोटाले के मद्देनजर यूथ कांग्रेस का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। गुरुवार को शहर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया। सुबह से ही कलेक्ट्रेट के बाहर टेंट लगाकर आंदोलन शुरू कर दिया गया, लेकिन पुलिस और प्रदर्शनकारियों के अंदर जाने को लेकर धक्का-मुक्की हुई। दोपहर एक बजे यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता शहर अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार की ओर कूच करने लगे, तभी पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन धक्क-मुक्की के दौरान बैरिकेड्स गिर गए। हालात बिगड़ते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग किया। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पुलिस को धकेलते हुए कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार को खोलकर भीतर घुस गए और कलेक्टर चैंबर के बाहर सरकार विरोधी नारे लगाने लगे।

उग्र प्रदर्शन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाश की, लेकिन बात नहीं बनी। पुलिस ने एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों को कलेक्टर चेम्बर से बाहर निकाला। इस दौरान मची अफरा-तफरी में कई गमले टूट गए और कुछ कार्यकर्ताओं को मामूली चोटें भी आईं। बाद में यूथ कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर लोक बंधु से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

मोहित मल्होत्रा ने कलेक्टर को दिए ज्ञापन में भ्रष्टाचार की जांच के लिए पांच दिन का समय देते हुए चेतावनी दी गई है कि अगर भ्रष्टाचार में लिप्त स्मार्ट सिटी अधिकारियों के नाम उजागर नहीं किए गए और उनसे आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं करवाई गई तो यूथ कांग्रेस अजमेर बंद का आव्हान करेगी। यूथ कांग्रेस की मांग है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में हुए भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार जनता के पैसे का दुरुपयोग कर रही है और आम जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया है। ज्ञापन देने वालों में मोहित मल्होत्रा, हेमंत भाटी, शैलेंद्र अग्रवाल, नौरत गुर्जर, सागर मीणा, सुनील लारा सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ पर फंदे से युवक का शव लटका मिला

12 दिन पहले ही मृतक के बड़े भाई की कुएं में गिरने से मौत हुई थी

उदयपुर, (कासं)। गुरुवार को जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र के रावलिया खुर्द में एक युवक ने पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। 12 दिन पहले ही मृतक के बड़े भाई की कुएं में गिरने से मौत हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को एक पहाड़ी पर पेड़ पर युवक का शव लटका देखकर सनसनी फैल गई। युवक की शिनाख्त रोशन लाल (19) पुत्र खुमा गमेती के रूप में हुई है। शव घर से करीब 600 मीटर दूर पहाड़ी पर पेड़ लटका मिला। आसपास ग्रामीणों ने जब शव लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतरवाकर गोगुंदा सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतक के आत्महत्या का स्पष्ट कारण पता नहीं लगा है पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार मृतक रोशन लाल पानेर सरपंच भंवरी बाई का छोटा भाई है और गुजरात के एक रेस्टोरेंट में खाना बनाने का काम करता है। एक सप्ताह पहले रोशन लाल के सबसे बड़े भाई खमणी लाल की कुंए में गिरने से मौत हो गई थी। इसी कारण रोशन लाल गुजरात से अपने घर लौटा था। ग्राम पंचायत भवन के ठीक सामने से चुंडावतों का गुड़ा की ओर जा रही सड़क पर रोशन लाल का पैतृक मकान है। मकान से आधा किलोमीटर दूर माला मंगरा है, जहां आम के पेड़ पर शव फंदे से लटका मिला। मृतक रोशन अविवाहित था।

नवसृजित पंचायत समिति गोठड़ा में शामिल करने का विरोध

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के नवलगढ़ पंचायत समिति की तीन ग्राम पंचायतों बाय, कोलसिया और बिरोल को नवसृजित पंचायत समिति गोठड़ा में शामिल किया जा रहा है। जिसका लगातार विरोध हो रहा है।

जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन के बाद तीनों गांवों के लोग अपने जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में झुंझुनूं पहुंचे। प्रदर्शन कर अपनी आपत्ति कलेक्टर के समक्ष और जिला परिषद की साधारण सभा में दर्ज करवाई।

इस मौके पर ग्रामीणों कहा किउन्हें चाहे उग्रा आंदोलन करना पड़े। कोर्ट जाना पड़े या फिर कुछ भी करना पड़े। लेकिन वे गोठड़ा में शामिल नहीं होंगे। दरअसल ग्रामीणों का कहना है कि तीनों ही गांवों के लोगों के आने-जाने का साधन नवलगढ़ से सीधा कनेक्ट है। जबकि गोठड़ा से कनेक्ट नहीं है। यही नहीं गोठड़ा में ऐसी कोई सुविधा नहीं है कि वहां पर पंचायत समिति बनाई जाए। लेकिन उनका विरोध यह नहीं है कि गोठड़ा पंचायत समिति बने या ना बने। उनका यही विरोध है कि वे गोठड़ा में शामिल नहीं होंगे।

ट्रक और डंपर मालिकों ने डीटीओ कार्यालय झुंझुनूं के सामने प्रदर्शन किया

ई-रवन्ना के आधार पर परिवहन विभाग द्वारा काटे गए ओवरलोडिंग के चालान और उनकी वसूली का मामला

झुंझुनूं, (निसं)। ई-रवन्ना के आधार पर परिवहन विभाग द्वारा काटे गए ओवरलोडिंग के चालान और उनकी वसूली के मामले में झुंझुनूं डीटीओ कार्यालय और ट्रक व डंपर मालिक अब आमने-सामने हो गए हैं। डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ ने जहां एक ओर चालान की राशि जमा ना करवाने वाले 647 वाहनों की आरसी को सस्पेंड कर दिया है तो वहीं अब वाहन मालिकों ने भी चेता दिया है कि यदि तीन दिन में उनकी आरसी बहाल नहीं की गई तो वे अपने ट्रकों को डीटीओ कार्यालय में लाकर आग लगा देंगे।

जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग और वाहन मालिकों के बीच ठन गई है। ई-रवन्ना के आधार पर पूरे प्रदेश में परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों के पास ओवरलोडिंग के चालान भिजवाए थे, जिसमें ना केवल वाहन को चैक करवाने तथा राशि का 95 प्रतिशत एनमेस्टी स्कीम में जमा करवाने की बात कही गई थी। कुछ वाहन मालिकों ने पैसा जमा करवाया और वाहनों को चैक भी करवा लिया, लेकिन 647 वाहन मालिक ऐसे थे, जो ना तो पैसे जमा करवा रहे हैं और

ट्रक व डंपर मालिकों ने झुंझुनूं डीटीओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

ना ही वाहनों को चैक करवा रहे हैं, जिस पर डीटीओ ने गत दिनों 647 वाहनों की आरसी को सस्पैंड कर दिया।

गुरूवार को इस कार्रवाई से नाराज होकर ट्रक और डंपर मालिकों ने डीटीओ कार्यालय झुंझुनूं के सामने प्रदर्शन किया। साथ ही चेताया है कि अगर तीन दिन में उनकी आरसी बहाल नहीं होती है तो वे डीटीओ कार्यालय में सभी वाहनों को लाकर खड़ा कर देंगे, प्रदर्शन करेंगे, धरना देंगे और वाहनों के आग लगा देंगे। क्योंकि उन्होंने ब्याज पर पैसे लेकर, जमीन बेचकर वाहन खरीदा। सारे टैक्स और चालान की राशि जमा करवा दी। बावजूद इसके उनकी आरसी को सस्पैंड कर दिया है। ई-रवन्ना के आधार पर ओवरलोडिंग का चालान काट दिया। पहले भी ऐसे चालान काटे गए हैं, लेकिन उन्हें या तो माफ कर दिया गया है, या फिर एक प्रतिशत राशि जमा की गई है, लेकिन परिवहन विभाग ना तो माफ कर रहा है और डिमांड भी पांच प्रतिशत की वसूली करना चाह रहा है। वाहन मालिकों से जबरदस्ती पैसे जमा करवाने के लिए आरसी सस्पैंड की जा रही है।

- ट्रक व डंपर मालिक और झुंझुनूं डीटीओ कार्यालय अधिकारी आमने-सामने हुये
- डीटीओ ने 647 ट्रक और डंपरों की आरसी सस्पैंड की, तो डंपर मालिकों ने ट्रकों व डंपरों को आग लगाने की चेतावनी दी

इधर, डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ ने बताया कि 647 वाहनों की आरसी सस्पैंड की गई है। ट्रक और डंपर मालिकों के साथ वार्ता हुई है। उन्हें सारी बातें बताई गई है। वे जाकर उच्च अधिकारियों से अपील कर सकते हैं। विभाग ने जो तय किया है और जो निर्देश मिले हैं, उसके अनुसार ही कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त

वन मंत्री शर्मा ने लिया जायजा

अलवर। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर 27 को अलवर आएंगे। माथुर के आगमन व प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारीयों को लेकर पर्यावरण व वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने प्रताप ऑडिटोरियम में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मंत्री शर्मा ने प्रताप ऑडिटोरियम में पहुंच कर यूआईटी व पुलिस के अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों के संदर्भ में चर्चा कर निर्देशित किया। मंत्री ने कार्यक्रम प्रवेश, बैठक, मंच, ई लाइब्रेरी के वर्चुअल उद्घाटन की व्यवस्था आदि के साथ रूट व लाइब्रेरी के निरीक्षण की पुख्ता तैयारियां करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और की जा रही व्यवस्थाओ का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान केंद्रीय वन मंत्री के निजी सहायक नितिन चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक अंगद, यूआईटी के अधिशाषी अभियंता अशोक मदान व कुमार संभव अवस्थी, पं.जले सिंह, सतीश यादव, अमित गोयल, अरुण जैन मौजूद रहें।

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

अलवर। रामगढ़ क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। बगड तिराया पर ब्लॉक अध्यक्ष बबली शर्मा के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम में रामगढ़ की पूर्व विधायक और कांग्रेस प्रदेश महासचिव साफिया जुबेर खान विशेष रूप से मौजूद रहीं। कैंडल मार्च बगड तिराया के मुख्य मार्गों से होकर गुजरा। कार्यकर्ताओं ने शहीदों की याद में 2 मिनट का मौन रखा और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। विधायक सफिया खान ने केंद्र सरकार से आतंकी संगठनों को जड़ से खत्म करने की मांग की। कार्यक्रम में ब्लाक अध्यक्ष बबली पंडित पप्पू सरपंच, हनीफ खान, सप्पू खान, फरियाद खान, अजीब खान और पूर्व सरपंच समसू सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अभिषेक का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

निवाई। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय झिलाय में कक्षा 12वीं कला वर्ग में अध्यनरत छात्र का खो-खो प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। प्रधानाचार्य अनुराधा वर्मा ने बताया कि छात्र अभिषेक चौधरी पुत्र सत्यनारायण चौधरी का 68 वीं विद्यालयी खो खो खेल कूद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 30 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित प्रतियोगिता में अभिषेक चौधरी राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधानाचार्य अनुराधा वर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर छात्र अभिषेक चौधरी एवं टीम प्रभारी मनराज गुर्जर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विधायक सुखवंत सिंह ने अग्यारा डंपिंग यार्ड का लिया जायजा

अलवर। केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के निर्देश पर गुरुवार को रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने अधिकारियों के संयुक्त दल के साथ दिल्ली रोड बगड़ तिराहे के समीप बने नगर निगम के डंपिंग यार्ड में लगी आग का जायजा लिया।

अग्यारा डंपिंग यार्ड में लगी आग का मामला दिशा की बैठक में संज्ञान में आने पर केंद्रीय मत्री भूपेंद्र यादव ने विधायक सहित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए थे रामगढ विधायक सुखवंत सिंह ने नगर निगम अधिकारियों से कहा कि भविष्य में आग लगने की घटना की पुनरावृति ना हो इसके एहतियात बरतते हुए आवश्यक कदम उठाएं जाए।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को प्लांट के उन्नयन के प्रस्ताव भिजवाने एवं प्लांट में सॉलिड वेस्ट कचरे के पूर्णतया निस्तारण के लिए रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए और निर्देशित किया कि एसटीपी प्लांट के ट्रीटेड वॉटर का प्रयोग कर नियमित रूप से प्लांट में पानी डलवाया जाए, ताकि आग सुलगने की संभावना न रहे। इस दौरान नगर निगम आयुक्त ने बताया कि सॉलिड वेस्ट प्लान्ट में सुलग रही आग पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया गया है।

प्लांट को पूर्णतः सुरक्षित करने के लिए फायर ब्रिगेड व जेसीबी के माध्यम से कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने 21 अप्रैल को दिशा की बैठक ली थी। जिसमें रामगढ क्षेत्र के अग्यारा में नगर निगम के म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट प्लान्ट में आग लगने की घटना का विषय संज्ञान में आया था।

इस पर उन्होंने निर्देश दिये थे कि आगामी चार दिवस में स्थानीय विधायक, नगर निगम, स्थानीय प्रशासन व उनके प्रतिनिधियों के संयुक्त दल द्वारा अग्यारा स्थित प्लांट का निरीक्षण किया जाएगा। इससे पूर्व आग को पूरी तरह से नियंत्रण में करने की कार्यवाही करने के साथ प्लांट के उन्नयन आदि के बारे में मौके पर ही चर्चा की जावे।

निरीक्षण के दौरान रामगढ़ प्रधान नसरू खॉ, नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह नरूक, उपखंड अधिकारी रामगढ़ सुरेंद्र प्रसाद, केंद्रीय मंत्री के निजी सचिव आयुष कुमार एवं नितिन सागवान, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, फायर ब्रिगेड अधिकारी बब्बू राम मीणा, तहसीलदार रामगढ़ सहित नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

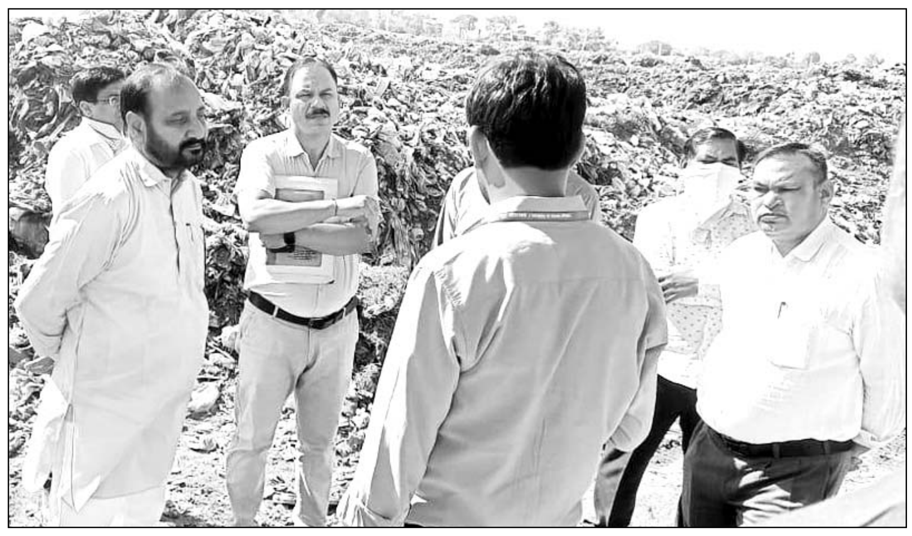

अग्यारा डंपिंग यार्ड का जायजा लेते विधायक रामगढ़ सुखवंत सिंह व अधिकारियों का दल।

- नगर निगम के अग्यारा डंपिंग यार्ड में आग सुलगने का मामला संज्ञान में आने पर मंत्री ने दिए थे जांच कर आग पर नियंत्रण करने के आदेश

बीसीएमओ ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

कोटपूतली। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने मौसमी बीमारियों, लू-तापघात हीटवेब को देखते हुये आयुष्मान आरोग्य मन्दिर-आरोग्य परम धनम शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नागाजी की गौर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बखराना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिमनपुरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से बातचीत कर कुशलक्षेम पूछी। वार्डो में मरीजों के लिये पंखा, वॉटर कूलर, एयर कूलर, बिजली, पानी, मरीजों के बैठने की माकूल व्यवस्था की जाँच की। साथ ही एमएनडीवाई स्टोर की जांच करते हुये पर्याप्त दवाईयों के स्टॉक की जानकारी लेते हुए फायर मॉक ड्रिल करने के निर्देश प्रदान किये। साथ ही मरीजों एवं परिजनों से बीसीएमओ ने कहा कि नंगे पैर बाहर ना निकले, उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचे और बासी भोजन ना खायें, दोपहर में बाहर निकलने पर ज्यादा मेहनत करने वाली गतिविधियों से बचे, धूप में बाहर निकलने से बचे, खासकर दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच बाहर ना निकलें। बच्चों या पालतू जानवरों को पार्क किए गए वाहन में ना छोड़े। वाहन के अन्दर का तापमान खतरनाक स्थिति में हो सकता है। अत्यधिक गर्मी के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने के क्षेत्र में पर्याप्त रूप से हवादार करने के लिये दरवाजे और खिड़किया खोले। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय या अधिक मात्रा में चीनी वाले पेय से बचें, क्योकि ये वास्तव में शरीर के अधिक तरल पदार्थ को खो देते है या पेट में ऐंठन पैदा कर सकते है।

बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बखराना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिमनपुरा का निरीक्षण किया।

पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था

श्रीमाधोपुर। ग्राम मऊ सीकर ग्लोबल रेजीडिन्शियल स्कूल में आज परिंदा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था करना। इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर किया।विद्यालय के प्रांगण में अलग-अलग स्थानों पर मिट्टी के बर्तन लगाए गए, जिनमें ताज़ा पानी और बाजरा, चावल जैसे अनाज रखे गए। स्कूल के निदेशक श्याम चौधरी ने कहा- "गर्मी के मौसम को देखते हुए यह कदम पक्षियों को राहत देने के लिए उठाया गया। उन्होंने लोगों से यह अनुरोध किया है कि ज्यादा से ज्यादा लोग परिंडे लगाएं और पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करें।प्रधानाचार्या ने बताया कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

जिला मजिस्ट्रेट ने ली कानून-व्यवस्था को लेकर बैठक

टोंक। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सौम्या झा ने जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाएं रखने के लिए गुरुवार को भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र के वीसी कक्ष में बैठक ली। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने जिले के सभी उपखंडों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाएं रखने की सुनिश्चिता करें। जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि संदिग्ध घटनाओं पर नजर रखे और इसे गंभीरता से लिया जाएं। इसकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाएं। इस संबंध में कानून-व्यवस्था को लेकर गृह विभाग द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों की कड़ाई से व अक्षरशः पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस जाप्ता नियोजित करते हुए विशेष निगरानी की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि होटल, धर्मशाला एवं ढाबे जैसे स्थानों का लगातार निरीक्षण करें। जिला मजिस्ट्रेट ने सोशल मीडिया पर निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि भ्रामक एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने मुख्य मार्गों पर आने जाने वाले संदिग्ध वाहनों की तलाशी लेने के निर्देश दिए।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, चाकसू, जिला - जयपुर ग्रामीण (राज.)

क्रमांक/न.पा.चा./2025/444 **लोक सूचना** दिनांक: 24.04.2025

आवेदक ग्रीन हाउस बिल्डस्टेट प्राईवेट लिमिटेड जरिये निदेशक भगवती प्रसाद शर्मा पुत्र हनुमान प्रसाद शर्मा हिस्सा- पूर्ण जाति- ब्राह्मण मकान संख्या - 50, कॉलोनी - सुख विहार कॉलोनी, क्षेत्र/स्थान- श्योपुर रोड, शहर- सांगानेर जयपुर पिन कोड 302029, जिला- जयपुर राज्य- राजस्थान एवं नमित कुमार पुत्र रमेश हिस्सा पूर्ण जाति- नट निवासी बढ़वाली ढाणी, वाटिका तहसील सांगानेर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा स.	क्षेत्र (हैक्टे. मे.)	प्रयोजन
तहसील चाकसू, जिला जयपुर	ग्राम का नाम भगवानपुरा, पटवार हल्का- रामनिवास भू.अभि.नि. क्षेत्र- छान्देल कलां	486	0.3500	आवासीय
		487	0.2500	
		489	0.1300	
		486/1	0.3400	
		485/13	0.0900	
	कुल किता 5		कुल 1.1600	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24-04-2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका चाकसू

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, सामु, स्वा0 केन्द्र भिंडूसी(तिजारा)

क्रमांक-2025/80 दिनांक-24/1/25

खुली निविदा सूचना

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ0स्वा0केन्द्र चिड़ूसी (तिजारा) खैरथल तिजारा द्वारा निम्न सेवाये उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र.स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अंतिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथ व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथि व समय
1.	2	3	6	7	8
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर मैन विद मशीन(संविदा-)	150000/-	30.04.2025 12.00PM	30.04.2025 1.00PM	30.04.2025 2.00PM
2.	सफाई कार्य	360000/-	30.04.2025 12.00PM	30.04.2025 1.00PM	30.04.2025 2.00PM

नियम एवं शर्ते-

1. निविदाएं दोहरी बिक प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी/चैक, समस्त पाचित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैंकर्स बैंक राजस्थान मेडिक्येर रिलीफ सोसाइटी भिंडूसी के नाम से व तिजारा शाखा पर देय होगा। दुसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें रिसतं प्रस्तावित दरें ही दी जायेगी। तकनीकी बिह में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड चोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाएँ दिनांक 30.04.2025 को दोपहर 100 तक जमा की जायेगी तथा 30.04.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वार। उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा कना प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक आनकारी http://sppp.rajasthan gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी
सामु 0स्वा0 केन्द्र भिंडसी तिजारा

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य निसार अहमद पुत्र श्री नूर अहमद, निवासी-325, जंगलात की चौकी, शेखावतो की छतरी, मदीना मस्जिद, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान का पुत्र मोहम्मद रिजवान पुत्र श्री निसार अहमद, आयु-24 वर्ष मेरे अभिभाष्य के कहे मे नही है मेरे अभिभाष्यग का कहना नही मानता है एवं मेरे अभिभाष्य से लड़ाई-झगडा एवं गाली-गलोच करता है तथा गलत संगतो मे पड़ा हुआ है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियो से बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्य का अपने पुत्र से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है यदि कोई व्यक्ति उससे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगें। सूचित रहे।
जयपुर। (मोहसिन अहमद) एडवोकेट
दिनांक-24.04.2025 मो.-9309415035

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य खान इकलाक अहमद हमीद पुत्र हमीद खान- निवासी जवाहरपुरा, जाबासर, जिला झुंझुनू, राजस्थान द्वारा मोहम्मद साजिद खान पुत्र स्व.अब्दुल मजिद, निवासी प्लाट नम्बर 127, संजय नगर-बी, कायमखानी चौक, झोटवाडा, जयपुर (राजस्थान) से उसके स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट नम्बर 127, संजय नगर-बी, कालवाड़ रोड, झोटवाडा, जयपुर (राजस्थान), जिसका कुल क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहता है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।
जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक-24.04.2025 मो.नं. 9829256466

नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)
क्रमांक: एफ 13 () उपा. लैण्ड / ननिज./2025/52 दिनांक: 21/04/025
सार्वजनिक सूचना
मूल भूखण्ड सं. ए-228, बस्सी सीतारामपुरा, जयपुर का पट्टा श्री बद्रीनारायण शर्मा पुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा को दिनांक 06.02.1982 को 360.77 व.ग. का पट्टा जारी किया गया था। श्री जयन्ती प्रसाद जैन पुत्र श्री (मंगतूराम जैन द्वारा वसीयत एवं विक्रय पत्र के आधार पर व शपथ पत्र प्रस्तुत कर एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

एम.सी.जे. फार्म नं.-33 भाग 7
हेतु संदर्शित करने के सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय-अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, कोर्ट सं.-2, सीतापुर।
वाद सं.-352/2024 पेशी-21-5-2025
श्रीमती शुभी मेहरोत्रा वादिनी
बनाम
रीतेश सोनी प्रतिवादी
बनाम- रीतेश सोनी पुत्र राजेन्द्र सोनी निवासी 111/74, अग्रवाल फार्म, विजय पथ मान सरोवर, जयपुर जिला जयपुर (राजस्थान)
चूंकि उपरिनामांकित श्रीमती शुभी मेहरोत्रा ने इस न्यायालय में उक्त वाद अंतर्गत धारा-125 दं.प्र.सं. प्रस्तुत किया है। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप वाद के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 21-5-2025 को सुबह 10-00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त वाद/आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर सहित आज 2025 के माह 4 के दिवस को निकाली गई।
न्यायालय की आज्ञा से
मुंसरिम
अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, कोर्ट सं.-2, सीतापुर
मोहर अदालत

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय...उपखण्ड अधिकारी... स्थान... कि0रेनवाल... भैरूराम वगै0...विरूद्ध.... कैलाशचन्द वगै0
प्रार्थना पत्र संख्या 34/2024
नाम भैरूराम पुत्र भुरा, थीसालाल पुत्र भुरा, नारायणलाल पुत्र भुरा, बालूराम पुत्र भुरा, लक्ष्मण पुत्र भुरा, मंगलचन्द पुत्र काना, रामेश्वर लाल पुत्र काना, चौथमल पुत्र काना समस्त जाति अहीर, कैलाशचन्द पडियार पुत्र माठूराम (मोठ्या), कानाराम पुत्र मूल्या, गणेश पुत्र हनुमान, छीतरमल पुत्र पन्ना, जीवणराम पुत्र मोती, देशराज पुत्र मोटूराम (मोठ्या), दोलाराम पुत्र पन्ना, नाथू पुत्र हनुमान, नारायण पुत्र जगन्नाथ, पप्पूराम पुत्र माल्या, प्रकाशकुमार पुत्र मोहनलाल, बनवारीलाल पुत्र मोती, भैरूराम पुत्र भूराराम, मांगीलाल पुत्र पन्ना, मीरादेवी पत्नि मालीराम, रविकुमार परिहार पुत्र जीवणराम, रामकुवार पुत्र जगन्नाथ, रामदयाल पुत्र मूल्या, रामदयाल पुत्र मोती, रामेश्वरलाल पुत्र पन्ना, सुजाराम पुत्र जगन्नाथ समस्त जाति बलाई, नारायण पुत्र जगन्नाथ, सुजाराम पुत्र जगन्नाथ, रामकुवार पुत्र जगन्नाथ, भूरीदेवी पुत्री जगन्नाथ, रामेश्वर पुत्र पन्ना, मांगीलाल पुत्र पन्ना, छीतरमल पुत्र पन्ना, दौलतराम पुत्र पन्ना, मंगली पुत्री पन्ना, सन्तरा पुत्री पन्ना निवासी खेड़ीमिलक, तहसीलदार कि0 रेनवाल, सब रजिस्ट्रार कि0रेनवाल, तहसील कि0 रेनवाल जिला जयपुर राज0, विरूद्ध तरमीम दुरूस्ती के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 2/5/25 को दिन में 10 बजें दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपकों यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जें में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता0 24/4/25 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुदा लगाकर दिया
मोहर अदालत आज्ञा से-रीडर, उपखण्ड अधिकारी किशनगढ रैनवाल, जिला जयपुर

नाम परिवर्तन

मै आर्मी नं. 16021323Y रावल सिंह यूनिट 17 राज रिफ (सवाई मान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम (Antra Kanwar) व जन्मतिथि 21.07.1963 गलत दर्ज है, मेरी माताजी का सही नाम (Antar Kanwar), सही जन्मतिथि 01.01.1961 है।

I, PREETI JAIN, W/O Praveen Jain, R/O 5/327, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan have changed my name to PREETI AGARWAL Vide affidavit dtd. 24/04/2025 before notary Nishant Kumar Katara, Jaipur for all Future Purposes.

I Have Changed My Name From Sawan Kumar to Sawan Dangi S/O Ghanshyam Dangi For All Purpose. Plot No.- 121-A, Nagtalai, Kachhi Basti Surajpole Anaj mandi, Jaipur-302003

I Air Force no 640387H Ex JWO Rampal Singh Shekhawat resident of plot no 20 Sangam Colony Sikar road near road no 14 circle Harmada Jaipur that I have changed my wife name from RAAJBALA SHEKHAWAT is wrong entered in my service record to RAJBALA SHEKHAWAT vide affidavit dated 16 April 2025 before District Sub Magistrate Jaipur city.

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 33/2025
चूंकि श्री दौलतराम स्वामी व राजेन्द्र सिंह ने पंजीकृत प्रन्यास स्वामी रामप्रकाश भजनदास ट्रस्ट 4353, नथमल जी का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 22 जयपुर 2006 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के पूर्व प्रन्यासियों द्वारा त्याग पत्र देने व प्रन्यासियों का स्वर्गवास हो जाने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा श्री राजेन्द्र सिंह, डॉ. शीशराम ओला, श्री सुभाष चन्द्र भास्कर, डा. राघेन्द्र मिश्रा, श्री मोहन दास स्वामी, श्री घमेन्द्र दास स्वामी, श्री लक्ष्मण सिंह को नवीन प्रन्यासियों को नियुक्त कर उनके नाम रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 23/4/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28/4/25
मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 34/2025
चूंकि श्री दौलतराम स्वामी व राजेन्द्र सिंह ने पंजीकृत प्रन्यास स्वामी लक्ष्मीराम ट्रस्ट 4353, नथमल जी का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 531 जयपुर 1977 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के अध्यक्ष श्री भजनदास स्वामी, श्री फूलचन्द शर्मा का स्वर्गवास हो जाने तथा श्री भगवान सहाय त्रिवेदी, शीतलदास व राजेश्वर तिवाडी द्वारा त्याग पत्र देने के कारण उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान पर नया नाम तथा डा. शीशराम ओला, श्री सुभाष चन्द्र भास्कर श्री राघवेन्द्र मिश्रा को नियुक्त कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 23/4/25को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28/5/25
मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमानम्बर:- DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/185
चूंकि प्रार्थी श्री दीपमाला दत्ता, टी-43 मंगल आशियाना कालवाड रोड जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास
दुर्गा शक्ति फाउंडेशन, जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है,
में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है
कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि
कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र
निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/07/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमानम्बर:- DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/186
चूंकि प्रार्थी श्री पंकज कुमार गुर्जर, वार्ड न. 15, मान क्लब के पास, शिव कोलोनी, दौसा, राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास
एक्सन फोर कम्युनटी ट्रेनिंग सोसायटी दौसा, दौसा के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है।
में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है
कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि
कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र
निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/07/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जिला दूदू
क्रमांक-भू.अ.1948 दिनांक-17.04.2025
विज्ञप्ति
श्री गौरव जैन व गौतम जैन पुत्रान सुरेश जैन निवासी 108, हरिमार्ग, सिविल लाईन्स, जयपुर ने वसीयतनामा व मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर श्रीमती राधा देवी पत्नी धर्मचन्द जैन के नाम अंकित ग्राम नयागांव में स्थित भूमि खसरा नं. 458 लगायत 461 कुल रकबा 4.80 है0 भूमि अपने नाम नामान्तरकरण करने हेतु आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / हितधारी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि के बाद नियमानुसार अभिलेख के आधार पर निर्णय पारित कर दिया जायेगा। विज्ञिप्त आज दिनांक 17.04, 2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गयी।
तहसीलदार (भू.अ.) तहसील दूदू (जयपुर)

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:310 जाहिर आम-सूचना दिनांक:15.04.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 28/CS-32 (एरिया 10.800 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री छगन लाल धानका पुत्र श्री गुलाब चन्द धानका को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2122 दिनांक 22.06.2021 को जारी किया गया। श्री छगन लाल धानका द्वारा श्रीमती मोनिका जैन पत्नी श्री अंकित जैन को दिनांक 02.02.2022 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती मोनिका जैन के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री छगन लाल धानका के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक अष्टम मानसरोवर, जयपुर के यहाँ दिनांक 06.11.2023 को पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती मोनिका जैन द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त व्यावसायिक भूखण्ड को दिनांक 07.12.2023 के द्वारा श्री पवन कुमार सिंघल पुत्र श्री दीन दयाल सिंघल को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्री पवन कुमार सिंघल पुत्र श्री दीन दयाल सिंघल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त व्यावसायिक भूखण्ड में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री पवन कुमार सिंघल पुत्र श्री दीन दयाल सिंघल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य द्वारा प्लॉट नम्बर 25-बी, कल्याण नगर, ग्राम हाज्यावाला, सांगानेर, जयपुर में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 62.08 वर्गगज है को क्रय किया जा रहा है। यह कि सम्पूर्ण प्लॉट न. 25, जिसका कुल क्षेत्रफल 167.74 वर्गगज जे.डी.ए जयपुर द्वारा पट्टा विलेख 19.06.2017 को संतरा देवी के नाम से जारी किया गया था, तत्पश्चात संतरा देवी का स्वर्गवास 26.04.2021 को हो गया। संतरा देवी के स्वर्गवास के बाद उनके विधिक व कानूनी उत्तराधिकारियों/ वारिसान में उनके पति श्री हरीश चंद खीची उनके पुत्र कृष्ण कांत खीची और कपिल खीची एवं उनकी पुत्रीयां सुमनलता चोला और विद्या महिद्रा उक्त वर्णित सम्पत्ति में अपने-अपने हिस्से के संयुक्त रूप से मालिक, काबिज़, स्वामी व अधिकारी हुए। तत्पश्चात उनके श्री हरीश चंद खीची, कृष्ण कांत खीची, कपिल खीची, सुमनलता चोला एवं विद्या महिद्रा, ने उक्त सम्पत्ति को सुरेन्द्र सिंह को बैचान कर दिया, तत्पश्चात उपरोक्त सम्पूर्ण प्लॉट न. 25, जिसका कुल क्षेत्रफल 167.74 वर्गगज में से प्लॉट नम्बर 25-बी, जिसका कुल क्षेत्रफल 62.08 वर्गगज को राम लाल को बैचान कर दिया। इस प्रकार राम लाल उक्त सम्पत्ति का संयुक्त मालिक, स्वामी, काबिज व अधिकारी है। राम लाल द्वारा उक्त सम्पत्ति को किसी दीगर व्यक्ति को विक्रय किया जा रहा है, उक्त सम्पत्ति बाबत यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक, वित्तीय संस्था, सगे सम्बन्धी या अन्य कोई वारिसान, जनसाधारण, इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति, एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में मुझसे व्यक्तिगत रूप से मेरे निम्नलिखित ऑफिस पते पर अपनी आपत्ति / ऐतराजात मय असल दस्तावेज सहित व्यक्त करें, उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी तथा उक्त अवधि के पश्चात् इस आम सूचना बाबत् कोई भी आपत्ति / ऐतराजात किसी भी न्यायालय में शून्य व निरस्त समझी जायेंगी।
B.C.Shankla, Advocate, Mob.: 9829063273

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू, जिला - जयपुर ग्रामीण (राज.)
क्रमांक/न.पा.चा./2025/441 **लोक सूचना** दिनांक: 24.04.2025
आवेदक श्री रवि वर्मा पुत्र श्री अजमल वर्मा हिस्सा- पूर्ण जाति- रैगर निवासी सी-48 विष्णुपुरी नंदपुरी मालवीय नगर जयपुर जिला जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा स.	क्षेत्र (हैक्टे. मे.)	प्रयोजन
तहसील चाकसू, जिला जयपुर	ग्राम का नाम चाकसू(पूर्व) पटवार हल्का- चाकसू पूर्व, भू.अभि.नि. क्षेत्र- चाकसू	12635/1495	0.0165	फार्म हाउस प्रयोजनार्थ
		12641/1483	0.0800	
		12645/1493	0.0450	
		12652/1484	0.0900	
		12662/1491	0.0900	
		12664/1492	0.0800	
		12626/1495	0.0100	
		12646/1493	0.0860	
		12666/1494	0.1300	
		1505	0.2000	
	कुल किता 10		कुल रकबा 0.8275	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24-04-2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका चाकसू

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश पश्चिम, जयपुर स्थान द्वितीय जयपुर महानगर राजपाल व अन्य विरूद्ध अजय सिंह व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र....
प्रार्थना-पत्र संख्या 79 सन 2025
नाम अजय सिंह पुत्र श्री दगाराम अहिर जाति यादव पता प्लाट नं. 80, बी साउथ पार्ट शिवशक्ति विहार बैनाड ग्राम बोयतावाला, जयपुर हाल वार्ड नं. 12 नावता पचेरी छोटी उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि जिला झुन्झुनु।
अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए दिनांक माह 04 सन् 2025 को 8:00 एएम पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 24 माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
रीडर
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश पश्चिम स्थान जयपुर द्वितीय जयपुर महानगर राजपाल व अलग विरूद्ध अजय सिंह व अन्य
वाद बाबत
वाद सं. 93 सन् 2025
नाम अजय सिंह श्री पुत्र दयाराम जाति अहिर (यादव) निवासी प्लाट नं. स्थान 80, बी. साउथ पार्ट शिवशक्ति विहार बैनाड ग्राम बोयताबाता जयपुर हाल वार्ड नं. 12 नावता पचेरी छोटी, जिला झुन्झुनू ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 29 माह 04 सन् 2025 को दिन में 8.00 एएम का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई कर दावा का प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपने प्रतिरक्ष या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 24. माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
रीडर
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय... उपखण्ड अधिकारी...स्थान कि. रेनवाल... बंशी वगै...विरूद्ध...श्रीया वगै....
वाद बाबत तकास्मा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 95/2024
नाम श्रीया पुत्र श्रीनारायण जाति नाई निवासी ग्राम नान्दरी तहसील कि0रेनवाल जिला जयपुर राज0, विरूद्ध वाद तकास्मा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 25/4/25 दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपकों यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपंसजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 22/4/25 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ रैनलवाल
जिला जयपुर
मोहर अदालत

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती तान्या गुप्ता रूपेनवार पत्नी स्वर्गीय श्री आशीष मोहन रूपेनवार, निवासी फ्लेट नम्बर 202, श्री श्याम रेजीडेन्सी, प्लाट नम्बर 14-15, वैशाली एलिगेन्स, गांधी पथ वेस्ट, लालरपुरा रोड, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राज.) स्वयं के पति श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति आवासीय यूनिट/फ्लेट नम्बर 202, फर्स्ट फ्लोर, श्री श्याम रेजीडेन्सी, प्लाट नम्बर 14-15, वैशाली एलीगेन्स, ग्राम लालरपुरा, गांधीपथ पश्चिम, जयपुर (राज.) जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 872 वर्गफीट अर्थात 81 वर्गमीटर है जो कि निर्मित अवस्था में है तथा जिसे मेरी मुवक्किल के पति श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार उर्फ श्री शशि मोहन रूपेनवार ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसके ऋण खाते क्रमश (1) ऋण खाता संख्या 621853628 (2) ऋण खाता संख्या 631025172 (3) ऋण खाता संख्या 631257647 तथा (4) ऋण खाता संख्या 631257805 है, उक्त श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार का स्वर्गवास 04.09.2024 को हो चुका है तथा उनकी माताजी श्रीमती राजेश रूपेनवार पत्नी स्वर्गीय श्री शशि मोहन रूपेनवार का स्वर्गवास दिनांक 20.09.2021 को हो चुका है, श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार उर्फ श्री शशि मोहन रूपेनवार के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान मे श्रीमती तान्या गुप्ता रूपेनवार पत्नी स्वर्गीय श्री आशीष मोहन रूपेनवार तथा एकमात्र पुत्री अक्षाईनी (जो कि अवयस्क है) पुत्री स्व. श्री आशीष मोहन रूपेनवार है, इनके अलावा स्वर्गीय श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार उर्फ श्री शशि मोहन रूपेनवार का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूंकि मेरी मुवक्किल के पति श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार उर्फ श्री शशि मोहन रूपेनवार के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरी मुवक्किल स्वयं के पति श्री आशीष मोहन रूपेनवार पुत्र स्व. श्री एस. एम. रूपेनवार उर्फ श्री शशि मोहन रूपेनवार के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहती है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
जयपुर (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
दिनांक-21.04.2025 6/48, मालवीय नगर, जयपुर मोबाईल 9829218044

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर E-mail: rsscjaipur@gmail.com
rssccoachingjaipur@gmail.com, Phone – 0141-2744283, 0141-2742468
क्रमांक :- एफ.5/6/के.प्र.शि. जयपुर/2025-26/18 दिनांक :- 22/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 11 दिनांक 22.04.2025
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर द्वारा माह मई-जून, 2025 में 22 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर, जयपुर में टैन्ट व्यवस्था की जानी है। टैन्ट व्यवस्था आपूर्ति हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। संबधित पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in तथा www.rssc.in पर देखा जा सकता है। UBN No.: RSC2526SSOB00011
राज.संवाद/सी/25/1219 सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत चरला पंचायत समिति सुजानगढ़(चूरू
क्रमाक.ग्रा.पं./चरला/2025-26/08-10 दिनांक21.4.2025
ई-निविदा सूचना
ग्राम पंचायत चरला द्वारा मनरेगा एवं RD के तहत सामग्री आपूर्ती हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत विभिन्न योजनाओं के कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई जिसकी विस्तृत जानकारी हेतु SPPP.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर जा कर देखी जा सकती है।
NIB NO.ZCR2526A0077
UBN NO.ZCR2526GLOBOO197
प्रशासक, ग्राम पंचायत चरला — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत चरला

कार्यालय ग्राम पंचायत काजीपुरा समिति सांभरलेक जिला जयपुर (राज.)
क्रमांकः- ग्रा.पं. काजीपुरा / निविदा/लेखा/2025-26/208 दिनांक : 22-4.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
पंचायत समिति सांभरलेक के अधीनस्थ ग्राम पंचायत काजीपुरा के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री एंव उपकरणो की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एंव राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियमो के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माताओ, विक्रेताओ, आपूर्तिकर्ताओं जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमो से बोली लगाने से विवर्जित / ब्लेक लिस्टेड नहीं है, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। ई-निविदा में जमा कराये जाने योग्य शुल्को की राशि व जमा करवाने का माध्यम एवं अन्य शर्तें एंव निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एंव अन्य विस्तृत विवरण पंचायत समिति/ग्राम पंचायत कार्यालय समय में एवं उपापन पोर्टल (www.sppp.rajasthan.gov.in) एवं (www.eproc.rajasthan.gov.in) पर अवलोकन की जा सकती है।
UBIN No.-ZJP2526GLOB00172, TENDER ID -2025_PRD_462045_1
सरपंच, ग्राम पंचायत काजीपुरा, प.सं. साँभर झील — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत काजीपुरा, प.सं. साँभर झील

कार्यालय ग्राम पंचायत तैज्या का बास समिति सांभरलेक जिला जयपुर (राज.)
क्रमांकः- ग्रा.पं. तैज्या का बास/निविदा/लेखा/2025-26/75 दिनांक : 21-04-25
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
पंचायत समिति साम्भरलेक के अधीनस्थ ग्राम पंचायत तैज्या का बास के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री एंव उपकरणो की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एंव राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राजस्थान पंचायतीराज नियम 1998 के नियमों के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माताओ, विक्रेताओ, आपूर्तिकर्ताओं जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रमो से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं है, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। ई-निविदा में जमा कराये जाने योग्य शुल्को की राशि व जमा करवाने का माध्यम एवं अन्य शर्तें एंव निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एंव अन्य विस्तृत विवरण पंचायत समिति/ग्राम पंचायत कार्यालय समय में एवं उपापन पोर्टल (www.sppp.rajasthan.gov.in) एवं (www.eproc.rajasthan.gov.in) पर अवलोकन की जा सकती है।
UBIN No.-ZJP2526GLOB00170, TENDER ID-2025_PRD_462032_1
सरपंच, ग्राम पंचायत तैज्या का बास, प.सं. साँभर झील — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत तैज्या का बास, प.सं. साँभर झील

संक्षिप्त

कार्रवाई करने की मांग

मनोहरपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने रामद्वारा के महंत कमल दास महाराज के सानिध्य में गुरुवार को नायब तहसीलदार दलीप चौधरी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग की। वही जम्मू कश्मीर के पहलगांव में पर्यटकों पर आतंकियों द्वारा हमला कर दिया गया।जिससे संपूर्ण भारतवासीयो में आक्रोश व्याप्त है और चहुंओर आरोपियों को कठोर से कठोर सजा देने की मांग उठ रही है। इस दौरान मौजूदा लोग उमेश जांगिड़, अशोक गुर्जर, संपूर्णानंद शर्मा, महिपाल सिंह गुर्जर, पूरण मीणा,उमेद यादव, ममता शर्मा, विकास कुमावत,मुकेश, गजानंद सहित कई लोग थे।

एडवोकेट गौड़ प्रदेश स्तरीय समिति के सदस्य नियुक्त

श्रीमाधोपुर। केंद्र सरकार के वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के संचालन के लिए गठित प्रदेश स्तरीय समिति में दिवराला निवासी जयपुर हाईकोर्ट में एडवोकेट भगवत गौड़ को सदस्य नियुक्त किया गया है। गौड़ के सदस्य नियुक्त होने पर अजीतगढ़ पंचायत समिति प्रधान एडवोकेट शंकरलाल यादव, समाजसेवी सुशील शर्मा दिवराला, भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जीएल टेलर, एडवोकेट पिंटू पारीक अजीतगढ़, श्रीकृष्ण गौशाला अजीतगढ़ के अध्यक्ष चैतन्य कुमार मीणा, सुरेन्द्र डागर, विमल जोशी एवं प्रदीप कुमार शर्मा गढटकनेत ने बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जल मंदिर का किया शुभारम्भ

मालपुरा। रोटरी क्लब मालपुरा सिटी व मालपुरा ग्रीन द्वारा गुरूवार को अलग-अलग स्थानो पर रोटरी जल मंदिर का शुभारम्भ किया। रोटरी ग्रीन की और से कृषि उपज मंडी कार्यालय परिसर मे जल मंदिर का शुभारम्भ कर किसानो को राहत पहुंचाई गई। वही रोटरी मालपुरा सीटी की और से माणक चौक बाजार मे गणेश मंदिर पर नवीन वाटर कुलरयुक्त जल मंदिर का शुभारम्भ किया। रोटरी डॉ. अंकित जैन,डॉ. राकेश जैन ने कहा कि जीवन मे सबसे बडा पुनित कार्य प्यासे की प्यास बुझाना है और रोटरी परिवार ने जल मंदिर का शुभारम्भ कर आमजन को राहत पहुंचाई गई है।

पहलगाम आतंकी हमले पर गहरी संवेदना व्यक्त की

फुलेरा। राष्ट्रीय मोदी सेवा समिति संगठन सम्पूर्ण भारत प्रदेश प्रभारी राजस्थान डा तारा चन्द सेवटा वर्मा ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकी हमले में जिन लोगो ने अपनो को खोया है। उन लोगों के प्रति मै गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस जंघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले लोगो को किसी भी सूरत में बख्सा नही जाएगा। दहशतगर्दी का माहौल पैदा करने वालो के खिलाफ, उनके नापाक मंसूबो को हमारी सरकार कामयाब नही होने देगी।

संगोष्ठी का आयोजन

मनोहरपुर। आमेर में पंचायती राज स्थापना दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सी .बी. यादव की मौजूदगी में उनके आव्हान पर संपूर्ण राजस्थान में पंचायती राज दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम रखे गए जिनमें जिला जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष नंदलाल गोठवाल के नेतृत्व में आमेर विधानसभा में भी स्वराज संवाद का कार्यक्रम संपन्न हुआ! इसमें आमेर समन्वयक मजीद पठान, ब्लॉक अध्यक्ष तेजपाल शर्मा, सरिता शर्मा गणमान्य लोग मौजूद रहे पंचायती राज दिवस कार्यक्रम मनाया गया!

रामनरेंद्र शर्मा उत्कृष्ट कार्यो के लिये सम्मानित

कोटपूतली। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर गुरूवार को जिला परिषद जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रमुख रमा चौपड़ा व मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पंचायत समिति कोटपूतली की ग्राम पंचायत देवता के सरपंच रामनरेंद्र शर्मा को उत्कृष्ट कार्यो के लिये सम्मानित किया गया।

सकल हिंदू समाज ने आतंकवाद के खिलाफ बाइक रैली निकाली

धर्म के आधार पर किए गए बेगुनाह हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्याओं के विरोध में प्रदर्शन किया।

पावटा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म के आधार पर किए गए बेगुनाह हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्याओं के विरोध में कस्बा पावटा, प्रागपुरा में सकल हिंदू समाज ने पहलगांव में हुए आतंकी हमले को कायराना बताते हुए आतंकवादियों के खिलाफ आक्रोशित बाइक रैली निकालते हुए देश के प्रधानमंत्री से आतंकवाद को नष्ट करने की मांग। इस मौके पर भारतीय सेना जिंदाबाद, भारत माता की जय, 26 लोगों का बलिदान व्यर्थ ना जायें, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये गये। पावटा तहसील के सभी सकल हिंदू समाज के विशिष्ठ जन व सभी जनप्रतिनिधि, सभी हिन्दूत्व का भाव रखने वाले प्रबुद्ध जन, सभी जोशिले युवा ओर सभी जाति बिरादरी प्रमुख व सम्पूर्ण जन समूह, संघ के सभी विविध संगठनों के सदस्यो द्वारा प्रागपुरा कस्बा स्थित सुभाष चौक से विशाल बाइक रैली के साथ आक्रोश प्रदर्शन करते हुए पावटा स्थित सुभाष चौक पहुंचे। जहां मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने के लिए पावटा कस्बा स्थित सुभाष चौक में एक शोक सभा का आयोजन किया। इस शोक सभा में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, विधायक कुलदीप धनखड, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश कल्ला, सहित सभी विविध संगठनों के सदस्यो एवं सकल हिंदू समाज ने भाग लिया।

विधायक ने इस पूरे हमले को सुनियोजित षड्यंत्र बताते हुए कहा कि जल्द ही पाकिस्तान भुखमरी और वैश्विक अलगाव की स्थिति में पहुंच जाएगा। भाजपा विधायक धनकड ने कहा कि जो कुछ कश्मीर में हुआ, वह सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं, बल्कि इस्लामिक जिहाद की रणनीति का हिस्सा है, जो देश को बांटने और कश्मीर की शांति को भंग करने का प्रयास है। उन्होंने आगे कहा कि यह वही साजिश है जो पहले पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में देखी गई थी, लेकिन यह मोदी का भारत है, हम चुप नहीं बैठेंगे। वही जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि जाति की राजनीति करने वालों से पूछना चाहता हूं कि क्या पहलगाम में मारे गए सनातनियों की जाति पूछी गई, आतंकियों ने केवल धर्म देखा, जाति नहीं। यह वक्त है एकजुट होने का, जाति में बंटने का नहीं। हम सबसे पहले सनातनी हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल पहलगाम में मारे गए लोगों की क्षित नहीं है, यह हम सभी के लिए एक बड़ी क्षित है। सांसद ने कहा, शहीदों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस दौरान मदन सैनी, विकास कैरोडी, वीरेंद्र राठी, संतोष गुप्ता, दिनेश शर्मा, विमल शर्मा, उमेश टांक, नरपत सिंह, राजेंद्र वशिष्ठ, रूपसिंह, नरेश स्वामी, भागीरथमल, बद्री प्रसाद चौहान, रोहतास ताखर, मदन सैनी, सुभाष यादव, प्रहलाद सेन, नितेश शर्मा, गिरिराज बोहरा, मोहन शर्मा, महावीर चावला, मिंटू शर्मा, कृष्ण सैनी, परमानंद शर्मा, विमल गर्ग, मोहन सैनी, लीलाराम पीटीआई, शिवपाल राठी, हिमांशु शर्मा, नितेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यज्ञ के पोस्टर का विमोचन

कोटपूतली। कस्बे के लक्ष्मी नगर स्थित श्रीराम मंदिर में आगामी 27 अप्रैल से 04 मई तक आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ एवं विशाल भण्डारे के पोस्टर का विमोचन गुरूवार को किया गया। आयोजक मंडल ने बताया कि कलश यात्रा 27 अप्रैल को प्रात: 08.15 बजे ऊपली कोठी से प्रारम्भ होकर श्रीराम मंदिर लक्ष्मीनगर पहुंचेगी। कथा वाचन 27 अप्रैल से 03 मई तक प्रतिदिन दोपहर 01.15 बजे से होगा। समापन 04 मई को होगा, इस मौके पर प्रातरू 09.15 बजे हवन व दोपहर 12.15 बजे से भण्डारे का आयोजन होगा। इस दौरान सीताराम दास महाराज, महंत रामबच्चन दास महाराज, पुजारी कालूराम, रोहिताश सैनी, रतिराम सैनी, हंसराज योगी, राहुल सैनी, महेश, रामनिवास, तुलसीराम, पप्पू कुमावत, हीरालाल, ओमप्रकाश कुमावत, कमल, रविकांत, राजेश सैनी, राजू जांगिड़ समेत अन्य मौजूद रहे।

कांग्रेस ने अंबेडकर को कभी आगे नहीं बढ़ने दिया : राठौड़

निवाई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि देश में भाजपा के अतिरिक्त सभी राजनैतिक दल व्यक्ति वादी हैं। जबकि भाजपा राष्ट्रवादी पार्टी है। जहां केवल देश की जनता और देश हित की बात होती है। भाजपा सभी समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर महान प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। जिनसे कांग्रेस डरती थी। कांग्रेस ने अंबेडकर को कभी आगे नहीं बढने दिया।

जबकि भाजपा ने ऐसे महान व्यक्ति के नाम पर पंचतीर्थ बनाया है। उन्होंने कहा कि देश की संसद ने मुस्लिम समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए वक्फ बोर्ड बिल बनाया है। जिससे गरीब मुस्लिम आगे बढेगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर आंतकी हमले से आज पूरा देश गुस्से में है। हम सबको मिलकर आंतकवाद को नष्ट करना होगा। कश्मीर में हिंदुओं पर हुए हमले के चलते प्रदेशाध्यक्ष ने स्वागत सत्कार स्वीकार नहीं किया। डॉ.भीमराव अंबेडकर जंयती पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत गुरुवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ कार्यकत्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी, मोतीलाल मीणा, पूर्व सांसद सुखवीरसिंह जौनापुरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीरसिंह, पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को केसरिया दुपट्टा पहनाकर व गौवंश का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल, उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, पूर्व विधायक अजीतसिंह मेहता, नरेश बंसल, जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक, प्रभु बाडोलिया व सीताराम वर्मा सहित कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

भीमराव अंबेडकर जंयती पखवाड़ा कार्यक्रम भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को सम्मानित करते हुए कार्यकर्ता।

- भीमराव अंबेडकर जंयती पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत हुआ आयोजन

कांग्रेस ने किशनगढ़ बास में पाकिस्तान का पुतला फूंका

किशनगढ़ बास। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने विधायक खैरिया की मौजूदगी में गंज रौड पर श्रद्धांजलि सभा की और जुलूस निकाल कर तोप सर्किल पर आतंकवादियों का पुतला जलाया व पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद खत्म करो, हत्यारों को फांसी दो के नारे लगाए।

- विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व मे हुई श्रद्धांजलि सभा, जुलूस निकालकर आतंकियों का फुंका गया पुतला

विधायक खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में 2 मिनट का मौन धारण कर हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई।

इस दौरान विधायक दीपचंद खेरिया ने हमले की घटना को दुखद बताते हुए केंद्र सरकार से इस ओर मजबूत कदम उठाने की मांग की। इस मौके पर अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और घटना को निंदनीय बताते हुए कड़ी कार्रवाई की केंद्र सरकार से मांग की।

इसके बाद गंज रोड, अस्पताल के सामने से होते हुए तोप चौराहे पर आतंकवादियों का पुतला जलाकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, पीसीसी सदस्य गिरीश डाटा, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल, कोटकासिम ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर, खैरथल शहर अध्यक्ष शिवचरण गुप्ता, किशनगढ़बास शहर अध्यक्ष संस्कार अग्रवाल, नपा नेता प्रतिपक्ष उमेश यादव, कृषि उपजमंडी के पूर्व चेयरमैन घीसाराम भड़ाना, जिला राजमिस्त्री मजदूर यूनियन के अध्यक्ष धीरू भाई, पूर्व सरपंच अजय चौधरी, प्रकाशचन्द, सरपंच फूलसिंह चौधरी, किसान नेता शेरसिंह चौधरी, नूरमोहम्मद हल्लू, इस्माइल खान, नवीन खैरिया, नारायणदास छंगाणी, भागेन्द्र खैरिया, संदीप अग्रवाल, आसमदीन, नितिन यादव, सुनील सांवरिया, अभय यादव, परसराम चौधरी, उमाशंकर शर्मा, त्रिभुवन शर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे हैं।

किशनगढ़ बास में आतंकी घटना को लेकर कांग्रेस ने नारेबाजी कर फूंका पुतला।

व्यक्ति की हत्या प्रकरण में तीन आरोपी गिरफ्तार

दूदू। निकटवर्ती मोखमपुरा थाने की पुलिस ने गत 5 दिनों पूर्व महला में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की गई व्यक्ति की हत्या के दर्ज प्रकरण में 72 , घंटे में खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में काम ली गई बाइक में अन्य सामग्री बरामद कर ली पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनंद शर्मा ने बताया कि महला के निकट विराट सिटी के खाली पड़े प्लॉट में सडी गली लाश मिली थी की पहचान बुद्धि प्रकाश रेगर निवासी महला के रूप में हुई थी मृतक 16 अप्रैल से घर से लापता हुआ था गुमशुदगी की रिपोर्ट मोखमपुरा थाने में दर्ज परिजनों द्वारा कराई गई।

परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन कर आक्रोश जताया था मौके पर पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल पर थाना प्रभारी संजय मीणा मौके पर पहुंचकर शीघ्र ही प्रकरण का खुलासा करने का आसान दिया था शर्मा द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा उप पुलिस अधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं थाना प्रभारी संजय मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की जाकर काफी मशक्कत के बाद आरोपी गिर्राज रैगर शेखर हरिजन निवासी रामनगर दूदू दीपू जाटवा निवासी खुडियाला दूध को गिरफ्तार कर लिया तथा प्रकरण की शुरू की में बताया गया कि मृतक बुद्धि प्रकाश करीब 2 वर्ष पूर्व उसकी बहन से बात करता था की बात को लेकर बुद्धि प्रकाश वी गिरिराज मैं कहां सुनी हो गई के बाद बुद्धि प्रकाश को बारात में आने के लिए भी मना कर दिया गया लेकिन बुद्धि प्रकाश करता रहा इस दौरान गिरिराज व उसके दोस्तों ने बुद्धि प्रकाश को बाइक पर बिठा लिया तथा फोन कब्जे में लेकर सुनसान जगह में ले गये मैं मारपीट के बाद गिर्राज ने नीचे पटक दिया दीपू ने पहने हुए जूते के फीते से गला दबाया लेकिन टूट गया के पश्चात बाइक में रखी रस्सी लाकर उसे गला घोंटने के बाद पत्थर से सिर पर वार कर लाश को घसीट कर नाले के पास ले जाकर पटक दिया तथा तीनों उसे मृत मानकर बारात में शामिल हो गए पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही हैं।

- 5 दिनों पूर्व अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की गई व्यक्ति की हत्या के दर्ज प्रकरण में 72 घंटे में खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

प्रभावी मॉनिटरिंग कर कार्यों में गुणात्मक सुधार लाएं : कलेक्टर

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने रैणी क्षेत्र का दौरा कर उपखण्ड कार्यालय में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। तहसील कार्यालय, विकास अधिकारी कार्यालय व पंचायत समिति कार्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों को कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर कार्यों में गुणात्मक सुधार करते हुए निरन्तरता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया।

उपखंड कार्यालय पर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने कहा किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभांवित कराने एवं किसानों की आय दुगुना करने के लिए 'प्रोजेक्ट समृद्ध किसान' शुरू किया है। किसानों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर लाभांवित करावे। इसी प्रकार 'सशक्त नारी,समृद्ध गांव' नवाचार के तहत वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित कर महिलाओं एवं विद्यार्थियों को ऑनलाइन फ्रॉड, ऑनलाइन भुगतान आदि की वित्तीय जानकारी देवे।

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जलदाय विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिये कि योजना के तहत कराए जाने वाले कार्यों में गति लाकर निर्धारित समय में लक्ष्य को अर्जित करें और साथ ही सुनिश्चित करे कि कार्य गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे तथा कार्यों को समयबद्ध रूप मे पूर्ण करावे। जिले के शेष रहे सभी राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों में पेयजल कनेक्शन कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु में आमजन को पेयजल संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पडे इसके लिए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग करें तथा नियमित रूप से फील्ड विजिट कर आमजन की पेयजल संबंधी परिवेदनाओं को त्वरित गुणवत्ता के साथ निराकरण करें। पेयजल प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति करावे।

उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि ई-विद्या प्रोजेक्ट के तहत निर्मित ई- लाइब्रेरियों की प्रभावी मॉनिटरिंग करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि लाइब्रेरी में सीसीटीवी कैमरे, कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, प्रिंटर, अच्छा फर्नीचर, इंटरनेट कनेक्टिविटी, चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण जैसी सुविधाएं विकसित करावे तथा विद्यालयों में वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन कैम्पस और शौचालयों का निर्माण करावे।

अलवर कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने रैणी पहुंच कर किया सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक।

- तहसील, पंचायत समिति व विकास अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया

शिव पंचायत की प्राण प्रतिष्ठा

निवाई। जमात में स्थित श्री मनसा पूर्ण बालाजी मंदिर में तीन दिवसीय शिव पंचायत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ शिव पंचायत व भगवान श्रीराम व सीताजी की प्राण प्रतिष्ठा की। जिससे आस-पास को वातावरण गुंजायमान हो गया। बालाजी मंडल अध्यक्ष जीवतराम यादव ने बताया कि आचार्य पंडित पुरषोत्तम शर्मा के सानिध्य में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरूवार को श्रद्धालुओं ने मंत्रोचारण के साथ शिव पंचायत की प्राण प्रतिष्ठा की। मंत्रोचारण व बालाजी महाराज के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को लेकर गणेश पूजन, मूर्ति स्नान, नवग्रह पूजन, मूर्ति धान्याधिवास, जलाधिवास, नवकुण्डीय यज्ञ हवन, मूर्ति अभिषेक, यज्ञ पूजन, भूमि, वेदी पूजन एवं जलशाभिषेक सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष रामेश्वर चौहान, अध्यक्ष जीवतराम यादव, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, रामधन चौधरी, प्रेम शर्मा, शंभूदयाल, दानवीर पारीक, शंभू दयाल, रामराय गुर्जर व गोविंद शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

सार-समाचार

आतंकी हमले से चौमूं में आक्रोश

चौमूं / कालाडेरा। देश के हृदय जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में चौमूं शहर में गुरुवार को बाबा अमरनाथ कावड़िया संघ के तत्वावधान में विशाल जन आक्रोश रैली निकाली गई। रैली सुभाष सर्किल से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए थाना मोड़ चौराहे पर पहुंची। रैली में शामिल लोगों ने थाना मोड़ चौराहे पर आतंकवाद का पुतला फूंका। इस दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। लोगों ने नम आंखों से आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अध्यक्ष रमेश देवन्दा , अधिवक्ता सुरेश गोदारा, माली समाज पूर्व अध्यक्ष घीसालाल सैनी, नगर परिषद् सभापति विष्णु कुमार सैनी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र चौधरी,पंडित गोपाल शर्मा, कमल भात्रा, आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, विहिप मंत्री जितेन्द्र सिंह बीजावत, सुषमा यादव, गोविन्द पारीक,गजानंद सैनी सहित हजारों लोगों ने पाकिस्तान का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं बार एसोसिएशन के वकीलों ने भी थाना मोड़ चौराहे पर आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा भी पुलिस जाप्ते के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट रहे ।

शौचालयों की छत पर टंकियां खाली, पानी भरने में कौताही

सांभरझील, (निसं)। यहां देवयानी सरोवर, डाक बंगला के बाहर, जिला अस्पताल के नजदीक, पुरानी तहसील के पास, पुरानी चारा मंडी स्थित शौचालयों पर रखी पानी की टंकियां खाली पड़ी है। प्लास्टिक की यह टंकियां कड़ी धूप में रखी हुई है और आज तक इनमें पानी नहीं भरना स्थानीय लोगों द्वारा बताया जा रहा है, जिससे प्लास्टिक की इन टंकियों के फटने का डर है। इन तमाम जगहों पर जब मालूम किया तो आसपास के लोगों ने बताया कि टंकियों में आज तक तक पानी नहीं डाला गया है। नगरपालिका ने इन टंकियां को केवल दिखाने के लिए ही ऊपर रखा है, पानी के अभाव में इनका कोई औचित्य नहीं है। लोगों को आशंका है कि इन टंकियों में ऐसा तो नहीं है की नगर पालिका केवल कागजों में ही पानी से भर रही हो। सार्वजनिक उद्यान में जल मंदिर को भी नियमित रूप से नहीं भरा जाता है, अनेक दफ़ा तो लोग इसे अपने स्तर पर टेंकर से भरवाते हैं, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को शीतल जल मिल सके। सरकार के निर्देश के बावजूद प्रमुख जगहों पर न तो निराश्रित पशुओं के लिए पानी की खेलियां रखवाई जा रही है और न ही अभी तक पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जा रहे हैं। प्रमुख सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी इस दिशा में कोई पहल नहीं की है।

बैठक आयोजित

श्रीमाधोपुर। सर्व हिंदू समाज द्वारा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर ओंकार दास जी महाराज व मंदिर श्री गोपीनाथ जी का के महंत डा .मनोहर शरण दास जी महाराज के नेतृत्व में कश्मीर के पहलगाम में हुई जिहादी मानसिक आतंकवादी घटना के विरोध में गुरुवार को श्रीमाधोपुर के सभी व्यापारी मंडल, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनों एवं सर्व समाज द्वारा आयोजित बैठक में। शनिवार 26 अप्रैल 2025 को श्रीमाधोपुर पूर्णतया बंद रखने का निर्णय लिया गया और साथ में ही इसी दिन शाम 5 बजे चौपड़ बाजार में श्रद्धांजलि सभा का सभी की सहमति के साथ आयोजन रखना तय किया गया। बैठक में विष्णु मिश्रा, राजू बागवान, रवि प्रजापत, पार्षद विनेश सैनी, विश्व हिंदू परिषद के अमित ठठेरा,खुदरा व्यापार संघ के शंकरलाल गोपालका, उमाशंकर, मनोज लोकनाथका, हेमंत सोनी, किशन स्वामी ,अशोक पारीक, ओम प्रकाश "प्रधान", सागर व्यापारी ,बाबूलाल कटारिया, ओमप्रकाश पचौरी, सत्यनारायण सेन, सुभाष चेजारा, रामरतन सोनी, महेश ढाणी वाला सहित दर्जनों लोग लोग उपस्थित थे।

मेला 26 अप्रैल को

नारायणपुर। कस्बे के बिलाली सड़क मार्ग पर स्थित कानूनगो वाले हनुमान जी महाराज का प्रसिद्ध मेला 26 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जो श्रद्धालुओं को आकर्षित करेंगे। मेले की शुरुआत सुबह 9 बजे से पीर संज्यानाथ महाराज से लेकर कानूनगो वाले हनुमान जी महाराज तक ध्वज यात्रा के साथ होगी। श्रद्धालु इस यात्रा में भाग लेकर धार्मिक आस्था और श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के श्रद्धालु पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे। यह आयोजन स्थानीय लोगों के लिए सामूहिकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देगा। शाम 4 बजे से कुश्ती दंगल का आयोजन होगा, जिसमें कामड़े की कुश्ती 51 सौ रूपये की होगी। यह दंगल क्षेत्रीय कुश्ती प्रेमियों के लिए एक विशेष आकर्षण होगा। रात्रि 9:15 बजे मनीष म्यूजिकल ग्रुप एंड पार्टी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सिंगर मुकेश लालवाड़ी, डांसर हंसा रंगीली, मधु राठौड़, हास्य कलाकार टाइगर छैला और सिंगर राकेश योगिराज द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

कलश यात्रा निकाली

निवाई। रक्तांचल पहाड़ पर स्थित इच्छापूर्ण धाटी वाले बालाजी मंदिर में 41 दिवसीय पंच धूणी तपस्या व विश्व में सुख-शांति की कामना को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा गाजे बाजे से राधा दामोदर जी के कुण्डो से रवाना हुई। कलश यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए इच्छापूर्ण धाटी वाले बालाजी मंदिर पहुंची। जहां विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा कलशों की स्थापना की। कार्यक्रम संयोजक मुकेश गिन्दोड़ी ने बताया कि 41 दिवसीय पंच धूणी तपस्या का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नागा महंत नवलगिरी महाराज द्वारा धाटी वाले बालाजी मंदिर पर 41 दिवसीय पंच धूणी तपस्या कर रहे है। उन्होंने बताया कि नागा महंत नवलगिरी महाराज के सानिध्य में पंच धूणी तपस्या के तहत यज्ञ, हवन, रामायण पाठ एवं संकीर्तन सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। गिन्दौडी ने बताया कि 41 दिवसीय पंच धूणा तपस्या कार्यक्रम का समापन 5 जून को कई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर राम पण्डा, कैलाश घाटी, लाला शर्मा, गोलू साहू, मुकेश गिन्दोड़ी, गिर्राज सेन, चेतन महाराज, जीतराम चौधरी, नन्दा सेन एवं कन्हैयालाल सेन सहित कई श्रद्धालु व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

शाहपुरा की सुनंदा योगी को अमेरिका में शोध और शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार

शाहपुरा। शाहपुरा की सुनंदा योगी को अमेरिका में शोध और शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया है। सुनंदा योगी डेटन विश्वविद्यालय अमेरिका में पीएचडी की छात्रा है। वह अपने कार्यक्रम के हिस्से के रूप में जैविक विज्ञान विभाग में पढ़ाती है। विश्वविद्यालय की ओर से 23 अप्रैल को उन्हें विज्ञान में उत्कृष्ट शिक्षण पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार विजेताओं का समर्थन करने के लिए कई संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र समारोह में शामिल हुए। शोध और शिक्षण दोनों के प्रति सुनंदा योगी के समर्पण को अकादमिक उत्कृष्टता के एक मॉडल के रूप में मनाया गया। सुनंदा योगी शाहपुरा निवासी अशोक कुमार योगी की पुत्री तथा रामेश्वर प्रसाद योगी की दोहिती है। जिसने अमेरिका में पीएचडी करते हुए यह पुरस्कार प्राप्त किया है।

आंतकवाद का पुतला फुंका

मालपुरा। बीते दिन कश्मीर के पहलगाम मे आंतकवादियो द्वारा नाम व मजहब पूछकर किये गये आंतकवादी हमला के विरोध मे गुरूवार की देर शाम मालपुरा मे गांधी पार्क से व्यास सर्किल तक आक्रोश व मशाल यात्रा विरोध प्रदर्शन करते हुये आंतकवाद का पुतला फुंका। बडी संख्या मे जुटे युवाओं ने जमकर नारेबाजी करते हुये पहलगाम की घटना की कडे शब्दो मे निन्दा कर इसे कायराना हरकत बताते हुये केन्द्र सरकार से दोषियो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की। हाथो मे मशाल लिये विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ता शहरवासियो के साथ गांधी पार्क से आक्रोश मशाल यात्रा के रूप मे जमकर नारेबाजी करते प्रमुख मार्गो से होते हुये गुजरे।

हमलावरों को जनता के सामने गोली से उड़ा देना चाहिए। बासित ने कहा कि, पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान ले ली गई। मैं तो उन्हें शहीद बोलूंगा। ये बहुत बड़ा जुल्म हुआ है।
– बासित अली

पूर्व पाक क्रिकेटर, पहलगाम में हुई आतंकी हमले की निंदा करते हुए।

आज का खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। कोई सचिन को मास्टर ब्लास्टर कहता है, तो कोई रिकॉर्डों का बादशाह कहता है। उन्होंने करीब 24 सालों तक क्रिकेट के मैदान पर राज किया है। वह कई शतक लगा चुके हैं, जिसको तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत मुश्किल है। मुंबई में 24 अप्रैल 1973 को सचिन तेंदुलकर का जन्म हुआ था। सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में किया था। उस दौरान सचिन की उम्र 16 साल थी।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल प्रतियोगिता में सीएसके संयुक्त रूप से सबसे सफल टीम भी है, जिसने पांच बार- 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में ट्रॉफी जीती है।

आर.आर. एकेडमी सीकर की जीत में अदनान पठान शतक से चूके और विराट का पंजा

जयपुर , 24 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय अंडर-19 नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में नेशनल ग्राउंड पर आज खेले गए मैच में आर. आर. एकेडमी सीकर ने जयपुर कॉल्ट्स को 2 विकेट से हरा कर जीत दर्ज की। टॉस जीत कर आर. आर. एकेडमी सीकर ने जयपुर कॉल्ट्स को बल्लेबाजी के लिए निमंत्रण दिया। जयपुर कॉल्ट्स सलामी बल्लेबाज अशाद खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए। कृष्ण सैनी 58, हेमंत धाकड़ 17, युवराज मुन्दोतिया नाबाद 18 रनों के सहयोग से 41 ओवर में 249 रन बना कर ऑल आउट हो गई। आर. आर. सीकर की ओर से विराट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए अर्जुन शर्मा 3 , रौनव, अदनान पठान ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आर. आर. सीकर एकेडमी ने सलामी बल्लेबाज अदनान पठान 95, अर्जुन शर्मा 55, मोनित सैनी 42 रनों के सहयोग से 47 ओवर में 8 विकेट पर 250 रन बनाकर जीत दर्ज की। जयपुर कॉल्ट्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए गौरव सैनी, मयंक कुमावत 2-2 विकेट, अशाद खान, कृष्णा सैनी, हेमंत ओर अभय राजावत ने 1-1 विकेट लिए।

रॉयल रेंजर्स, ड्रीम एफसी और एमिटी की रोमांचक जीत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। अनीता की शानदार हैट्रिक की मदद से रॉयल रेंजर्स ने सिटी एफसी को 3-0 से हरा कर डीएसए महिला प्रीमियर लीग में शानदार जीत दर्ज की। नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मैच में हंस कैपिटल फुटबाल क्लब ने ईव्स स्पोर्ट्स क्लब पर 4-2 की जीत दर्ज की। विजेता के लिए दो शानदार गोल करने वाली सृष्टि कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। वी चिंग और पायल ने एक-एक गोल बांटे। वहीं ईव्स के लिए नैंसी और नेहा ने एक-एक गोल किये। पुरुषों की ए डिवीजन के एक मैच में आशुतोष के दो दर्शनीय गोलों से द ड्रीम टीम ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2-0 से पराजित किया। विजेता टीम ने अधिकांश समय दबदबा बनाया लेकिन कई आसान मौके गँवाए। वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन लीग के मैच में एमिटी इंडियन नेशनल फुटबाल क्लब ने अहबाब एफसी को 5-3 से हराया। रोमांचक मुकाबले में विजेता टीम के लिए विकास दलाल और विनय ने दो दो तथा तनिश ने एक गोल किया। अहबाब के टी मिसाओ, मंगते और एल बेंजमीन ने एक-एक गोल दागे।

जिम्बाब्वे से पहले टेस्ट मैच मिली हार के बाद बांग्लादेश ने अनामुल हक को टीम में बुलाया वापस

ढाका, 24 अप्रैल। जिम्बाब्वे से पहले टेस्ट मैच में मिली हार के बाद बंगलादेश ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज अनामुल हक को दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में वापस बुलाया है। बंगलादेश ने 28 अप्रैल से जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए टीम में दो बदलाव किए हैं। दूसरे टेस्ट मैच के लिए अनकैप्ड बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को अनामुल के साथ टीम में जगह दी गई है जबकि सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और तेज गेंदबाज नाहिद राणा को टीम से बाहर कर दिया गया है। अनामुल ने जून 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने के बाद से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। घरेलू स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्हें 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। उन्होंने ढाका प्रीमियर लीग में गाजी ग्रुप के लिए लगातार शतक लगाए हैं।

हॉकी इंडिया ने की राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 54 सदस्यीय दल की घोषणा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु के साई केन्द्र में 25 अप्रैल से शुरु होने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए संभावित 54 सदस्यीय दल की घोषणा कर दी हैं। उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद हॉकी इंडिया ने आगामी राष्ट्रीय शिविर के लिए 54 खिलाड़ियों के एक कोर समूह का चयन किया है। यह शिविर 25 से 30 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान समूह का मूल्यांकन कर खिलाड़ियों की संख्या 40 तक सीमित कर दी जायेगी। चयनित 40 खिलाड़ी एक से 25 मई तक निर्धारित शिविर के अगले चरण में प्रशिक्षण जारी रखेंगे। इन 54 खिलाड़ियों में से 38 को मौजूदा कोर ग्रुप में बरकरार रखा गया है। शेष खिलाड़ियों को हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। इनमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र,पंजाब, उत्तर प्रदेश, बंगाल और मणिपुर के खिलाड़ी शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय निवेश से टनकपुर में एडवेंचर स्पोर्ट्स को दिया जायेगा बढ़ावा

चम्पावत/नैनीताल, 24 अप्रैल। उत्तराखंड के टनकपुर में अन्तरराष्ट्रीय निवेश से एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जायेगा। प्रदेश के नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने गुरुवार को टनकपुर क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने बनबसा के राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम गेस्ट हाऊस में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में संभावित निवेश को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय इन्वेस्टर्स एवं खिलाड़ीयों के साथ बैठक की। बैठक के बाद श्री सुंदरम ने ए जे हैकेट, डेनियल व अन्य निवेशकों के साथ शारदा बैराज का स्थलीय निरीक्षण किया और एडवेंचर स्पोर्ट्स, ऐयरो स्पोर्ट्स की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने शारदा कॉरिडोर के अंतर्गत प्रस्तावित एडवेंचर स्पोर्ट्स स्थलों - नाइक गोठ, किरौड़ा नाला और चूका बीच आदि का हवाई सर्वेक्षण भी किया।

हेजलवुड ने 33/4 विकेट लिये

रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

बेंगलुरु, 24 अप्रैल। विराट कोहली (70) और देवदत्त पड़िक्कल (50) की अर्धशतकीय पारियों के बाद जॉश हेजलवुड (चार विकेट) और क्रुणाल पंड्या (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 42वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रन से हरा दिया। नौ मैचों में यह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की छठी जीत और इतने ही मैचों में आरआर की सातवीं हार है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 52 जोड़े। पांचवें ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने वैभव सूर्यवंशी (16) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में जॉश हेजलवुड ने यशस्वी जायसवाल को आउटकर आरआर को दूसरा झटका दिया। जायसवाल ने 19 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए तूफानी अंदाज में (49) रनों की पारी खेली। इसके बाद क्रुणाल पंड्या ने कप्तान रियान पराग 10 गेंदों में (22) रन और फिर नीतीश राणा 22 गेंदों में (28) रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया। शिमरॉन हेटमायर (11) हेजलवुड का दूसरा शिकार बने। 19वें ओवर में हेजलवुड ने पहले ध्रुव जुरेल 34 गेंदों में (47) रन और उसके बाद इसी ओवर में जोफ्रा आर्चर (शून्य) को आउट कर आरसीबी की मैच में वापसी करा दी। शुभम दुबे (12) आठवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें यश दयाल ने आउट किया। वानिंदु हसरंगा (एक) 20वें ओवर में रनआउट हुये। राजस्थान रॉयल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी और 11 रन से मुकाबला हार गई। आरसीबी की ओर से जॉश हेजलवुड ने चार विकेट लिये।क्रुणाल पंड्या को दो विकेट मिले। भुवनेश्वर कुमार ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी के लिए फिल सॉल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। सातवें ओवर में वानिंदु हसरंगा ने फिल सॉल्ट (26) को आउटकर आरआर को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने विराट कोहली के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 105 रन जोड़े।

16वें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने विराट कोहली को आउटकर आरआर को दूसरी सफलता दिलाई। विराट कोहली ने 42 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में संदीप शर्मा ने पडिक्कल को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

आईएसआईएस कश्मीर ने भेजा ईमेल

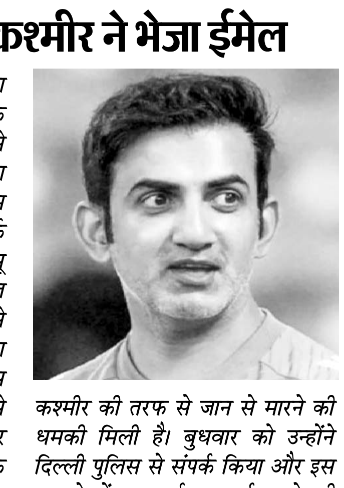

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उनको जान से मारने की धमकी मिली है। कहा जा रहा है कि, गंभीर को धमकी ईमेल के माध्यम से भेजी गई। जहां किसी शख्स ने सिर्फ तीन शब्द लिखे गए थे। आई किल यू गंभीर ने इस ईमेल की जानकारी तुरंत पुलिस को दी और आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई है। शुरुआती जांच के अनुसार ये धमकी आईएसआईएस कश्मीर की ओर से दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ईमेल भेजने वाले की पहचान की कोशिश की जा रही है। इसके लिए सायबर सेल की टीम ईमेल को ट्रैक करने की कोशिश कर रही है और तकनीकी विश्लेषण के जरिए मामले की जांच सघनता से कर रही है। अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये ईमेल किसने और कहां से भेजा। सूत्र ने कहा कि राजिंदर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। वहीं गौतम गंभीर के कार्यालय की ओर से इस मामले में जानकारी दी गई कि गौतम गंभीर को आईएसआईएस कश्मीर की तरफ से जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को उन्होंने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया और इस मामले में एफआईआर दर्ज करने की शिकायत की। इसके साथ ही उन्होंने अपने परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी की है।इस मामले में दिल्ली पुलिस का एक बयान आया है। दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया कि, हमें एक ईमेल के बारे में जानकारी मिली है। जिसमें गौतम गंभीर को धमकी दी गई है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं। गंभीर पहले से ही दिल्ली पुलिस की सुरक्षा में हैं उनकी सुरक्षा से जुड़ी खास जानकारी ही हम सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं।

चोटिल अल्कराज ने मैड्रिड ओपन से नाम लिया वापस

मैड्रिड, 24 अप्रैल। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। विश्व नंबर तीन खिलाड़ी अल्कराज ने गुरुवार को बताया कि रविवार को बार्सिलोना ओपन फाइनल के दूसरे सेट के दौरान उनकी हैमस्ट्रिंग और कमर में चोट लग गई थी। उन्होंने कहा, एक या दो सप्ताह में मैं ट्रेनिंग पर वापस आ जाऊँगा, लेकिन मैं इसे चरणबद्ध तरीके से करूँगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे सप्ताह अभ्यास नहीं कर सका। मुझे अपने शरीर की बात सुनने और सही निर्णय लेने की आवश्यकता थी। मुझे उम्मीद है कि मैं फ्रेंच ओपन के लिए तैयार हो जाऊंगा।

बुमराह टी-20 क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान दिग्गज लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का विकेट लेने वाले बुमराह ने टी20 क्रिकेट में 300 विकेट के आंकड़े को भी छुआ।

टी30 करियर में 300 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे गेंदबाज बन गए हैं।जसप्रीत बुमराह के अलावा अश्विन (315), भुवनेश्वर कुमार (318) और युजवेंद्र चहल (373) टी20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा हासिल कर चुके हैं। बुमराह ने गुरुवार को राजीव गांदई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट लिया, जोकि 44 गेंद में 71 रन बनाकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह ने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट लेकर बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी की। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा ने मुंबई के लिए 170 विकेट चटकाए हैं। मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की दरकरार है। लसिथ मलिंगा इस समय मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच हैं।

इसके साथ ही बुमराह आईपीएल इतिहास में सयुंक्त रूप से आठवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मलिंगा ने 122 पारियों में 170 विकेट लेने का कारनामा किया था, जबकि बुमराह ने 138 पारी ली। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद का सात विकेट से हराकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।

भारत नहीं आएंगे पाकिस्तान के ओलंपिक विजेता अरशद नदीम

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। साउथ एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप को फिर से स्थगित कर दिया गया है। रांची के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में 3-5 मई को होने वाले इस चैंपियशिप को पिछले सात महीने में दो बार स्थगित कर दिया गया है।इससे पहले ये चैंपियनशिप पिछले साल 4-6 अक्टूबर को होना था। हालांकि, इसके आयोजन से कुछ हफ्ते पहले ही इसको स्थगित कर दिया गया था। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा मिलने में देरी हो रही है, जिसके कारण इस चैंपियनशिप को बार-बार टालना पड़ रहा है।वहीं एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव संदीप मेहता द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि तीन से पांच ई के बीच झारखंड की राजधानी रांची में होने वाले दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप को स्थगित कर दिया गया है। 4 अप्रैल 2025 को जारी किए गए पत्र के मुताबिक, चैंपियनशिप की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

स्टार एकेडमी की जीत में वरूण व दीपक चमके

जयपुर, 24 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट ग्राउण्ड करधनी कालवाड़ रोड़, पर खेले गये पूल-डी के मैच में वरूण गुप्ता 62 रन (41 गेंद, 5 चौके, 3 छक्के), की अद्धर्शतकीय पारी तथा दीपक खरतला 4 ओवर में 14 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत अल्फा क्रिकेट एकेडमी को 47 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर स्टार क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये वरूण गुप्ता 62 रन ऋतिक सारण 32 रन, रित्विक चावला 25 रन, विजय 22 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 157 रन बनाये, गेंदबाजी में अल्फा एकेडमी की ओर से रिषभसांखला 18 रन पर 2 विकेट तथा धर्मेन्द्र सैनी, फरदीन खान, अंकित पचार प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में राज कुमार सैनी 31 रन, प्रेम पालीवाल 23 रन, राम निवास गोलाडा 13 रन को छोड़कर अल्फा क्रिकेट एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज स्टार क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजो दीपक खरत्तला 14 रन पर 3 विकेट, अमन सिंह 23 रन पर 2 विकेट, अथर्व सिंह 25 रन पर 2 विकेट तथा सदीप सिंह व हर्ष शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 184 ओवर में 110 रन बनाकर सिमट गई और 47 रन से मैंच गवा दिया। मैन ऑफ दा मैच वरूण गुप्ता 60 रन स्टार क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजकोट में क्रिकेट सटोरिया गिरफ्तार

राजकोट, 24 अप्रैल। गुजरात में राजकोट शहर के प्रद्यूमन नगर क्षेत्र में एक क्रिकेट सटोरिये को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार पर फुलछाब चौक स्टार चेंबर्स के पास फुटपाथ पर छापा मारा गया। इस दौरान वहां मोबाइल फोन से क्रिकेट मैच पर सट्टा लगा रहे युवक को पकड़ लिया गय और उससे मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान मीत संजयभाई भीमजियाणी (24) के रूप में की गयी है।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 24 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को 34 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव तोड़ावत के 85 रन, नितिन अमरोटिया के 61 रन, देवांक सिंगोदिया के 41 रन, लोकेंद्र चौधरी के 21 रन व आशीष चौधरी के 42 रनों से 44 ओवर में 307 रन बनाकर आउट हो गई। मिनर्वा क्रिकेट क्लब के लिए मोहम्मद बिलाल ने 39 पर 3, तुषार चौधरी ने 55 पर 2, रिषभ, ईशान जैन, सनी तंवर व गौरव साल्वी ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मिनर्वा क्रिकेट क्लब की टीम ने तुषार चौधरी के 55 रन, मोहम्मद अक़ीफ़ के 66 रन, आदित्य जांगिड़ के 83 रन, गौरव साल्वी के 34 रन से 44.3 ओवर में 273 रन बनाकर आउट हो गई। इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के लोकेंद्र चौधरी ने 51 पर 3, आदित्य पारीक ने 32 पर 3, गौरव तोड़ावत ने 40 पर 2, गगन सोनी व देवांक सिंगोदिया ने एक-एक विकेट लिया।

राजस्थान 20 वर्ष बालक फुटबाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम छत्तीसगढ़ रवाना

जयपुर, 24 अप्रैल। गुरुवार को यहां एक कार्यक्रम में राजस्थान टीम की नई जर्सी का अनावरण किया गया। अविनाश दुबे ने कहा कि राजस्थान में फुटबाल के विकास के लिए हर प्रकार के सहयोग करने का आश्वासन दिया और राजस्थान टीम कि ड्रेस और किट प्रदान की। टीम आज सुबह रेल से जयपुर से नारायण पुर (छत्तीसगढ़) के लिए रवाना हुई! राष्ट्रीय बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन नारायणपुर (छत्तीसगढ़) में 27 से 3 मई तक किया जाएगा। राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान टीम का नेतृत्व विशाल कालोशिया, राजसमंद करेगा।

टूर्नामेंट में राजस्थान टीम का पहला मुकाबला 27 अप्रैल को बिहार, से होगा। राजस्थान टीम 29 अप्रैल को मेघालय, से 1 मई को केरला, और 3 मई को जम्मू और कश्मीर, के खिलाफ मैच खेलेंगे। राजस्थान टीम युग, आर्यन विशाल कालौशिया (कप्तान) गौरवित, मनीष मील (उप कप्तान) देवेंद्र, प्रीतम, आर्यन सिंह, अफजल, शिवम्, मनीष, वीरेंद्र, पुरण, तोसिफ, जितेन्द्र, देवांश, मुजाहिद, देवांक, कोच श्याम सिंह और चैतन्य गोदारा फिजियो। कार्यक्रम में अशोक लाहोटी, पूर्व (एमलए सांगानेर) कृष्ण कुमार टॉक, (चेयरमैन राजस्थान यूनाइटेड फुटबाल क्लब), अविनाश दुबे, चेयरमैन (मिश्रीलाल मेमोरियल इंस्टीट्यूट केकड़ी) जितेन्द्र सिंह शेखावत, (चेयरमैन पचार ग्रुप) कैलाश चंद्र खटीक कोषाध्यक्ष राजस्थान फुटबाल संघ, नसरूदीन अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, मालचंद सैनी अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, अब्दुल जब्बार राष्ट्रीय खिलाड़ी, और राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत मौजूद थे।

जयपुर के मनीष और देवांश राजस्थान टीम में

जयपुर, 24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में आयोजित होने जा रही स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने जा रही राजस्थान टीम में जयपुर के दो खिलाड़ी मनीष सैनी और देवांश राजावत का चयन हुआ है। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि राजस्थान टीम के चयन हेतु 15 दिन से कैंप जयपुर में ही राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में लगाया गया जिसमें जयपुर के चार खिलाड़ियों ने भाग लिया और अंततः दो खिलाड़ियों ने अंतिम 18 सदस्य टीम में जगह बनाई। संचालन समिति के संयोजक डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि राजस्थान की टीम आज 24 तारीख को रवाना हो रही है और अपना प्रथम मैच 27 अप्रैल को बिहार से खेलेगी। राजस्थान ग्रुप ए में है जिसमें अन्य 4 टीम केरल, जम्मू कश्मीर, मेघालय और बिहार है। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य मनोज शर्मा, अब्दुल जब्बार और डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने राजस्थान टीम को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

जयपुर टीम ने 12 प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में दर्ज की जीत

महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर का गोल 'ऑफ द ईयर' बना आकर्षण

जयपुर, 24 अप्रैल। जयपुर पोलो टीम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह भारतीय पोलो की निर्विवाद अग्रणी संस्था है। 2024-25 के सीज़न में टीम ने 22 में से 12 प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में जीत दर्ज की, 8 सेमीफ़ाइनल में पहुंची और 2 बार उपविजेता रही। जयपुर, जोधपुर, दिल्ली सहित देश के प्रमुख पोलो मैदानों पर खेले गए 68 मैचों में टीम ने कुल 382 गोल किए - यह टीम की कुशलता, समर्पण और खेल भावना का प्रमाण है।

यह जानकारी आज जयपुर स्थित अशोक क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस को जयपुर पोलो टीम के कप्तान, एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर जयपुर पोलो टीम प्रबंधन कमेटी से महाराज नरेंद्र सिंह, अंकुर मिश्रा, विक्रमादित्य बरकाना और जय सिंह भी उपस्थित रहे। जयपुर पोलो टीम की इस सफलता में एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह की अहम भूमिका है, जो न सिर्फ एक उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक कप्तान भी हैं। एचएच महाराजा ऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप के फाइनल में उनका विजयी गोल पूरे पोलो सर्किट में "गोल ऑफ द ईयर" माना गया - एक ऐसा क्षण जिसने खेल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। पूरे सीज़न में उनका प्रदर्शन भारतीय पोलो में नेतृत्व की एक नई ऊंचाई को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर जयपुर पोलो टीम के कप्तान, एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि "जयपुर हमारा घर है, और हमें यहां के लोगों से जो स्नेह और समर्थन मिला है, वह हमारे लिए अनमोल है। इन जीतों का महत्व तब और बढ़ जाता है जब हम इन्हें अपने शहर, अपने राज्य और देश के साथ साझा कर सकते हैं। मैं इस जीतों को उस शहर को समर्पित करता हूं- जयपुर को, जो मेरे दिल के सबसे करीब है। साथ ही, मैं सभी दर्शकों, समर्थकों और इन अद्भुत टूर्नामेंटों के आयोजकों को धन्यवाद देता हूं।"

मुख्य उपलब्धियां

राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप, लीला एसएमएस पोलो कप, सर प्रताप सिंह कप, नॉर्दर्न इंडिया पोलो चैंपियनशिप और महाराजा ऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप सहित प्रमुख खिताबों में जीत। 6-गोल से लेकर 12-गोल टूर्नामेंट तक हर स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन। रामबाग ग्राउंड, जयपुर सहित प्रमुख मैदानों पर ज़बरदस्त दर्शक सहभागिता और जनसंपर्क। मैदान के बाहर भी, जयपुर पोलो टीम अपनी ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक सोच के साथ भारत की सांस्कृतिक गरिमा और खेल कौशल का प्रतीक बनी हुई है। यह टीम ब्रांड साझेदारियों, सांस्कृतिक जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। जयपुर पोलो टीम अपने सम्मानित प्रायोजकों और भागीदारों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिनके अटूट समर्थन ने इस सीज़न को शानदार सफलता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे विज़न में उनके विश्वास और निरंतर सहयोग ने खेल को मैदान के अंदर और बाहर दोनों स्तरों पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद की है। हम विशेष रूप से यूएसपीए, एयू बैंक, अदानी, वंडर सीमेंट, श्री सीमेंट को उनकी अमूल्य साझेदारी के लिए धन्यवाद देते हैं। अब यह टीम जुलाई में बहुप्रतीक्षित जयपुर पोलो टीम यूके टूर 2025 के साथ वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए तैयार है। इस टूर में गाड्र्स पोलो क्लब, यूके में प्रतिष्ठित इंडियन पोलो डे शामिल होगा, जो न केवल जयपुर, बल्कि भारत को वैश्विक पोलो मानचित्र पर और भी मजबूती से स्थापित करेगा।

ग़मगीन माहौल में नीरज उधवानी का दाह संस्कार

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शोकाकुल माँ के आँसू पोंछकर ढांढस बंधाया

■ मुख्यमंत्री ने दिवंगत के परिजनों से मिल कर भरोसा दिलाया कि केन्द्र और राज्य सरकार इस अपार दुःख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नीरज उधवानी की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने स्व. उधवानी की शोकाकुल मां के आंसू पोंछे और उन्हें ढांढस बंधाया।

जयपुर, 24 अप्रेल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर के नीरज उधवानी के पार्थिव शरीर का गुरुवार को यहां अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शहर के झालाना स्थित मोक्षधाम पर संपन्न हुई अंत्येष्टि में मृतक नीरज के बड़े भाई किशोर उधवानी ने मुखाग्नि दी।

दुबई में कार्यरत जयपुर के मॉडल टाउन क्षेत्र के रहने वाले नीरज उधवानी अपनी पत्नी आयुषी के साथ छुट्टियां मनाने भारत आए थे। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नीरज उधवानी की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिजनों से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार प्रातः स्व. नीरज उधवानी के मॉडल टाउन स्थित अपार्टमेंट पर उनकी पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए। शर्मा ने स्व. उधवानी की शोकाकुल मां के आंसू पोंछे और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत के परिजनों से मिलकर उनको भरोसा दिलाया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार अपार दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने परिवारजनों को इस गहरे दुख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले से पूरा देश स्तब्ध और उद्वेलित है। इस दुखद घटना में जान गंवाने वालों के खून के एक-एक कतरे का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने इस घटना के बाद कई कठोर निर्णय लिए हैं और आगे भी कई कड़े एवं सख्त निर्णय लिए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले में जान गवाने वाले स्व. नीरज उधवानी के आवास पर पहुँचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी व उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को अमानवीय कृत्य बताया। देवनानी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। उन्होंने दिवंगत की आत्मशांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

अटारी सीमा पर रिट्रीट सैरमनी में दिखा तनाव

अमृतसर, 24 अप्रैल। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव का असर अब सीमाओं पर दिखने लगा है। गुरुवार को अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली पारंपरिक रिट्रीट सेरेमनी में इस बार कुछ अलग नजारा देखने को मिला। सामान्य रूप से हर दिन दोनों देशों के गेट खोले जाते हैं और सीमाओं पर प्रतीकात्मक मित्रता दिखती है, लेकिन इस बार न तो गेट खोले गए और न ही बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तानी रेंजर्स से परंपरागत हैंडशेक किया।

■ सामान्य रुप से हर दिन दोनों देशों के गेट खोले जाते हैं और प्रतीकात्मक मित्रता दिखाई जाती पर गुरुवार को ना गेट खुले और ना ही भारतीय जवानों ने हाथ मिलाने की रस्म ही अदा की।

रोज़ाना लगभग 20,000 लोगों की मौजूदगी वाली यह सेरेमनी इस बार सन्नाटे की झलक लिए थी। महज़ 10,000 दर्शक पहुंचे, जिनमें से अधिकांश ने हाथ में तिरंगा थामे देशभक्ति के नारे लगाए। हाल ही में, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने लोगों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिसका असर यहाँ भी साफ दिखा। भारत सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाते हुए, अटारी बॉर्डर पर नागरिक आवाजाही को सीमित कर दिया है। पाकिस्तान से भारत आए नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गोधरा ट्रेन बर्निंग केस में अंतिम सुनवाई की तारीख तय की

■ 6 व 7 मई को सुप्रीम कोर्ट इस मुकदमे में सभी आरोपियों की अपील की सुनवाई करेगी

■ सुप्रीम कोर्ट ने सभी अपीलकर्ताओं के वकीलों को निर्देश दिया कि सिलसिलेवार तरीके से तैयार कर के इन तारीखों को पेश करे।

■ 6 व 7 मई को कोर्ट पूरे दिन इस मुकदमे को ही सुनेगा तथा कोई और मामला नहीं सुनेगा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। सर्वोच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल को दिये गये आदेशों में कहा कि 2002 के गोधरा ट्रेन बर्निंग केस में विचाराधीन 2018 अपीलों की निर्णायक सुनवाई 6 तथा 7 मई को होगी।

न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी तथा राजेश बिन्दल की बैंच ने वरिष्ठ एडवोकेट संजय हेगड़े, जो दोषी सिद्ध हुये (कनविक्ट) व्यक्ति की ओर से उपस्थित हुये थे, से कहा कि वे अपने सभी दस्तावेजों का पुनरीक्षित (रीवाइज्ड) संकलन 3 मई तक प्रस्तुत कर दें। बैंच ने कहा कि इन दस्तावेजों में दोषी के खिलाफ लगाये गये आरोपों का विवरण "हैडिंग-वाइज" होना चाहिये, इसके साथ ही, नीचे की अदालतों के निर्णय एवं निष्कर्ष तथा दोषी द्वारा दी गई वे दलीलें, तथा उनकी पुष्टि करने वाली "ऑन रिकॉर्ड" सामग्री भी होनी चाहिये, जो आरोपों की काट के लिये दी गई थीं।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अनेक दोषियों के अलावा, गुजरात सरकार की अपीलें विचाराधीन हैं।

2002 की इस घटना के कारण गुजरात के विभिन्न हिस्सों में दंगे शुरु हो गये थे, जिनसे नरेन्द्र मोदी के राजनैतिक उत्थान में मदद मिली, क्योंकि वे उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उसी के परिणामस्वरुप, मोदी जबरदस्त बहुमत के साथ प्रधानमंत्री पद तक पहुँचे तथा वे अपने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये इस पद पर आसीन हैं।

गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर खड़ी साबरमती एक्सप्रेस के कोच नं. एस-6 में लगी आग में 59 लोग मर गये थे। इस प्रकरण की निर्णायक सुनवाई 6 तथा 7 मई को करने के आदेश देते हुये, बैंच ने गुजरात सरकार तथा दोषियों की ओर से प्रस्तुत वकीलों से कहा कि वे इस प्रकरण से सम्बंधित पत्रावलियों को संकलित कर प्रस्तुत करें तथा यह संकलन ऊपर बताये गये तरीके से ही तैयार किया जाये। ज्ञातव्य है कि गुजरात सरकार ने उच्च न्यायालय के उस फैसले के विरुद्ध अपील की है, जिसमें 11 दोषियों के मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

बैंच ने कहा, "इस प्रकरण की सुनवाई के लिये कम से कम दो सप्ताह का समय चाहिये। पहले, हम इसकी सुनवाई 6 तथा 7 मई को पूरे दिन करेंगे तथा इन तिथियों में अन्य कोई केस नहीं लिया जायेगा, सिवाय उस स्थिति के, जब अदालत स्वयं किसी केस के लिये विशेष रुप से कहे।

सर्वोच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार से कहा कि अगर वे आवश्यक समझें तो इस आशय का आदेश मुख्य न्यायाधीश से ले लें। मार्च 2011 में, ट्रायल कोर्ट में 31 लोग दोषी सिद्ध हुये थे, जिनमें से 20 को आजन्म कारावास तथा 11 दोषियों को मृत्युदंड दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने 63 लोग रिहा कर दिये थे।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निर्वहन को लेकर पेश परिवाद पर मजिस्ट्रेट ने न तो विशेषज्ञ की राय ली और न लोक सेवक का पक्ष ही सुना। ऐसे में उसके खिलाफ कानूनी प्रावधानों की अवहेलना कर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिए गया है। ऐसे में उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर के आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एफआईआर में याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगाते हुए, राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

'सरकार जो भी कदम उठाएगी विपक्षी दल उसके साथ खड़े होंगे'

सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने पहलगाम हमले के मसले पर सरकार को भरोसा दिलाया

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने हिस्सा लिया।

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर देश के विभिन्न राजनीतिक दलों की राय जानने के लिए गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलायी, जिसमें प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ ही विभिन्न दलों के कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि बैठक में सभी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया और सभी ने एक स्वर में इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सभी दलों ने सरकार से जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी दलों के नेताओं को विश्वास दिलाया कि सरकार कश्मीर में शांति बहाली के लिए सभी जरूरी उपाय करेगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सभी दलों के नेताओं ने सरकार को विश्वास दिलाया है कि वह जो भी कदम उठाएगी, विपक्षी दल उनके साथ खड़े होंगे।

विपक्षी दलों ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल न होने पर सवाल उठाए और पूछा कि बैठक को सदन के नेताओं तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। सरकार को पार्टी अध्यक्षों को भी बैठक के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाना चाहिए था।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को माना कि पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई है। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मीटिंग में विपक्षी नेताओं को सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी।

कोटा में नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रोटोकॉल के अनुसार, एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। शव के नजदीक ही एक मोबाइल पड़ा था जिस पर परिजनों का फोन भी आया था। परिजनों ने ही इस लड़के की शिनाख्त की है। परिजनों के कोटा आने के बाद ही आगे की प्रक्रिया और पोस्टमार्टम सहित अन्य कार्रवाई होगी। कुन्हाड़ी थानाधिकारी पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि छात्र के पास से कोई सुसाईड नोट नहीं मिला है। प्रथम दृष्यता जहर के सेवन से मौत लग रही है। स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम से ही सामने आ पाएगा। परिजनों के अनुसार, कोटा में रहकर ऑनलाईन ही कोर्स उसने लिया हुआ था। वह बीते दिनों बेटे को लेने भी आए थे लेकिन उसने जाने से इनकार कर दिया था। जब वे लेने आए थे, तब यह कहीं भाग गया था। बुधवार रात को उनकी बातचीत फोन पर हुई थी, जिसमें वह आगे पढ़ाई नहीं करने, किसी तरह का कोई एग्ज़ाम नहीं देने और घर भी नहीं आने की बात कर रहा था।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर यात्रा तथा वहां की स्थिति के बारे में जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि इस आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गये तथा कई अन्य घायल हुए हैं।

पंजाब सीमा पर भारतीय जवान को पाक सेना ने गिरफ्तार किया

■ पाकिस्तान मीडिया में जवान की दो तस्वीरें जारी की गईं, एक तस्वीर में उसकी आँख पर पट्टी बंधी है दूसरे में वह एके-47 रायफल और पानी की बोतल के साथ खड़ा है।

■ बताया जाता है कि सीमा सुरक्षा बल का जवान गलती से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पार कर गया था।

अमृतसर, 24 अप्रैल। बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.) के एक जवान को पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स के जवानों ने हिरासत में ले लिया है और उसके हाथ से एके-47 भी छीन ली। बताया जा रहा है कि यह बीएसएफ जवान गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया था।

हिरासत में लेने के बाद रेंजर्स जवान को अपने साथ ले गए। इसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में जवान की 2 फोटो जारी की गईं। एक फोटो में आंख पर पट्टी बांधी गई है तो दूसरी में बीएसएफ जवान एके-47 और पानी की बोतल के साथ खड़ा है।

बीएसएफ जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता के जिला हुगली का रहने वाला है। अभी तक उसे छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं।

बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग बुलाई गई, लेकिन मीटिंग बेनतीजा रही।

दरअसल श्रीनगर से बीएसएफ की बटालियन-24 ममदोट में आई है। बुधवार की सुबह किसान अपनी कंबाइन मशीन लेकर खेत में गेहूं काटने गए थे। यह खेत फैन्सिंग पर लगे गेट नंबर-208/1 के पास था। किसानों की निगरानी के लिए दो बीएसएफ जवान भी उनके साथ थे। उसी समय एक जवान गलती से बॉर्डर पार कर गया। तभी पाकिस्तानी रेंजर्स बीएसएफ की चेक पोस्ट जल्लोके पर आ गए। उन्होंने बीएसएफ जवान को पकड़ लिया और उसका हथियार भी ले लिया।

कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर होकर आए जवान को ज़ीरो लाइन का पता नहीं था। गर्मी ज्यादा होने के कारण जवान एक पेड़ के नीचे बैठ गया। इस दौरान पाक रेंजर्स ने उसे घेर लिया, उसकी राइफल छीन ली और इसके बाद उसे बंदी बना लिया।

बीएसएफ ने पाक रेंजर्स से बात की लेकिन उन्होंने जवान को नहीं छोड़ा। जैसे ही यह खबर मिली, बीएसएफ के बड़े अफसर बॉर्डर पर पहुंचे। जवान को छुड़ाने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स और बीएसएफ अफसरों के बीच रात तक मीटिंग चलती रही। अभी तक वह छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं।

मृत पर्यटकों के ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटिंग में कड़े फैसले किए है, जो पाकिस्तान को घुटनों पर ला देंगे और कश्मीर में आतंकवाद भी खत्म कर देंगे। मेरा यकीन मानिए भारत ने जो कूटनीतिक कदम उठाए है वो पाकिस्तान के लिए नुकसान देह होंगे। भविष्य में और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। भरोसा रखिए इस आतंकी कृत्य का बदला लिया जाएगा।"

गहलोत ने माना कि सुरक्षा में चूक हो सकती है। उन्होंने कहा, देश गुस्से में है और मोदी सरकार इस घटना का बदला लेगी और पाकिस्तान व आतंकियों को सबक सिखाएगी ताकि वे भविष्य में ऐसा करने की हिम्मत भी न करें।

उन्होंने मृतकों के शवों व उनके परिजनों को वापस लाने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रयासों की सराहना की और कश्मीर में फंसे कर्नाटक के यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भी कर्नाटक सरकार की प्रशंसा की।

'द टैररिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस आतंकी संगठन का नाम "द रैज़िस्टैंस फ्रन्ट" (टीआरएफ) अपने आप में हैरान करने वाला है। अब तक घाटी में जितने भी आतंकी की ग्रुप सक्रिय रहे हैं, सभी के साथ इस्लाम से सम्बंधित नाम जुड़े हुये थे तथा उनके कमान्डर सार्वजनिक रुप से सामने आते रहते थे, स्वयं को उजागर करने के लिये सोशल मीडिया पर बात करते थे, कभी सेब के बगीचों में घूमते नजर आते थे तो कभी क्रिकेट खेलते तथा बाइक चलाते दिखाई दे जाते थे। कहा जाता था कि इस प्रकार के सोशल मीडिया सम्पर्क के कारण, उनके संगठनों में आतंकियों की भर्ती बढ़ती थी।

भारत सरकार का मानना है कि टीआरएफ पाकिस्तान स्थित लश्करे-तोयबा के एक मोर्चे जैसा है, तथा इस संगठन की रणनीतियाँ भिन्न हैं। पुराने अलगाववादी ग्रुपों के विपरीत सुर्खियों से दूर रहते हुये, टीआरएफ "कश्मीरी राष्ट्रवाद" को आगे बढ़ाने के काम में लग गया है। सोशल मीडिया साइट "टेलीग्राम" पर एक मैसेज पोस्ट करते हुये, टीआरएफ ने "बाहरी लोगों को" कश्मीर में रहने की अनुमति दिये जाने का विरोध किया है। टीआरएफ ने कहा, "इसके परिणामस्वरुप, उन लोगों पर हिंसक हमला किया जाएगा, जो गैर कानूनी रुप से बसने की कोशिश कर रहे हैं।"

बताया जाता है कि टीआरएफ विभिन्न विघटित आतंकी संगठनों के सदस्यों से बना है। टीआरएफ राज्य में लोगों की "टारगैटेड" हत्याओं की जिम्मेदारी लेता रहा है। सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि वर्ष 2022 में, कश्मीर में गोलीबारी में मारे गये ज्यादातर सशस्त्र आतंकवादी टीआरएफ से सम्बद्ध थे। यह ग्रुप उस वर्ष उस समय सुर्खियों में रहा था, जब इसने ऐसे पाँच कश्मीरी पत्रकारों के नाम "ट्रेटर हिट लिस्ट" (धोखेबाजों की हिट लिस्ट) में शामिल किये थे, जिनकी, कथित रुप से, भारत सरकार से साँठ-गाँठ थी। जनवरी 2023 में, केन्द्र सरकार ने टीआरएफ को "आतंकी संगठन" घोषित कर दिया था तथा कहा था कि यह संगठन विद्रोहियों की भर्ती करता है तथा पाकिस्तानी हथियार तस्करी के जरिये कश्मीर में लाता है।

जून 2024 में, टीआरएफ ने एक बस पर हमला करने की जिम्मेदारी ली थी, जो तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी। जम्मू में हुये इस हमले में, 9 लोग मारे गये थे तथा 33 लोग घायल हुये थे। हमले के दौरान, बस एक तँग दर्रे में फँस गई थी।

जापान, इज़रायल व जॉर्डन के नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी को फोन किया

■ विदेश मंत्रालय ने इस सम्बंध में एक्स पर जानकारी दी और बताया कि सभी नेताओं ने पहलगाम अटैक की निंदा की और प्र.मंत्री को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। यह बातचीत पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई।

इज़राइल ने भारत में हुए इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ एकजुटता जताई।

भारत में इज़रायल के राजदूत ने इस हमले की तीखी निंदा की। उन्होंने भारत को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में तकनीक, तरीके और खुफिया जानकारी के जरिए सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने भी प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमले की कड़ी निंदा करते हुए संवेदना जताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के लिए कोई भी तर्क या वजह सही नहीं हो सकती।

इस बातचीत की जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को एक्स पर साझा की।

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने पहलगामआतंकी हमले पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की और इस खौफनाक हमले में हुई मौतों पर गहरा शोक जताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इसकी जनाकारी दी।

जापान के प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी औचित्य नहीं हो सकता। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को आतंक के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।

900 करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोशी को विशेष न्यायाधीश के आवास पर पेश किया। इस दौरान, ईडी ने जोशी से पूछताछ के लिए 7 दिन का पुलिस रिमांड मांगा, जिसका विरोध करते हुए जोशी के वकील दीपक चौहान ने कहा कि महेश जोशी ईडी की ओर से जारी समन की पालना में पेश हुए हैं और जांच में भी पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

इस दौरान, जोशी के अधिवक्ता ने जोशी को पुलिस अभिरक्षा में दिए जाने पर उन्हें घर का बना भोजन और दवाइयां देने की छूट देने की बात कही, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए, जोशी को 4 दिन के रिमांड पर ईडी को सौंप दिया।

वायु सेना का युद्धाभ्यास शुरु

■ पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस युद्धाभ्यास का नाम आक्रमण रखा गया है।

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच, भारतीय वायुसेना ने बड़ा युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। वायुसेना ने इस अभ्यास का नाम आक्रमण रखा गया है।

वायुसेना के इस युद्धाभ्यास में मुख्य लड़ाकू विमानों की टुकड़ियां हिस्सा ले रही हैं। इनमें सबसे आगे राफेल लड़ाकू विमान हैं। भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की दो स्क्वाड्रन हैं, जो अंबाला (हरियाणा) और हाशिमारा (पश्चिम बंगाल) में तैनात हैं।

इस युद्धाभ्यास में पायलट पहाड़ी और जमीनी दोनों ही लक्ष्यों पर हमला करने के मिशन को अंजाम दे रहे हैं। युद्ध अभ्यास के लिए पूर्वी क्षेत्र से भी कई लड़ाकू और ट्रांसपोर्ट विमान पहुंचाए गए हैं।

इस युद्धाभ्यास के तहत, भारतीय वायुसेना के पायलट लंबी दूरी की उड़ानें भर रहे हैं। पायलटों को वास्तविक युद्ध जैसा अनुभव देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस अभ्यास की शीर्ष स्तर पर भी निगरानी की जा रही है।

यह युद्धाभ्यास ऐसे समय हो रहा है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा है। यह युद्धाभ्यास एयर हेडक्वार्टर्स की कड़ी निगरानी में हो रहा है। इसमें वायुसेना के शीर्ष पायलट भाग ले रहे हैं, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षकों की निगरानी में अभ्यास कराया जा रहा है।

बता दें कि फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक में भी भारतीय वायुसेना की अहम भूमिका रही थी।

तब वायुसेना ने मिराज-2000 विमानों का उपयोग किया था, लेकिन उसके बाद से वायुसेना में कई फोर्स मल्टीप्लायर शामिल किए गए हैं।

युद्ध के नगाड़ों की आवाज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब पहले की तरह सार्वभौमिक पवित्रता नहीं रही, और भविष्य में सुविधा व मौके के अनुसार उसकी परिभाषा बदलती रहेगी। दोनों देशों ने अपनी सेनाओं को अपनी-अपनी सीमाओं के अंदर वापस बुला लिया है। स्थिति पूर्ण गतिरोध की ओर बढ़ रही है।

पाकिस्तान ऐसी प्रतिक्रिया दे रहा है, मानो वह सीधे युद्ध की ओर बढ़ रहा है। उसने इस्लामाबाद में भारत के डिफैंस अटैचीज़ (रक्षा अधिकारियों) को अवांछित घोषित कर दिया है।

किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के अभाव में, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर टकराव की स्थिति में हैं, जो दोनों के लिए नुकसानदेह है। दरअसल, पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन नहीं जताया है।

अमेरिका ने भी पाकिस्तान के साथ कोई एकजुटता नहीं दिखाई है। अमेरिका इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रतिबद्ध है। चूंकि अमेरिका स्वयं ऐसे हमलों का शिकार रहा है, इसलिए वह अब दक्षिण एशिया में अपने पुराने सहयोगी की रक्षा के मूड में नहीं है। भारत के लिए युद्ध इस समय सबसे कम जरुरी विकल्प है, खासकर ऐसे समय में, जब ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण भारत की अर्थव्यवस्था एक नई स्थिति से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रही है। युद्ध का बोझ भारत की आर्थिक प्रगति को बाधित कर सकता है। शांति के समय में ही अर्थव्यवस्था फल-फूल सकती है और भारत का आर्थिक उत्थान उसके पड़ोस में शांतिपूर्ण वातावरण पर निर्भर है। पाकिस्तान भारत के तेज आर्थिक विकास के उस रास्ते में बाधा डालना चाहता है।

वहीं, पाकिस्तान के लिए युद्ध एक विनाशकारी विकल्प हो सकता है। पहले से ही सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण पाकिस्तान एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वह भारी बाहरी कर्ज और भुगतान असंतुलन के जाल में फंसा हुआ है। इस समय पाकिस्तान आई.एम.एफ. के साथ बेलआउट पैकेज की बातचीत कर रहा हैं ताकि अपने भुगतान दायित्व पूरे कर सके।

अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसकी जाँच कर रही है। जैसे ही जिम्मेदारी तय होगी, उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी द्वारा अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आने के बाद कांग्रेस ने सी.डल्यू.सी. की बैठक बुलाई।

सी.डब्ल्यु.सी. प्रस्ताव में खुफिया और सुरक्षा विफलता को चिन्हित किया, व्यापक विश्लेषण की मांग की गई। प्रस्ताव में कहा कि हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाकर देशभर में भावनाएं भड़काने की कोशिश की गई। इसके साथ ही भाजपा पर समाज में फूट डालने के लिए त्रासदी की राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया गया और आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए पारदर्शी और मजबूत सुरक्षा की मांग की गई। सी.डब्ल्यु.सी. ने स्थानीय टट्टू वालों और टूरिस्ट गाइड की प्रशंसा की तथा जिनमें से एक पर्यटक को बचाने के प्रयास में शहीद हो गया।

सुरक्षा तंत्र व खुफिया तंत्र की विफलता का उल्लेख करते हुए प्रस्ताव कहता है कि पहलगाम भारी सुरक्षा व्यवस्था वाला क्षेत्र है। यहाँ त्रिस्तरीय सुरक्षा इंतज़ामात हैं। इसलिए जरुरी है कि गुप्तचर विफलता व सुरक्षा चूक की संपूर्ण जाँच करवाई जाए जिसकी वजह से इस केन्द्र शासित प्रदेश में यह आतंकी हमला हुआ।"

प्रस्ताव कहता है कि वृहद जनहित में यह मुद्दा उठाया जाना चाहिए, क्योंकि यही एक तरीका है, जिसे पीड़ित परिवारों को न्याय मिल जाएगा।

सी.डब्ल्यु.सी. ने यह भी कहा कि अमरनाथ यात्रा जल्द ही शुरु होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु इस वार्षिक यात्रा में भाग लेते हैं। उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रस्ताव कहता है कि बिना देरी किए पुख्ता एवं पारदर्शी सुरक्षा प्रबंध किए जाएं, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के साथ पर्यटन पर निर्भर जम्मू-कश्मीर की स्थानीय जनता की आजीविका की रक्षा पूर्ण गंभीरता से की जानी चाहिए।

बाद में कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, संचार महासचिव जयराम रमेश, पवन खेड़ा, नसीर हुसैन और गुलाम अहमद मीर ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार की सुरक्षा विफलता पर कांग्रेस द्वारा हमला करने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, "क्या आपका नहीं लगता कि सुरक्षा में चूक हुई है? यह सवाल आम जनता पूछ रही है। मैं कल मृतकों को श्रद्धांजलि देने वहाँ गया था, और मृतकों के परिजन बार-बार यही सवाल कर रहे थे। एक जिम्मेदार विपक्षी दल होने के नाते हमारा यह कर्तव्य है कि हम सरकार से ये सवाल पूछें।"

के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि 25 अप्रैल को कांग्रेस पार्टी पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता व्यक्त करने के लिए पूरे देश में राज्य व जिला स्तर पर कैंडल मार्च निकालेगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908